राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 48
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शुक्रवार 02 सितंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 केजरीवाल ने पांच दिवसीय विधानसभा सत्र को अपना चेहरा चमकाने और राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया : आदेश गुप्ता
पेज 5 यूपी में कचरे से होगी कमाई, गोरखपुर में इंदौर की तर्ज पर लगेगा बायो सीएनजी प्लांट
पेज 7 जर्मनी से 77 साल बाद दूसरे विश्व युद्ध का हर्जाना मांगेगा पोलैंड, 1.3 खरब डॉलर की डिमांड

सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ मिली पहली स्वदेशी वैक्सीन

सीरम इंस्टीट्यूट और केंद्र सरकार ने लॉन्च किया नया टीका, 200 से 400 रुपए होगी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत को सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ आज पहली स्वदेशी वैक्सीन मिल गई है। इसका नाम क्वाड्रिवेलेंट ह्यूमन पैपिलोमा वायरस वैक्सी है। इसे सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और केंद्र सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी ने मिलकर बनाया है। केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह और SII के प्रमुख अदार पूनावाला ने गुरुवार को यह वैक्सीन लॉन्च की।

क्या है सर्वाइकल कैंसर?

सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में सर्विक्स के सेल्स (कोशिकाओं) को इफेक्ट करता है। सर्विक्स यूट्रस के

निचले भाग का हिस्सा है, यह वजाइना से ही जुड़ा होता है। कैंसर इस हिस्से के सेल्स को इफेक्ट करता है। सर्वाइकल कैंसर के ज्यादातर मामले ह्यूमन पैपिलोमा वायरस के अलग-अलग तरह की स्ट्रेन्स की वजह से होते हैं। HPV एक आम यौन रोग है, जो जननांग में मस्से के रूप में दिखता है। फिर धीरे-धीरे यह सर्वाइकल सेल्स को कैंसर सेल्स में बदल देता है।

देश में हर साल 1.23 लाख मामले

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर के मुताबिक भारत में सर्वाइकल कैंसर के 1.23 लाख मामले हर साल आते हैं। इसमें करीब 67,000 महिलाओं की जान चली जाती है। यह कैंसर देश में महिलाओं को होने वाला दूसरा सबसे सामान्य कैंसर है। उधर, दुनिया की बात करें तो सर्वाइकल कैंसर में भारत का नंबर 5वां है। साथ ही यह बीमारी 15 से 44 वर्ष की महिलाओं में कैंसर से होने वाली मौतों की दूसरी सबसे कॉमन वजह है।

200 से 400 रुपए होगी कीमत

पूनावाला ने मीडिया से बातचीत में बताया कि वैक्सीन की कीमत को लेकर भारत सरकार से चर्चा की जा रही है। हालांकि, यह टीका सस्ता होगा और इसकी कीमत 200 से 400 रुपए के बीच होगी। फिलहाल वैक्सीन की रिसर्च और डेवलपमेंट से जुड़ा सारा काम हो गया है और अब इसे मार्केट में उतारने की तैयारी जारी है।

बैटरी वाहनों के लिए नये नियमों की अधिसूचना

नयी दिल्ली। सरकार ने द्विपहिया बैटरी वाहनों में लगातार आग लगने की घटनाओं को देखते हुए इसके लिए संशोधित नये नियम अनिवार्य करने के वास्ते एक अक्टूबर से इस श्रेणी के इलेक्ट्रिक वाहनों में संशोधित मानकों को अनिवार्य करने के संबंध में अधिसूचना जारी की है। सडक परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इसके लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की है जिसकी सिफारिशों के आधार पर मंत्रालय ने 29 अगस्त को संशोधन नियमावाली जारी की है। इन संशोधनों में बैटरी सेल, बीएमएस, ऑन-बोर्ड चार्जर, बैटरी पैक का डिज़ाइन, आंतरिक सेल शॉर्ट सर्किट से आग लगने के कारण थर्मल प्रसार आदि से संबंधित अतिरिक्त सुरक्षा उपायों को शामिल किया गया है। इस संबंध में सरकार ने जो मसौदा समझौता तैयार किया है उसके कुछ नियमों में संशोधन को लेकर 25 अगस्त को एक अधिसूचना जारी की थी। यह मसौदा विशेषज्ञों की सिफारिशों के आधार पर तैयार किया गया है और इस बारे में हितधारकों से सुझाव मांगे गये हैं।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में लॉरेंस बिश्नोई का भाई केन्या से अरेस्ट

एक और संदिग्ध दबोचा गया

नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर और दिवंगत सिद्धू मूसेवाला की हत्या में शामिल दो संदिग्धों को केन्या और अजरबैजान से गिरफ्तार किया गया है। भारत सरकार ने मामले में पुष्टि की है कि संबंधित देशों से भारत सरकार संपर्क में है। अजरबैजान से सचिन थापन और केन्या से अनमोल बिश्नोई को हिरासत में लिए जाने पर, विदेश मंत्रालय ने कहा, मूसे वाला की हत्या के सिलसिले में केन्या से एक संदिग्ध और अजरबैजान से एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय अधिकारियों ने इन दो लोगों को हिरासत में ले लिया है। हम स्थानीय अधिकारियों के साथ निकट संपर्क में हैं। हालांकि, कानूनी चर्चा पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती है। अनमोल लॉरेंस बिश्नोई का भाई बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, सिद्धू मूसेवाला पिछले साल दिसंबर में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। सिद्धू मूसे वाला मौत मामले में एक बड़े घटनाक्रम में, पंजाब पुलिस ने कहा है कि सचिन थापन, जो गैंगस्टर गोल्डी बरार के साथ कॉलिंग में संपर्क में था, को अजरबैजान में हिरासत में लिया गया है। सचिन थापन को अजरबैजान में हिरासत में लिया गया है। डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने कहा, सचिन थापन, गोल्डी बरार के साथ कॉल का आदान-प्रदान करने वाले व्यक्ति को भारत सरकार के समर्थन से अजरबैजान में हिरासत में लिया गया है।

गौरतलब है कि पंजाब के मनसा जिले के जवाहरके गांव में 29 मई को सिद्धू मूसे वाला की हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह घटना पंजाब पुलिस द्वारा 424 अन्य लोगों की सुरक्षा वापस लेने के एक दिन बाद

हुई थी। पंजाब पुलिस ने सिद्धू मूसे वाला हत्याकांड में 34 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है, जिनमें से आठ को गिरफ्तार किया जाना बाकी है।

एसएसपी गौरव तोरा के मुताबिक, अभी तक, 4 लोग विदेशों में हैं, जबकि 8 लोगों को गिरफ्तार किया जाना बाकी है। गवाही के लिए कुल 122 लोग हैं। अधिकारी ने बताया कि मामले में लॉरेंस बिश्नोई, जग्गू भगवानपुरिया, सतविंदर गोल्डी बराड़ सचिन थापन, अनमोल बिश्नोई, लिपिन नेहरा सहित एक दर्जन से अधिक लोग शामिल हैं।

कोई नहीं कर पाएगा भारत की बिजली गुल

जल्द साइबर हमलों से सुरक्षित होगा देश का बिजली नेटवर्क

एजेंसी

नई दिल्ली। जल्द ही कोई भी भारत की बिजली गुल नहीं कर पाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार देश के बिजली नेटवर्क को मजबूत करने पर काम कर रही है। केंद्रीय बिजली मंत्री आरके सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश का बिजली नेटवर्क जल्द ही भविष्य के लिए तैयार और साइबर हमलों से पूरी तरह सुरक्षित हो जाएगा। साइबर हमले का खतरा हमेशा से एक मुद्दा रहा है और सरकार ने इससे निपटने के लिए हर संभव प्रयास किया है। अब विद्युत संशोधन विधेयक 2022 के माध्यम से बिजली मंत्रालय ने नेटवर्क को साइबर हमले से सुरक्षित बनाने के लिए राष्ट्रीय बिजली ग्रिड के

निरीक्षण का प्रावधान किया है।

सिंह ने एजेंसी से कहा, हम अपने बिजली पारेषण प्रणाली पर साइबर हमलों का सामना कर रहे हैं। हम जानते हैं कि वे कहां से आ रहे हैं। हमने इसके लिए सुरक्षा उपाय शुरू किया है और इसकी नियमित रूप से निरीक्षण की आवश्यकता होती है। हमें साइबर सुरक्षा का पालन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''इसलिए, हम अपने राष्ट्रीय भार प्रोषण केंद्र को मजबूत बना रहे हैं ताकि वह निरीक्षण कर सके और निर्देश दे सके। देश में एक ग्रिड है और अगर देश के एक कोने में कोई समस्या है तो पूरी ग्रिड प्रणाली ध्वस्त हो सकती है। इसलिए यह प्रावधान किया गया है।''

इस विधेयक के तहत अधिनियम की धारा 26 में संशोधन किया जाएगा, ताकि ग्रिड की सुरक्षा सुनिश्चित करने और देश में बिजली व्यवस्था के आर्थिक और कुशल संचालन के लिए राष्ट्रीय भार प्रेषण केंद्र के कामकाज को मजबूत किया जा सके। उल्लेखनीय है कि इस साल अप्रैल में सिंह ने स्वीकार किया था कि राष्ट्रीय पावर ग्रिड पर साइबर हमले हुए थे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट से यूपी सरकार को झटका

ओबीसी की 18 जातियों को एससी में शामिल करने का नोटिफिकेशन रद्द किया

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को बड़ा फैसला दिया है। हाईकोर्ट ने ओबीसी की 18 जातियों को एससी में शामिल करने के नोटिफिकेशन को रद्द कर दिया है। यह नोटिफिकेशन मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव और योगी सरकार में जारी हुआ था। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस राजेश बिंदल और जस्टिस जेजे मुनीर की डिवीजन बेंच में हुई।

याचिकाकर्ता ने दलील दी कि ओबीसी जातियों को एससी कैटेगरी में शामिल करने का अधिकार केवल भारत की संसद को है। राज्यों को इस मामले में कोई अधिकार नहीं मिला है। इसी आधार पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एससी सर्टिफिकेट जारी करने पर रोक लगाई थी। ओबीसी की मझवार, कहार, कश्यप, केवट, मल्लाह, निषाद, कुम्हार, प्रजापति, धीवर, बिंद, भर, राजभर, धीमन, बाथम, तुरहा, गोडिया,

मांझी, मछुआ जातियों को एससी में शामिल करने का नोटिफिकेशन जारी हुआ था।

योगी सरकार ने भी 2019 में जारी किया था नोटिफिकेशन

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 24 जनवरी, 2017 को इन जातियों को ओबीसी का सर्टिफिकेट जारी करने पर रोक लगा दी थी। 24 जून, 2019 को योगी सरकार ने ओबीसी की 18 जातियों को एससी में शामिल करने का फैसला किया था। योगी सरकार ने तब नोटिफिकेशन जारी किया था।

इससे पहले 21 और 22 दिसंबर, 2016 को तत्कालीन अखिलेश सरकार ने ऐसा ही नोटिफिकेशन जारी किया था।

हालांकि, इसका सबसे पहला नोटिफिकेशन 2005 में मुलायम सिंह सरकार ने जारी किया था। उन्होंने ओबीसी की इन 18 जातियों को एससी में शामिल करने की कोशिश की थी। हालांकि विरोध के बाद मुलायम सरकार ने वह नोटिफिकेशन वापस ले लिया गया था।

5 साल से नहीं दाखिल किया गया काउंटर एफिडेविट

इलाहाबाद हाईकोर्ट में 5 साल से राज्य सरकार की ओर से काउंटर एफिडेविट दाखिल नहीं किया जा रहा था। महाधिवक्ता अजय कुमार मिश्र ने कोर्ट को बताया कि नोटिफिकेशन को बनाए रखने का कोई संवैधानिक अधिकार नहीं है। इस आधार पर कोर्ट ने तीनों नोटिफिकेशन को रद्द कर दिया है।

कोर्ट में याची अधिवक्ता राकेश गुप्ता की ओर से दलील दी गई कि ओबीसी की जातियों को स्ट में शामिल करने का अधिकार केवल भारत की संसद को है। संविधान के अनुच्छेद 341(2) के तहत उसे यह अधिकार मिला है कि अनुसूचित जातियों की सूची में संशोधन कर सकती है। अब जबकि नोटिफिकेशन रद्द हो गया है, 18 ओबीसी जातियों को स्ट में शामिल नहीं किया जा सकेगा।

सवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों को दंडित करें

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के दौरान अधिकारियों के रवैए पर की तल्ख टिप्पणी की। कोर्ट ने संविधान के प्रावधानों का बार-बार उल्लंघन करने वाले अधिकारियों को दंडित करने को कहा। डॉ. भीमराव अंबेडकर ग्रंथालय और जनकल्याण समिति गोरखपुर के अध्यक्ष हरिशरण गौतम और इसी संस्था के सदस्य गोरख प्रसाद की जनहित याचिका पर यह सुनवाई हुई।

पाकिस्तान के साथ व्यापार शुरू करने की जल्दी में नहीं भारत

नई दिल्ली। पाकिस्तान में बाढ़ के बाद हालत बदतर होते जा रहे हैं। पड़ोसी मुल्क का एक तिहाई हिस्सा बाढ़ की चपेट में है। ग्यारह सौ से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है जबकि, लाखों की संख्या में लोग बेघर हो गए हैं।पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने इस संकट से निपटने के लिए सहायता की अपील की है। इस बीच भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार को फिर से शुरू करने को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री भी इस बात के संकेत दिए हैं।

वहीं, भारत का मानना है कि इंडिया-पाकिस्तान के बीच व्यापार को फिर से शुरू करने की जिम्मेदारी

इस्लामाबाद की है। घटनाक्रम से परिचित लोगों ने कहा कि ऐसा इसलिए क्योंकि पाकिस्तान ने साल 2019 में भारत के साथ एकतरफा व्यापारिक संबंध तोड़े थे। उन्होंने कहा, भारत ने भी अभी तक पड़ोसी देश में विनाशकारी बाढ़ के मद्देनजर पाकिस्तान को सहायता देने पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है, लेकिन भारतीय क्षेत्र के जरिए शिपिंग सहायता के बारे में अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के अनुरोधों पर विचार करेंगे। दरअसल, पाकिस्तान के वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि इस्लामाबाद भारत से सब्जियों और खाद्य पदार्थों के आयात पर विचार कर सकता है ताकि बाढ़ के कारण होने वाले संकट से निपटा जा सके। देश में बाढ़ की वजह से करीब 33 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

शहबाज शरीफ ने फिर अलापा कश्मीर राग

लोगों ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ओर से भारत को लेकर टिप्पणी करना ठीक नहीं रहा है। जिसमें शरीफ ने भारत से व्यापार शुरू करने मसले को सीधे जम्मू-कश्मीर के जोड़कर पेश किया था। शरीफ ने कहा था कि भारत के साथ व्यापार करने में कोई समस्या नहीं होगी लेकिन वहां नरसंहार चल रहा है और कश्मीरियों को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया गया है। शरीफ ने आगे कहा कि वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठकर बात करने के लिए तैयार हैं।

व्यापार शुरू करने की जिम्मेदारी इस्लामाबाद की

घटनाक्रम से परिचित लोगों में से एक ने कहा, व्यापार के मुद्दे पर पाकिस्तान की ओर से हर तरफ के उलटफेर होते रहे हैं और जब उसे कश्मीर के मुद्दे से जोड़ दिया जाता है तो आप हमसे क्या करने की उम्मीद करते हैं? उन्होंने कहा 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म करने के जवाब में पाकिस्तान ने एकतरफा फैसला लेते हुए भारत के साथ व्यापार को निलंबित कर दिया था।

ईसाइयों पर हमले, उच्चतम न्यायालय ने आठ राज्यों से सत्यापित रिपोर्ट मांगी

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने ईसाई समुदाय पर हमले के आरोप लगाने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए गुरुवार को केंद्र सरकार को आदेश दिया कि वह आरोपों के संबंध में कर्नाटक सहित आठ राज्यों से सत्यापन रिपोर्ट मांगे और शीर्ष अदालत के समक्ष प्रस्तुत करे।

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने याचिकाकर्ता नेशनल सॉलिडेरिटी फोरम के डॉ पीटर मचाडो, इवेंजेलिकल फेलोशिप ऑफ इंडिया के विजयेश लाल और अन्य याचिका पर सुनवाई के बाद गृह मंत्रालय को केंद्रीय को यह आदेश दिया।

याचिकाकर्ताओं ने देश में ईसाई समुदाय के लोगों के खिलाफ कथित हिंसा को रोकने के लिए शीर्ष अदालत से आवश्यक निर्देश देने की गुहार लगाई थी।

पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा, हम याचिका में लगाए गए आरोपों की सत्यता पर एक राय नहीं बना सकते हैं। यह सत्यापित करना बेहतर होगा।

शीर्ष अदालत ने प्राथमिकी दर्ज करने, गिरफ्तारियां करने, जांच की स्थिति और दायर आरोपपत्र सहित पूरी कवायद के लिए गृह मंत्रालय को दो महीने का समय दिया। पीठ ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से बिहार, हरियाणा, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओड़िसा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से जानकारी मांगने को कहा है।

याचिकाकर्ताओं का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस ने दावा किया कि हिंसक तरीके से ईसाइयों की 700 प्रार्थना सभाओं को रोक दिया गया।

देश भर में कोरोना मृतकों की संख्या पांच लाख से अधिक

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना महामारी से 25 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 527911 तक पहुंच गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 212.52 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण (कोविड-19) के 7,946 नए मामले सामने आए। दैनिक संक्रमण दर 2.98 प्रतिशत है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान 9,828 लोग मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल 4,38,45,680 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.67 प्रतिशत है। सक्रिय मामलों का की दर 0.14 प्रतिशत है।

मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 2,66,477 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 88.61 करोड़ से अधिक कोविड परीक्षण किए हैं।

केरल में 851 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 9248 हो गयी है। इससे निजात पाने वालों की संख्या 6675864 हो गयी है। इस महामारी से एक भी मरीज की मौत नहीं होने से मृतकों की संख्या 70831 पर स्थिर है।

इस अवधि में पश्चिम बंगाल में 36 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 2525 हो गयी। राज्य में इस महामारी से अब तक 2083060 लोग उबर चुके हैं और मृतकों का आंकड़ा 21465 पर बरकरार है।

ओडिशा में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 368 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 1667 हो गई है। राज्य में अब तक 1316814 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं। मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 9176 हो गया है।

पंजाब में पिछले 24 घंटों में 81 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 1055 रह गयी है।

अंकिता हत्याकांड

नाबालिग बोली- मुझे भी दुबई में बेचने की धमकी दी; धर्म बदलने का दबाव बना रहा था

अंकिता की हत्या के आरोपी नईम पर हुआ खुलासा

दुमका। अंकिता हत्याकांड के मुख्य आरोपी शाहरुख के सहयोगी नईम की गिरफ्तारी के बाद अब कई खुलासे हो रहे हैं। बुधवार को पुराना दुमका की रहने वाली एक नाबालिग मीडिया के सामने आई। लड़की ने बताया, नईम उस पर धर्म बदलकर निकाह करने का दबाव बना रहा था। मना करने पर अपने दुबई वाले भाई को बेचने की धमकी देता था। कुछ दिन बाद ही इन्होंने अंकिता को जला कर मार दिया।

पीड़ित लड़की ने कहा, घटना पिछले साल की है। वह कोचिंग जाना-आना करती थी। उस समय नईम ना सिर्फ उसके साथ छेड़खानी किया करता था,

बल्कि उसकी बात नहीं मानने पर पूरे परिवार को बर्बाद करने की धमकी देता था। फोन नंबर मांगता था।

नईम ने मुझे अगवा कर लिया

पीड़िता ने बताया, एक दिन मैं घर के सामने गली में खड़ी थी, तब नईम ने मुझे अगवा कर लिया। एक कमरे में बंद कर दिया। बाद में परिजनों की शिकायत पर दुमका पुलिस ने मुझे छुड़ाया। पोक्सो एक्ट के तहत नईम जेल भेजा गया था, लेकिन जब वह जमानत पर छूटा तो मेरे परिवार को केस उठा लेने की धमकी देने लगा। इस बीच, अंकिता को जलाकर मार देने की घटना सामने आई। इसमें भी नईम शामिल है, यह सुनने के बाद मेरा परिवार खौफ में है।

इसके अलावा, नईम ने उसी मोहल्ले की एक केवट परिवार की शादीशुदा महिला को भी अगवा कर लिया था। लगभग तीन महीने तक उसे साथ रखा। बाद में महिला के परिजनों ने पुलिस की मदद ली तब जाकर उस महिला को छुड़ाया जा सका।

60 रुपए के पेट्रोल से अंकिता को जलाया

पुलिस सूत्रों के अनुसार, अंकिता हत्याकांड में नईम की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। उसी ने शाहरुख को ऐसा करने के लिए उकसाया। घटना की रात उसने खुद 60 रुपए का पेट्रोल खरीदकर शाहरुख को दिया था।

पुलिस ने पोक्सो एक्ट की धाराएं जोड़ीं

अंकिता की मौत के बाद दुमका पुलिस ने पोक्सो एक्ट की धाराएं जोड़ी हैं। इससे पहले पुलिस ने अंकिता की उम्र 19 साल बताई गई थी। जिसे अब सुधार कर 15 साल किया गया है। इसके बाद पोक्सो एक्ट की धाराएं लगाई गई हैं।

शार्ट न्यूज

नगरोटा में सेना का जवान संदिग्ध हालात में मृत पाया गया

जम्मू। जम्मू कश्मीर में जम्मू के नगरोटा में सेना का एक जवान संदिग्ध हालत में मृत पाया गया। जम्मू पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक जवान को कुछ दिन पहले वॉलीबॉल खेलने के दौरान चोट लग गयी थी। पुलिस ने कहा, सेना के जवान की पहचान अनिल कुमार के रूप में हुई है। जवान उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के बुधपुर गांव के रहने वाले थे। नगरोटा सैन्य छावनी में जवान संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। और मौत के कारण का पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि सेना के अधिकारियों ने उन्हें सूचित किया कि वह जवान कुछ दिन पहले वॉलीबॉल खेलते समय घायल हो गया था, जिसके बाद उसे सैन्य अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी हालत बिगड़ने लगी तो उसे नरगोटा सैन्य अस्पताल में भर्ती किया गया और बाद में विशेष इलाज के लिए उसे उधमपुर के कमांड अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। बुधवार देर रात इलाज के दौरान जवान ने अंतिम सांस ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच चल रही है।

जम्मू में पहला मानव दूध बैंक बनाने की संभावना

जम्मू। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के अस्पताल में पहला मानव दूध बैंक स्थापित करने की योजना पर काम जारी है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने गुरुवार को यूनीवार्ता को बताया कि जम्मू के किसी एक अस्पताल में पहला मानव दूध बैंक स्थापित करने की योजना बना रहे हैं, जिसके लिए तैयारी चल रही हैं। उन्होंने कहा कि कुछ शिशु बीमार रहते हैं और कुछ आईसीयू में भर्ती होते हैं और इसके साथ ही कुछ माताओं का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता है जिससे वह अपने बच्चे को स्तनपान कराने में असमर्थ रहती हैं। ऐसे में परिवार के सदस्यों की चिंता बरकरार रहती है, इसलिए स्वास्थ्य विभाग ने पहला मानव दूध बैंक स्थापित करने की योजना बनाई और इस योजना के तहत बच्चों को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्तनपान कराने वाली माताएं दूध का दान कर सकती हैं, जिसे स्वच्छ बनाकर लगभग छह महीने तक इस्तेमाल किया जा सकता है। पाश्चुरीकृत डोनर दूध का उपयोग समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों के लिए किया जा सकता है, जिन माताओं को स्तनपान कराने में कठिनाई होती है, जो कुछ दवाओं पर निर्भर हैं और जो संक्रामक रोगों से पीड़ित हैं।

श्रीनगर में तीन दुकानें जलकर राख

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में गुरुवार को आग लगने से तीन दुकानें जलकर खाक हो गयीं। राहत की बात है कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। दमकल एवं आपात सेवा के अधिकारियों ने बताया कि बारबरशाह क्षेत्र में आज सुबह एक दुकान में आग लग गई। आग ने देखते ही देखते दो अन्य दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना में संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। राहत की बात है कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि आसपास के स्टेशनों से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। उन्होंने आशंका जतायी है कि शार्ट सर्किट के कारण आग लगी थी।

पेरियार मूर्ति विवाद : मद्रास हाईकोर्ट से फिल्म स्टंट मास्टर को सशर्त जमानत

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने गुरुवार को तमिल फिल्म स्टंट मास्टर कनाल कन्नन को एशिया के सुकरात कहे जाने वाले समाज सुधारक ई.वी. रामासामी पेरियार की प्रतिमा पर उनकी टिप्पणी से संबंधित मामले में सशर्त जमानत दे दी। न्यायमूर्ति जीके इलांथिरैया ने इस शर्त पर जमानत दी कि उन्हें शपथ पत्र देना होगा कि वह भविष्य में इस तरह की भड़काऊ टिप्पणी नहीं करेंगे। न्यायाधीश ने स्टंट कोरियोग्राफर जो हिंदू मुन्नानी का एक पदाधिकारी भी है , को चार सप्ताह के लिए दिन में दो बार जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने और जांच में सहयोग करने का भी निर्देश दिया। थानथाई पेरियार द्रविड़ कड़गम द्वारा दायर एक शिकायत पर कनाल कन्नन उर्फ वी. कन्नन (59) को चेन्नई सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) ने गिरफ्तार किया था। कन्नन ने तिरुचिरापल्ली जिले के श्रीरंगम में रंगानाथस्वामी मंदिर के बाहर स्थित श्री पेरियार की प्रतिमा को गिराने की मांग की थी। चेन्नई शहर के मदुरावॉयल में एक जनसभा में कनाल कन्नन ने कहा था, पेरियार की मूर्ति जिसमें हिन्दुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले शब्द हैं ,इसे तोड़ा जाना चाहिए।

126 किग्रा हेरोइन की खेप में एटीएस गुजरात वांछित एक अंतरराज्यीय नशा तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर/चंडीगढ़ । अमृतसर-ग्रामीण पुलिस ने कल दो किलोग्राम हेरोइन के साथ एक अंतरराज्यीय ड्रग डीलर को गिरफ्तार किया, जो 126 किलोग्राम हेरोइन की खेप का एक हिस्सा ले जाने के मामले में एटीएस गुजरात को वांछित था। यह खेप द्वारका बंदरगाह पर एक मछुआरे को दी गई थी जिसके पास मछली पकड़ने की एक छोटी नाव थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) स्वप्न शर्मा ने आज यहां बताया कि पंजाब पुलिस ने पिछले दिन उसके पास से दो किलोग्राम हेरोइन और करीब पांच लाख नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान तरनतारन के पट्टी निवासी गुरजंत सिंह पुत्र जस्सा सिंह के रूप में हुई है, जिसे अमृतसर-ग्रामीण पुलिस की विशेष इकाई ने उस समय गिरफ्तार किया, जब वह एक स्विफ्ट कार में दो किलोग्राम हेरोइन की खेप पहुंचाने जा रहा था। उसकी कार से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। एसएसपी ने कहा कि यह एक विशेष इकाई द्वारा खुफिया सूचना पर किया गया ऑपरेशन था। उन्होंने कहा कि यह बरामद हेरोइन लाहौर निवासी सिकंदर नामक एक पाकिस्तानी ड्रग तस्कर द्वारा अमीन नाम के एक मछुआरे को द्वारका सी-पोर्ट पर पहुंचाई गई 126 किलोग्राम हेरोइन के मामले का एक हिस्सा है जिसे अहमदाबाद रेलवे स्टेशन से एटीएस गुजरात द्वारा गिरफ्तार किया गया था।

स्पेशल डीजीपी आर्म्ड पुलिस इकबाल प्रीत सिंह सहोता हुए सेवानिवृत्त

जालंधर। पंजाब राज्य सशस्त्र पुलिस जालंधर के स्पेशल डायरेक्टर जनरल पुलिस (डीजीपी) इकबाल प्रीत सिंह सहोता 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में पीएपी परिसर में विदाई परेड का आयोजन किया गया, जिससे स्पेशल डीजीपी ने सलामी ली। 1988 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी श्री सहोता ने अपने करियर के दौरान एसीपी से लेकर डीजीपी रैंक तक विभिन्न पदों पर सेवाएं निभाई। श्री सहोता ने होशियारपुर, तरनतारन, लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब, अमृतसर देहाती और बरनाला में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के तौर पर सेवाएं निभाईं और प्रथम आईआरबी के कमांडेंट बने रहने के साथ पटियाला फिरोजपुर और बार्डर रेंज में बतौर डीआईजी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। स्पेशल डीजीपी के पद से सेवानिवृत्त सहोता ने एसएसपी और पुलिस उपाधीक्षक (डीआईजी) रहते जनहितैषी नीतियों के विकास के साथ-साथ अपराध पर लगाम लगाने के लिए अहम कदम उठाए। उन्होंने पुलिस के कामकाज में और सुधार लाने के लिए कई पहलों को लागू किया।

हरियाणा नड्डा के भव्य स्वागत के लिए तैयार

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा दो सितम्बर से दो दिन के प्रवास पर हरियाणा आयेंगे। प्रदेश भाजपा मीडिया प्रमुख संजय शर्मा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि श्री नड्डा इस दौरान कई महत्वपूर्ण बैठक लेंगे और कैथल में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। श्री नड्डा के कार्यक्रमों की पार्टी ने पूरी तैयारियां कर ली हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने सभी बैठकों के आयोजनों की जिम्मेदारी अलग-अलग नेताओं और कार्यकर्ताओं को सौंपी है। उन्होंने बताया कि श्री नड्डा के पूरे प्रवास कार्यक्रम के देखरेख की जिम्मेदारी प्रदेश महामंत्री एडवोकेट वेदपाल को दी गई है। डॉ. शर्मा के अनुसार श्री नड्डा दो सितम्बर को विशेष विमान से सुबह दस बजे अम्बाला पहुंचेंगे और वहां से सीधे बलाना मंडल में पहुंचेंगे और करीब 11 बजे संगीत पैलेस में मंडल कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे।

प्राइवेट स्कूल के शिक्षकों को भी मिलेगा ग्रेच्युटी का लाभ; सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली। प्राइवेट स्कूल में पढ़ा रहे शिक्षकों के लिए अच्छी खबर है। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि निजी स्कूलों में काम करने वाले शिक्षक कर्मचारी हैं और वे केंद्र सरकार द्वारा 2009 में संशोधित पेमेंट ग्रेच्युटी अधिनियम के तहत ग्रेच्युटी के हकदार हैं।

आपको बता दें कि पीएजी अधिनियम 16 सितंबर, 1972 से लागू है। इसके तहत उस कर्मचारी को ग्रेच्युटी का लाभ देने का प्रावधान है जिसने अपनी सेवानिवृत्ति, इस्तीफे या किसी भी कारण संस्थान छोड़ने से पहले कम से कम 5 साल तक निरंतर नौकरी की है। श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा 3 अप्रैल, 1997 को जारी एक अधिसूचना के माध्यम से इस अधिनियम को दस या अधिक कर्मचारियों वाले शैक्षणिक संस्थानों पर भी लागू किया गया था। ऐसे में ये अधिनियम निजी स्कूलों पर भी लागू होते हैं।

कई हाईकोर्ट में केस हारने के बाद निजी स्कूलों ने 2009 के संशोधन को देश के शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। उनके अनुसार, छात्रों को शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षकों को ग्रेच्युटी भुगतान (संशोधन) अधिनियम 2009 की धारा 2(ई) के तहत कर्मचारी नहीं माना जाना चाहिए। वे अहमदाबाद प्राइवेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन मामले में शीर्ष अदालत के जनवरी 2004 के फैसले पर भरोसा करते थे, जिसने इस सिद्धांत को निर्धारित किया था।

स्कूलों के तर्क को खारिज करते हुए न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने कहा, यह संशोधन पहले से जारी एक विधायी गलती के कारण शिक्षकों के साथ हुए अन्याय और भेदभाव को दूर करता है। इसे निर्णय की घोषणा के बाद समझा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 2004 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले में बताए गए संशोधन को लाने और दोष को दूर करने के लिए विधायी अधिनियम को बरकरार रखा।

स्कूलों ने समानता के अपने मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 14), व्यापार करने के अधिकार (अनुच्छेद 19(1)(जी)), जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21), और संपत्ति के अधिकार (अनुच्छेद 300ए) के उल्लंघन का दावा किया। स्कूलों का कहना था कि वे शिक्षकों को ग्रेच्युटी देने के लिए वित्तीय रूप से साधन नहीं हैं। पीठ ने स्कूलों से कहा कि ग्रेच्युटी का भुगतान निजी स्कूलों द्वारा देने वाला कोई इनाम नहीं है, यह उनकी सेवा की न्यूनतम शर्तों में से एक है। कोर्ट ने कहा, प्राइवेट स्कूलों का यह तर्क कि उनके पास शिक्षकों को ग्रेच्युटी देने की क्षमता नहीं है। उनका यह तर्क अनुचित है। सभी प्रतिष्ठान पीएजी अधिनियम सहित अन्य कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य हैं।

पीठ ने कहा कि कुछ राज्यों में फीस निर्धारण कानून हो सकते हैं जो स्कूलों को अतिरिक्त वित्तीय बोझ से निपटने के लिए फीस बढ़ाने से रोकते हैं। इन कानूनों के अनुपालन का मतलब यह नहीं है कि शिक्षकों को ग्रेच्युटी से वंचित किया जाना चाहिए। जो भी इसके हकदार होते हैं।

पीठ ने निजी स्कूलों को छह सप्ताह की अवधि के भीतर पीएजी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार ब्याज सहित कर्मचारियों/शिक्षकों दी जाने वाली ग्रेच्युटी का भुगतान करने का निर्देश दिया है।

आपको बता दें कि प्राइवेट स्कूलों ने इस मामले में कई उच्च न्यायालयों का दरवाजा खटखटाया था। उन्हें दिल्ली, पंजाब और हरियाणा, इलाहाबाद, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बॉम्बे और गुजरात हाईकोर्ट से कोई राहत नहीं मिली। इन फैसलों को स्कूलों द्वारा शीर्ष अदालत में अलग से चुनौती दी गई थी। यहां भी उन्हें निराशा ही हाथ लगी है।

आजाद के इस्तीफे के बाद कांग्रेस में जारी है कलह

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे के बाद कांग्रेस में तिलमिलाहट मची है और श्री आजाद से मिलने वाले नेताओं को शक की निगाह से देखा जा रहा है और अंदरखाने उनके खिलाफ कार्रवाई की बात की जा रही है।

कांग्रेस के भीतर इस बात को लेकर ताजा चर्चा शुरु हो गई है कि बुधवार को पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने श्री आजाद से यहां उनके आवास पर मुलाकात क्यों की। आजाद से मिलने वाले कांग्रेस नेताओं में पृथ्वी राज चह्वाण, आनंद शर्मा तथा भूपेंद्र सिंह हुड्डा जैसे बड़े नेता शामिल थे। ऐसे नेताओं की शिकायत कांग्रेस आलाकमान से की गई है और कुछ लोग उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

इस मुलाकात पर श्री हुड्डा ने कहा कि वह पार्टी के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद से मिले हैं और इसमें कोई गलत बात नहीं है।

उनका कहना था कि श्री आजाद के साथ उनके वर्षों के संबंध हैं, एक ही पार्टी में दोनों ने लम्बे समय तक काम किया है तो उनसे मिलने में कोई बुराई नहीं है।

उन्होंने कहा जो लोग इस मुलाकात को लेकर सवाल उठा रहे हैं उन्हें बताना चाहता हूं कि इस बैठक में हमने श्री आजाद से पूछा कि आपने जीवनभर कांग्रेस की राजनीति की। आपने कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की मांग की थी तो उसे पार्टी नेतृत्व ने मान लिया है और चुनाव हो रहे हैं इसके बावजूद आपने पार्टी छोड़ने का फैसला लिया है। हम उनके इस्तीफे का कारण जानना चाहते थे इसलिए उनसे मुलाकात की है।

हरियाणा कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष कुमारी सैलजा ने इस मुलाकात पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्री हुड्डा के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। इसी तरह से महाराष्ट्र के कुछ नेताओं ने श्री चह्वाण के खिलाफ भी कार्रवाई करने मांग की है।

इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की पारदर्शिता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी, शशि थरूर, कार्ति चिदम्बर तथा कुछ अन्य ने कांग्रेस चुनाव समिति के प्रमुख मधुसूदन मिस्त्री के डेलीगेट सूची सिर्फ कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में उम्मीदवार के रूप में मान्य व्यक्ति को ही उपलब्ध कराने पर सवाल उठाये हैं और कहा है कि इसमें पारदर्शिता नहीं है।

हैदराबाद में मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क का भंडाफोड़, आठ गिरफ्तार

हैदराबाद। हैदराबाद नारकोटिक एनफोर्समेंट विंग (एच-एनईडब्लू) के अधिकारियों ने गुरुवार को दावा किया कि उन्होंने सोशल नेटवर्क द्वारा डार्क वेब का उपयोग करके मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है और दो अंतर-राज्यीय सरगनाओं सहित आठ तस्करों को गिरफ्तार किया है। यहां एक संवाददाता सम्मेलन में, हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त सी वी आनंद ने कहा कि एनईडब्ल्यू ने डार्क वेब के दो सरगनाओं को पकड़ा है, जिसमें से एक नरेंद्र आर्य यानी होली सॉप हरियाणा का निवासी है और गोवा में रहता है जबकि दूसरा फरहान मोहम्मद अंसारी यानि ट्रीमिनेटर, जो मध्य प्रदेश का निवासी है और राजस्थान में रहता है। उन्होंने कहा कि छह अन्य तस्करों को भी पकड़ा गया है, सभी हैदराबाद के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि डार्क वेब मादक पदार्थ नेटवर्क क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से मादक पदार्थ खरीदते हैं और उनके खिलाफ शहर के तीन पुलिस स्टेशनों में तीन मामले दर्ज हैं। आयुक्त ने कहा कि आरोपियों से मादक पदार्थ खरीदने वाले 30 ग्राहकों की पहचान की गई है।

किसानों को अयोग्य बता सम्मान निधि का पैसा वापस ले रही सरकार

नई दिल्ली। कांग्रेस ने दावा किया है कि केंद्र सरकार उन किसानों को नोटिस जारी कर रही है जो कि पीएम-किसान योजना के लिए योग्य नहीं हैं। पार्टी की तरफ से कहा गया कि सरकार गरीब अन्नदाताओं से रिकवरी भी करने वाली है। विपक्षी दल ने दावा किया कि सरकार एक तरफ अपने उद्योगपति दोस्तों को करोड़ों रुपये का कर्ज दे रही है और दूसरी तरफ किसानों से पैसा वापस ले रही है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस के प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा कि जो भी किसान सम्मान निधि के लिए योग्य नहीं हैं सरकार ने उनपर कार्रवाई करना और पैसा वापस लेना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, यह किसान सम्मान निधि नहीं बल्कि किसान अपमान विधि योजना है। जो सरकार अपने उद्योगपति दोस्तों का करोड़ों का कर्ज माफ कर रही है वही अन्नदाताओं से पैसा वापस ले रही है।

बता दें कि साल 2019 में मोदी सरकार ने किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत की थी। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले यह योजना लॉन्च की गई थी। चुनाव से पहले किसानों के खाते में इस योजना के तहत एक किस्त भी पहुंच गई थी। कांग्रेस का कहना है कि सरकार की लिस्ट में दो करोड़ लोग हैं जो कि इस योजना के लिए अयोग्य हैं। ऐसे में किसानों को नोटिस भेजा जा रहा है कि वे पैसा लौटा दें।

क्या है सच

सरकार ने कहा है कि कुछ अपात्र लोगों कभी पीएम सम्मान निधि के पैसे मिल गए हैं। इस संबंध में अडवाइजरी जारी की गई है कि वे धनराशि वापस कर दें। वेब पोर्टल पर भी पैसे वापस करने का ऑप्शन दिया गया है। बता दें कि किसान सम्मान निधि के लिए कुछ क्राइटीरिया तय किया गया था। कुछ लोग जो इनकम टैक्स देते हैं वे भी इस योजना का लाभ ले रहे थे। ऐसे में उनके लिए वापसी की स्कीम चलाई गई है। कई जगहों पर ऐसे लोगों को नोटिस भी दिया गया है।

उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखने वाले सिंह ने कहा, 'उत्तर प्रदेश सरकार, प्रदेश को तुरंत सूखाग्रस्त प्रदेश घोषित करे क्योंकि इस वर्ष औसत वर्षा से 44 प्रतिशत कम वर्षा अभी तक हुई है। इस कारण से खरीफ की सभी फसलें सूख गई हैं।'

राज्य निर्माण आंदोलनकारी उत्तराखंड की धरोहर : धामी

नैनीताल। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पृथक राज्य निर्माण के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देने वाले आंदोलनकारी राज्य की धरोहर हैं और राज्य सरकार शहीदों के सपनों के अनुरूप समृद्ध उत्तराखंड बनाने के लिये संकल्पबद्ध हैं। धामी ने खटीमा गोलीबारी की 28वीं बरसी के खटीमा में शहीद स्थल पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उनके स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों का शाल ओढ़ाकर सम्मान भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि खटीमा राज्य आंदोलन की जननी रहा है। जब तक अंतिम पायदान में खड़े व्यक्ति को लाभ नहीं मिले तब तक शहीदों का सपना पूरा नहीं कहलाया जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के तहत भी केन्द्र सरकार ने सभी शहीदों को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार खाली घोषणा नहीं करेगी बल्कि उसका शासनादेश भी जारी करेगी और उस घोषणा का लोकार्पण भी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि खटीमा में सीएसडी कैंटीन, रोडवेज बस स्टेशन का निर्माण कार्य, सड़कों का डामरीकरण, बाईपास निर्माण, शारदा घाट, स्नान घाट, क्रोकोडाइल पार्क जैसे अनेक कार्य किये गये हैं और कई योजनायें जारी हैं। आगे भी खटीमा के विकास में कमी नहीं आने दी जायेगी। केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने भी शहीदों का नमन किया और श्रद्धा सुमन अर्पित किये। उन्होंने कहा कि सरकार व शासन प्रशासन शहीदों के परिवार के साथ खड़ी है। जिन शहीदों के बल पर राज्य का निर्माण हुआ है, उनको कभी भुलाया नहीं जा सकता है। इस मौके पर वन विकास निगम के अध्यक्ष कैलाश गहतोड़ी, विधायक शिव अरोड़ा, उक्रांद नेता काशी सिंह ऐरी तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुर्मू, मोदी, पटनायक ने ओडिशा के लोगों को दी नवाखाई पर्व की बधाई

एजेंसी

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने नवाखाई पर्व के अवसर पर गुरुवार को ओडिशा के लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। पश्चिमी ओडिशा में विशेष रूप से फसलों का यह त्योहार बहुत धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

मुर्मू ने ट्विटर पर इस अवसर पर पश्चिमी ओडिशा के भाइयों और बहनों को शुभकामनाएं दीं। यह पर्व सबके लिए प्यार, सदभाव और समृद्धि लेकर आए। मोदी ने ट्वीट कर कहा, नवाखाई जुहार के विशेष दिन पर सभी लोगों को ढेर सारी शुभकामनाएं। यह त्योहार हमारे मेहनतकश किसानों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है जो हमारे देश को खाद्यान्न उपलब्ध कराने का अनुकरणीय कार्य करते हैं। कामना है कि हमारा समाज विकास की नई ऊंचाईयों तक पहुंचे और सभी लोग खुश और स्वस्थ रहें।

कैथोलिक चर्च की तोड़फोड़ करने वालों को मिलेगी सख्त सजा : सुभाष थोबा

अमृतसर। पंजाब अल्पसंख्यक आयोग की टीम ने गुरुवार को जंडियाला गुरु के गांव डडूआणा और तरनतारन की पट्टी चर्च का दौरा किया, जहां बेदअबी की घटनाएं हुईं थी। आयोग के सदस्य डॉ सुभाष थोबा ने आयोग के चेयरमैन प्रो. इमैनुअल नाहर के आदेश पर अमृतसर देहाती के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की और गांव डडूआणा चर्च पर हुए हमले के बाद चर्च में पहुंचकर मामले की जांच की। वह चर्च के पास्टर सुखजिंदर राजा से मिले और उनसे पूरे घटनाक्रम की जानकारी प्राप्त की। सुखजिंदर राजा ने बताया कि उन्होंने धर्म परिवर्तन करवाने या किसी को लालच नहीं दिया। न ही किसी धर्म विशेष के खिलाफ कभी कुछ कहा है। इस अवसर पर एसएसपी देहाती ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में जितने भी चर्च हैं, उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एसएसपी ने डॉ थोबा से कहा कि सभी चर्च के प्रमुख अपने-अपने चर्च में सीसीटीवी कैमरे जरूर लगाएं, ताकि अपराधियों को पकड़ने में आसानी हो। इसके बाद आयोग की टीम तरनतारन स्थित पट्टी कैथोलिक चर्च भी पहुंची।

केरल हाईकोर्ट ने अडानी बंदरगाह पुलिस सुरक्षा का दिया आदेश

एजेंसी

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने गुरुवार को सरकार को अडानी के विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह को पुलिस सुरक्षा प्रदान करने का आदेश दिया, जहां चर्च समर्थित मछुआरे अपनी कई मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और निर्माण कार्यों में बाधा पहुंचा रहे हैं।

इस मामले में अडानी विझिंजम पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड और उसकी ठेकेदार कंपनी होवे इंजीनियरिंग कंस्ट्रक्शन द्वारा एक याचिका दायर की है। न्यायमूर्ति अनु शिवरामन ने कहा कि आंदोलनकारियों को विरोध करने का अधिकार है लेकिन उन्हें परियोजना स्थल के कार्यों को बाधित करने या नुकसान पहुंचाने का कोई अधिकार नहीं है। याचिकाकर्ताओं के श्रमिकों को आवश्यक पुलिस सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार को निर्देश देते हुए अदालत ने कहा कि परियोजना के पास सभी कानूनी अनुमतियां है। साथ ही सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि निर्माण स्थल पर कानून और व्यवस्था बनी रहे। अदालत ने कहा कि परियोजना स्थल पर निर्माण श्रमिकों को किसी तरह की बाधा नहीं होनी चाहिए।

इससे पहले केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने विधानसभा में कहा कि बंदरगाह की निर्माण गतिविधियों के संबंध में विझिंजम में किसी को भी अपना आश्रय और आजीविका नहीं गंवानी पड़ेगी।

उन्होंने कहा कि बड़ी परियोजनाओं के बारे में सरकार की स्पष्ट दृष्टिकोण है और कुछ लोगों का एक वर्ग के इसके विरोध में बंदरगाह के निर्माण कार्य में बाधा डाला रहा है।

गौरतलब है कि लैटिन कैथोलिक चर्च के नेतृत्व में हो रहे आंदोलन के बाद विझिंजम बंदरगाह की निर्माण गतिविधियों को अडानी समूह ने अस्थायी तौर से रोक दिया था।

गहलोत ने तीन हजार करोड़ से अधिक के सड़क विकास कार्यों का किया शिलान्यास एवं लोकार्पण

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 3324 करोड़ रूपए की लागत की 3063 किलोमीटर लंबी सड़कों, आरओबी तथा पुलों के निर्माण कार्यों का आज लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

गहलोत ने यहां मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इन कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने सड़कों का विकास नागरिक जीवन की मूलभूत आवश्यकता बताते हुए कहा कि जहां सड़कों का विकास होगा वहां नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और अधिक से अधिक उद्योगों की स्थापना होगी। राज्य सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने सड़कों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि इसके लिए निरीक्षण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा तथा गुणवत्ता नियंत्रण शाखा के अधिकारियों द्वारा सघन निरीक्षण भी सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करने तथा उचित मापदण्डों के अनुसार सड़कों का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री गहलोत ने कहा कि विभागीय अधिकारी ठेकेदारों से समन्वय कर सड़क बनने के बाद आवश्यक रखरखाव सुनिश्चित करें। इसके लिए ठेकेदारों के साथ किए गए अनुबंध में मौजूद सभी शर्तों की पालना आवश्यक रूप से कराई जाए। साथ ही अधिकारी नियमित एवं औचक दौरे कर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करें।

गहलोत ने कहा कि किसी भी राज्य में निवेश एवं विकास के लिए उत्कृष्ट सड़क तंत्र पहली शर्त होती है। सभी विकसित देशों की प्रगति के पीछे उनकी उन्नत सड़कें एक मुख्य कारण हैं। राज्य में अक्टूबर में होने जा रही इन्वेस्ट राजस्थान समिट से पहले प्रदेश सरकार द्वारा निवेशकों के साथ लगभग 11 लाख करोड़ रूपए के एमओयू साइन कर लिए गए हैं। निवेशकों द्वारा प्रदेश में दिखाई जा रही रूचि के पीछे राज्य का सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर एक प्रमुख वजह है। राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों के साथ गुणवत्तापूर्ण मुख्य जिला सड़कों, अन्य जिला सड़कों तथा ग्रामीण सड़कों का निर्माण कर विकास में राज्य के सभी क्षेत्रों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

सारण में युवक की पीट-पीट कर हत्या

छपरा। बिहार में सारण जिले के मढ़ौरा थाना क्षेत्र के धेनुकी गांव में एक युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गयी है। पुलिस सूत्रों से गुरुवार को यहां मिली जानकारी के अनुसार, धेनुकी गांव के लोगों ने गांव के कन्या विद्यालय के समीप आज सुबह झाड़ी में एक शव देखकर इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त वहां मौजूद ग्रामीणों से धेनुकी गांव निवासी कामेश्वर सिंह के 22 वर्षीय पुत्र शशिभूषण कुमार सिंह के रूप में की। सूत्रों ने बताया कि शव को देखने से प्रतीत होता है कि मृतक की हत्या पीट कर की गई है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है। वहीं, मृतक के परिजनों के अनुसार, कल देर रात को खाना खाने के बाद नित्य की तरह युवक टहलने निकला था जो देर रात तक वापस नहीं लौटा।

चतरा : टीएसपीसी का जोनल कमांडर गिरफ्तार, भारी संख्या में हथियार बरामद

चतरा। झारखंड की चतरा जिला पुलिस ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन टीएसपीसी के जोनल कमांडर भैरो गंझू उर्फ भास्कर उर्फ वीरप्पन को अत्याधुनिक हथियार और बड़ी संख्या में कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को यहां बताया कि सूचना के आधार पर सिमरिया के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अशोक प्रियदर्शी के नेतृत्व में गठित सिमरिया थाना और सीआरपीएफ 190 बटालियन के संयुक्त टीम ने थाना क्षेत्र के कासियातू जंगल से नक्सली जोनल कमांडर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सली जोनल कमांडर के पास से अमेरिकी सेना का इंसास राइफल, झारखंड पुलिस से लूटी गई इंसास राइफल, अमेरिकन रायफल के तीन मैगजीन, एक इंसास एलएमजी मैगजीन, एक इंसास मैगजीन, 230 कारतूस, इसके अलावा अन्य 772 चक्र कारतूस, दो लैमिनेशन पाउच समेत भारी मात्रा में अन्य नक्सली सामान बरामद किया गया है। गिरफ्तार नक्सली जोनल कमांडर के विरुद्ध चतरा, लातेहार एवं पलामू के विभिन्न थाने में 16 से अधिक हत्या, लूट व अन्य नक्सली मामले दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने आज यहां पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार जोनल कमांडर चतरा, लातेहार और पलामू के कोयलांचल इलाकों के साथ-साथ जंगली इलाकों में भी सक्रिय था। वह लगातार छोटी-बड़ी घटनाओं को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती भी पेश कर रहा था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार जोनल कमांडर के पास से बरामद अमेरिकन इंसास राइफल अमेरिकी सरकार की प्रॉपर्टी है। उसका इस्तेमाल सिर्फ और सिर्फ अमेरिकी सेना ही करती है। इसके अलावा दूसरा बरामद इंसास झारखंड पुलिस से लूटा गया था।

शार्ट न्यूज

नॉगल चौधरी नगर पालिका के वाइस चेयरमैन बने मुकेश शर्मा

कपिल शर्मा /गौरवशाली भारत

नॉगल चौधरी। नगर पालिका वाइस चेयरमैन के लिए गुरुवार को वोटिंग हुआ। जिसमें नगर पालिका के 13 वार्ड पार्षद समेत चेयरमैन ने वोटिंग किया। कुल 14 मतों में 9 मत वार्ड संख्या दस के पार्षद मुकेश शर्मा को प्राप्त हुए। शेष 5 वोट वार्ड संख्या पाँच की पार्षद शकुंतला देवी को मिले। बता दें कि, हरियाणा जिला महेंद्रगढ़ स्थित विधानसभा क्षेत्र नाँगल चौधरी नगर निकाय चुनाव 19 जून को हुए थे। जिसमें प्रधान पद के लिए 10 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरे थे। वहीं 13 वार्ड पार्षद के लिए 46 उम्मीदवार चुनावी दंगल में अपनी किस्मत आजमाई थी। चुनावी नतीज़े 22 जून को घोषित हुए थे। जिसमें वार्ड संख्या 10 से पार्षद मुकेश शर्मा चुने गए थे। चुनावी परिणाम में वार्ड संख्या दस मे कुल मतदान 598 हुआ था। जिसमें पार्षद मुकेश शर्मा की झोली में 266 वोट हासिल हुए थे। लैब टेक्निशियन संदेश शर्मा ने बताया कि, उनके परिवार के बहुत ही कर्मठ, मेहनती, ईमानदार छवि के भाई मुकेश शर्मा को जन प्रतिनिधियों द्वारा विश्वास मत हासिल हुआ है। इस अवसर पर नगर पालिका स्थित रिटर्निंग ऑफिसर डॉ. मंगल सैन द्वारा पार्षद मुकेश शर्मा को सर्टिफिकेट ऑफ इलेक्शन प्रदान किया गया। इस विशेष अवसर पर नपा पार्षद रिंकू सैनी, होशियार सिंह, अनीता जाटीवाल सहित अन्य पार्षद और चेयरपर्सन प्रतिनिधि रमेश चंद सैनी समेत संदेश शर्मा, अशोक शर्मा, महेन्द्र शर्मा, दिनेश शर्मा आदि मित्र मंडल ने मुकेश शर्मा को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।

कोरोना के 43 मरीज स्वस्थ हुए

नोएडा। कोरोना संक्रमित 27 नए मरीजों की पुष्टि स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को की। होम आइसोलेशन से 43 मरीज स्वस्थ हुए। प्रतिदिन हजार से ज्यादा कोरोना संदिग्ध मरीजों की जांच हो रही है। होम आइसोलेशन में 160 मरीज इलाज करवा रहे हैं। 18 सितंबर को सक्रिय मरीजों की संख्या 800 से ज्यादा थी।

नोएडा डिपो से कोई बस नहीं हटेगी

नोएडा। मोरना स्थित नोएडा डिपो से अब दो साल तक कोई बस नहीं हटेगी। साथ ही नई बसें भी मिलेंगी। ऐसे में यात्रियों को बसों की दिक्कत नहीं होगी। नोएडा डिपो में करीब तीन महीने पहले तक 186 बसें थी। इनमें मे 42 बसें नीलामी के मानकों को पूरा करने के कारण रूट से हटा दी गई थी। इसलिए अब 144 बसें डिपो में हैं। सभी साधारण और सीएनजी से चलने वाली बसें हैं। डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक नरेश पाल सिंह ने कहा कि इनमें से 22 बसें पुरानी हैं, लेकिन इनके नीलामी के मानक दो साल बाद पूरे होगा। इसलिए डिपो से इस अवधि में कोई बस नहीं हटेगी। उन्होंने कहा कि अभी बसें कम है। इसलिए बसों के फेरे बढ़ाए गए हैं। दीपावली से पहले 50 साधारण बसें मिलने की संभावना है। ऐसे में नए रूट शुरू होंगे। जिन रूटों पर बसों की कमी है, वहां पर बढ़ा दी जाएगी।

जिले में 30 सितंबर तक धारा 144 बढ़ी

नोएडा। गौतमबुद्धनगर में फिर धारा-144 की समय सीमा बढ़ गई है। जिले में 30 सितंबर 2022 तक धारा 144 लागू रहेगी। इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए हैं। अपर पुलिस उपायुक्त अपराध अनिल कुमार यादव ने बताया कि गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में अनेक स्थानों पर गणेश प्रतिमा स्थापित की जा चुकी हैं। इनका विसर्जन सितंबर माह में विभिन्न तिथियों में किया जाएगा। सितंबर में अनन्त चतुर्दशी, विश्वकर्मा पूजा, चेहल्लुम, नवरात्रि और महाराजा अग्रसेन जयंती पर्व मनाया जाएगा। इस दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले में 30 सितंबर तक धारा 144 लागू की गई है। इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ धारा 188 के तहत कार्रवाई की जाएगी। कोई भी व्यक्ति बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के अनशन, धरना प्रदर्शन नहीं करेगा और ना ही जुलूस निकालेगा। इसके अलावा कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थल पर शराब का सेवन नहीं करेगा।

पशु तस्करी करने के दो आरोपी पकड़े

फरीदाबाद । क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 ने पशु तस्करी के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नहूं के गांव नागल मुबारिकपुर निवासी नजाकत और गांव फिरोजपुर के राकेश के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि नजाकत को अदालत में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया है। पूछताछ में थाना मुजेसर के पशु तस्करी के मामले का खुलासा हुआ, जिसके बाद आरोपी राकेश को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

लोन बकाया बताकर कर रहे अभद्रता, हत्या की धमकी दी

गाजियाबाद। सिहानी गेट थानाक्षेत्र में लोन बकाया बताकर अधिवक्ता और उनके रिश्तेदारों से फोन पर अभद्रता और हत्या की धमकी देने का मामला सामने आया है। अधिवक्ता का कहना है कि उनके रिश्तेदारों ने कोई लोन नहीं लिया, इसके बावजूद अलग-अलग नंबरों से कॉल करके उन्हें परेशान किया जा रहा है। एसएसपी के आदेश पर केस दर्ज कर सिहानी गेट पुलिस आरोपियों को ट्रेस करने में जुट गई है। सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ता का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से उनके पास अनजान नंबरों से फोन आ रहे हैं। आरोपी उनसे लोन जमा करने के लिए कह रहे हैं, जबकि उन्होंने कोई लोन नहीं लिया है। लोन न लेने का हवाला देने पर आरोपी गाली-गलौच तथा अभद्रता कर रहे हैं। अधिवक्ता का कहना है कि आरोपी उनके साथ-साथ उनके बहनोई तथा भाई के पास भी फोन कर रहे हैं। लोन का पैसा जमा न करने पर आरोपी उन्हें भी हत्या की धमकी दे रहे हैं। लगातार आ रही कॉल्स से वह और उनके परिजन मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं। घटना के संबंध में पीड़ित अधिवक्ता ने एसएसपी को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। एसएसपी ने सिहानी गेट पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए। सिहानी गेट एसएचओ नरेश कुमार शर्मा का कहना है कि केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। आरोपियों को ट्रेस करने के लिए साइबर सेल की मदद ली जाएगी।

तेल डलवाकर भागे कार सवार, रोकने पर सेल्समैन का सिर फाड़ा

गाजियाबाद। क्रासिंग रिपब्लिक के पेट्रोल पंप पर तेल डलवाने के बाद कार सवार बिना पैसे दिए ही मौके से भाग निकले। पंप के सेल्समैन ने पीछा कर कार रूकवाई तो आरोपियों ने रॉड से हमला कर उसका सिर फाड़ दिया, जिससे वह बेहोश हो गया। घटना के संबंध में पंप संचालक की शिकायत पर हत्या की कोशिश और अन्य धाराओं में केस दर्ज कर विजयनगर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। प्रतीक गर्ग ने विजयनगर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि क्रासिंग रिपब्लिक में प्रतीक फ्यूल स्टेशन के नाम से उनका पेट्रोल पंप है। मंगलवार शाम करीब पांच बजे कार सवार युवक पंप पर आए और उन्होंने 15 सौ रुपये का पेट्रोल डलवाया। पंपकर्मी ने तेल की टंकी का ढक्कन बंद करा ही था कि कार सवार युवक बिना पैसे दिए ही वहां से फरार हो गए। इसके बाद पंप पर कार्यरत सेल्समैन विशाल चौधरी और कर्मचारी वैभव ने पीछा कर कार सवारों को एबीईएस इंजीनियर कॉलेज के पास कड़ लिया। इसके बाद कार सवार तैश में आ गए और डंडे तथा रॉड से हमला कर दिया। प्रतीक गर्ग का कहना है कि हमले में विशाल चौधरी का सिर फट गया, जबकि वैभव भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

केजरीवाल सरकार ने विश्वास मत हासिल किया

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली विधानसभा में गुरुवार को विश्वास हासिल किए जिसमें सत्तापक्ष को 58 मत मिले।

दिल्ली विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज 'विश्वास प्रस्ताव' पर सदन को संबोधित करते हुए कहा कि अभी कुछ दिन पहले इन लोगों ने उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ पूरी मनगढ़ंत और झूठी एफआईआर दर्ज किया कि वह शराब नीति में पैसे खा गए। उन्होंने कहा हम लोग सार्वजनिक जीवन में हैं। सार्वजनिक जीवन में आदमी को किसी भी तरह की जांच पड़ताल के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। मुझे बेहद खुशी है कि तुरंत मनीष सिसोदिया ने बयान दिया कि मैं सब तरह की जांच के लिए तैयार हूं। सीबीआई और ईडी जो जांच करना चाहे, वो जांच कर ले।

केजरीवाल ने कहा कि श्री सिसोदिया ने धमकी नहीं दी कि तुम्हारे उपर मानहानि का मामला दायर कर दूंगा। सीबीआई ने 14 घंटे तक वो पैसा ढूंढा। सबकुछ देखा। गद्दे और तकिए तक फाड़े और दीवारों की भी जांच की। लेकिन उनको कुछ नहीं मिला और 14 घंटे की लंबी जांच के बाद वो चले गए। इसके अलावा, सीबीआई ने मनीष सिसोदिया से छह-सात घंटे तक गहन पूछताछ भी की। टीवी पर मैं देख रहा था कि ये लोग आरोप लगा रहे थे कि जवाब क्यों नहीं दे रहे? जबकि इन्होंने सारे जवाब दिए। सीबीआई वालों ने जितने प्रश्न पूछे, उनके सारे जवाब दिए और सीबीआई वाले पूरी तरह से संतुष्ट होकर इनके घर से गए।

उन्होंने कहा कि फिर सीबीआई वाले मनीष सिसोदिया के गांव गए। वहां सारे गांव वालों से पूछा कि मनीष सिसोदिया ने कोई प्रॉपर्टी, मकान या खेती की जमीन खरीदी हो, लेकिन वहां भी सीबीआई को कुछ नहीं मिला। फिर इनके लॉकर चेक करने गए। सीबीआई को लगा कि लॉकर में ज्वैलरी, पैसा और प्रॉपर्टी के कागज मिले। लेकिन लॉकर में करीब 70-80 हजार रुपए कीमत के कुछ गहने ही मिले। सबकुछ चेक करने के बाद भी कुछ नहीं मिला। मुख्यमंत्री ने कहा इस तरह के झूठे मामले और जांच करके इनको मिलता क्या है? मुझे लगता है कि मानव जीवन का यह तीन-चार हजार साल का इतिहास है। इन तीन-चार हजार साल में पूरी दुनिया में शायद आम आदमी पार्टी एक ऐसी पार्टी है, जिसके उपर सबसे ज्यादा मामले हुए हैं। हमारे 49 विधायकों पर 169 मामले हुए हैं। आम आदमी पार्टी एक छोटी सी पार्टी है।

अभी-अभी पैदा हुई है और हमारे 49 विधायकों के उपर इन्होंने 169 मामले कर दिए। इसमें से 134 मामलों को अदालत ने खत्म कर दिए। अदालत ने कहा कि इसमें कुछ नहीं है। अब 35 मामले लंबित हैं और वो भी थोड़े दिनों में खत्म हो जाएंगे। इन्होंने मेरे उपर 16 मामले दर्ज किए थे। जिसमें 12 में मैं बरी हो गया हूं।

गुरुग्राम में सीएम खट्टर के करीबी भाजपा नेता को बीच बाजार मारी गोली

गुरुग्राम। गुरुग्राम में बीच बाजार भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) नेता की गोली मार कर हत्या कर दी गई है। बताया जा रहा है कि करीब 5 अज्ञात लोगों ने भाजपा नेता को उस वक्त गोली मारी है जब वो गुरुग्राम में स्थित कपड़ों के एक शोरूम में गए थे। डीसीपी वेस्ट, दीपक शरण ने इस बात की जानकारी दी है। पुलिस के मुताबिक, बदमाशों ने उनके ऊपर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। फिलहाल पुलिस आरोपियों की पहचान करने में जुट गई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। भाजपा नेता का नाम सुखबीर बताया जा रहा है। यह भी जानकारी सामने आई है कि वो सोहना मार्केट कमेटी के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। पुलिस ने बताया कि सुखबीर को उस वक्त गोली मारी गई जब वो गुरुद्वारा रोड के नजदीक स्थित सदर बाजार में कपड़ों के एक शोरूम में गए थे। यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा नेता हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के भी करीबी थे। जानकारी के मुताबिक, करीब 5 की संख्या में आए हमलावरों ने भाजपा नेता को बीच बाजार गोलियों से भूना है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर छानबीन की है। मिली जानकारी के अनुसार, सोहना मार्किट कमिटी के पूर्व चैयरमेन गुरुवार को रेमंड के शोरूम में कपड़ा खरीदने आए थे। उनके साथ फॉर्चुनर गाड़ी में उनके साथी भी आए हुए थे। हैरानी की बात है कि भाजपा नेता पर बीच बाजार हमले के बाद हमलावर भाग गये। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेड से हमलावरों की तलाश शुरू की है।

ट्विन टावर : सोसाइटियों का विजुअल सर्वे शुरू, स्ट्रक्चरल आडिट भी होगा

नोएडा। ट्विन टावर ध्वस्तीकरण के बाद एमरॉल्ड कोर्ट और एटीएस विलेज दोनों सोसाइटियों में होने वाले नुकसान और इमरातों की मजबूती का अध्ययन करने के लिए गुरुवार से विजुअल सर्वे शुरू हो गया है। यह सर्वे एडीफाइस की ओर से शुरू किया गया है। दोनों सोसायटियों में कहां-कहां दरारें आई, प्लास्टर हटने समेत अन्य नुकसान का पता लगाया जाएगा। नए विजुअल को पुराने विजुअल से मिलाप करने के बाद एडीफाइस अपनी रिपोर्ट नोएडा प्राधिकरण और सीबीआरआई को सौंपेंगा। सोसायटियों का अप्रैल में भी विजुअल सर्वे हो चुका है।

एडीफाइस कंपनी के निदेशक मयूर मेहता बताते है कि टावर ध्वस्त होने से पहले उनकी टीम ने दोनों सोसायटियों का सर्वे किया था। यह सर्वे इसलिए किया गया था, ताकि टावर ध्वस्तीकरण के बाद सोसायटियों के नुकसान और मजबूती का अध्ययन किया जा सके। प्रारंभिक सर्वे में एमराल्ड कोर्ट सोसायटियों में बड़ा नुकसान सामने नहीं आया है। जबकि एटीएस के लोगों ने थोड़ी बहुत आपत्ति दर्ज कराई हैं।

टावर के आसपास की सभी फ्लैटों और लोगों की शिकायत के आधार पर आडिट किया जा रहा है। एटीएस के कई टावर में लोगों ने दरार आने की शिकायत की है। इनमें टावर नंबर पांच, सात और 20 शामिल है। अप्रैल में हुए सर्वे के आधार पर इन टावर में आई दरारों का अध्ययन किया जाएगा कि यह धवस्तीकरण के बाद ही हैं या फिर पुरानी हैं। एटीएस विलेज में ट्विन टावर से लगभग 200 मीटर दूर भी एक इमारत में दरार है। सोसायटी के कुछ लोगों का कहना है कि यह पुरानी है, जबकि कुछ लोगों ने दरारों को नया बताया है। विजुअल सर्वे इसी विवाद से निपटने में मदद करेगा। इसी सप्ताह में रिपोर्ट नोएडा प्राधिकरण और सीबीआरआई को सौंप दी जाएगी।

स्ट्रक्चरल आडिट सुपरटेक करेगा

सोसाइटियों का स्ट्रक्चरल आडिट सुपरटेक करेगा। यह आडिट भी इसी सप्ताह शुरू हो जाएगा। यदि आडिट में दोनों सोसाइटियों में नुकसान आएगा तो उसकी भरपाई भी सुपरटेक के माध्यम से ही कराई जाने की बात की जा रही है। इसके अलावा भी दोनों सोसायटियों में डीएंडआर कंपनी की ओर से पोस्ट स्ट्रक्चरल आडिट भी किया जा रहा है। इस आडिट में एमरॉल्ड कोर्ट के मुकाबले एटीएस विलेज में ज्यादा नुकसान होना सामने आया है। एटीएस की कई पिलरों में हल्की दरारें हैं।

शिक्षक दिवस से पहले शिक्षकों ने कहा अलविदा

ब्लॉक स्तर पर करीब 170 टीचर्स का हुआ तबादला, कई शिक्षक हुए रिटायर तो कई हुए ट्रांसफर

कपिल शर्मा /गौरवशाली भारत

नाँगल चौधरी। ब्लॉक स्तरीय राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में एडिशनल चार्ज बीईओ और मांदी विद्यालय के प्राचार्य ओम प्रकाश यादव द्वारा मिली जानकारी में बताया गया कि, लगभग 170 टीचर्स का ट्रांसफर हुआ है। शिक्षक दिवस से पहले विभिन्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में कई शिक्षकों के एक साथ तबादले से विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति और स्नेह व लगाव होते हुए भावुकता का माहौल उत्पन्न हुआ है।

बता दें कि, 31 अगस्त को मांदी विद्यालय के प्राचार्य और एडिशनल चार्ज बीईओ ओम प्रकाश यादव भी सेवानिवृत्त हुए। इस दिवस विधानसभा क्षेत्र नाँगल चौधरी राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय से मिली जानकारी अनुसार टीजीटी/पीजीटी समेत 15 टीचर्स का भी ट्रांसफर हुआ। जिसमें एक गेस्ट टीचर स्वरुप टीजीटी साइंस रविन्द्र चौधरी सेवानिवृत्त हुए। इस सेवानिवृत्ति दौरान उन्हें विद्यालय स्टॉफ सहित शहर के गणमान्य स्वजनों द्वारा सम्मानित किया गया।

इस विदाई पल में विद्यालय की छात्राओं ने अपने पंसदीदा सब्जेक्ट टीचर्स के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए विदाई संगीत गायन और अभिवादन गीत के साथ-साथ सांस्कृतिक लोक नृत्य प्रस्तुत किया। इस कड़ी में विद्यालय प्राचार्य विक्रम सिंह रोहिल्ला एवं प्रवक्ता मुख्तियार सिंह, देवेन्द्र वर्मा द्वारा सभी स्थानांतरण टीचर्स के कार्यकाल का ज़िक्र करते हुए उनकी सराहना की। इस दौरान छात्राओं ने स्थानांतरण पीजीटी फाइन आर्ट राजकुमार सिंह को किमती उपहार भेंट किए। साथ ही छात्राओं ने उन्हें जलभरी नमी आँखों से विदाई दी।

पीजीटी फाइन आर्ट राजकुमार ने बताया कि, उन्हें बालिकाओं द्वारा दिए गए बहुमूल्य तोहफ़े उनके लिए गुरु दक्षिणा स्वरूप है। उन्होंने कहा कि स्टेट लेवल पर सभी प्रतिस्पर्धा में प्रतिभागियों को नियुक्ति के साथ-साथ छात्राओं को पाठ्यक्रम पूरा करवाना और अतिरिक्त समय पढ़ाई करवाने का परिणाम छात्राओं के आर्ट विषय में शत प्रतिशत परिणाम रहा है। यह विदाई के समय छात्राओं द्वारा भावुक होना स्वाभाविक है। उन्होंने बताया कि स्कूल में आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम में प्राचार्य द्वारा दिए गए दायित्व मंच संचालन से लेकर विद्यालय व्यवस्था तक जिम्मेदारी को बखूबी से निभाना और स्कूल में अनुशासन बनाए रखने में उनका योगदान रहा है। पीजीटी फाइन आर्ट राजकुमार ने कहा कि, स्कूल से आखिरी दिवस सबको अलविदा कहते हुए और रवाना होते हुए उनकी गाड़ी के इर्द-गिर्द छात्राओं को सैलाब उमड़ पड़ा। सभी आर्ट विषय की छात्राएं रोने लगी, इस भावुकता माहौल को देखते हुए उनकी आँखे भी जलमग्न हो गई।

विद्यालय में आयोजित सेवानिवृत्त गेस्ट टीचर रविन्द्र चौधरी के समारोह में शामिल स्थानांतरण शिक्षकों की विदाई पल में नगरपालिका चेयरपर्सन प्रतिनिधि रमेश चंद सैनी, भाजपा नेता रमेश तंवर, ज्योतिषाचार्य भवानी जोशी और नजदीकी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और प्राथमिकी विद्यालय के टीचर्स सहित पीजीटी फाइन आर्ट राजकुमार, प्राध्यापक राधेश्याम, यशपाल सिंह, डीपीई रमेश सोनी, अशोक कुमार, ईएसएचएम सुरेंद्र सिंह, प्राध्यापक मुख्तियार सिंह, करतार सिंह, देवेन्द्र वर्मा, कृष्ण कुमार, गणित अध्यापक सूरेश कुमार, प्रीतम, लिपिक जसवंत, पीजीटी इंग्लिश शारदा यादव, पीजीटी इंग्लिश अनूप, पीजीटी हिन्दी निवेदिता, अध्यापिका सरिता यादव, सुनिता, शीला यादव, सुषमा, शालिनी प्रधान, दया शर्मा, मनीषा, दिव्या, पीसीए गरिमा चौधरी, योगिता, मोनिका, मंजू, एनएसएस इंचार्ज सीमा यादव सहित विद्यालय की छात्राएँ समारोह के साक्षी रहे।

केजरीवाल ने पांच दिवसीय विधानसभा सत्र को अपना चेहरा चमकाने और राजनैतिक हथियार के रुप में इस्तेमाल किया : आदेश गुप्ता

केजरीवाल विधानसभा सत्र में दिल्ली की किसी भी समस्या पर कोई चर्चा क्यों नहीं की: आदेश गुप्ता

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि पिछले पांच दिनों से दिल्ली का विधानसभा सत्र चल रहा है लेकिन केजरीवाल इन पांच दिनों में सिर्फ अपना चेहरा चमकाने और इधर-उधर की बातें कर दिल्ली की जनता का ध्यान अपने ऊपर लगे आरोपों से भटकाने का काम किया है। उन्होंने केजरीवाल को चुनौती देते हुए कहा कि केजरीवाल बताएं कि इन पांच दिनों में दिल्ली की जनता के किन समस्याओं पर विधानसभा में चर्चा हुई। केजरीवाल सरकार ने विधानसभा में दिल्ली का प्रदूषण, जल, बिजली, जर्जर परिवहन व्यवस्था, नई आबकारी नीति में भ्रष्टाचार और स्कूलों के कमरे बनवाने में हुए भ्रष्टाचार जैसी ज्वलंत समस्याओं पर कोई चर्चा क्यों नहीं की।

आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो लोकतंत्र का गला घोटकर विधानसभा में विपक्ष को या तो बोलने नहीं देते हैं या फिर उन्हें विधानसभा से बाहर कर देते हैं ताकि वे विधानसभा सत्र को अपने व्यक्तिगत राजनैतिक फायदे के लिए इस्तेमाल कर सके। पूरे पांच दिन आम आदमी पार्टी के विधायक अपनी मनमानी करते रहे और विधानसभा को एक हथियार के रुप में इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में उनके विधायक कमल के फूल को जलाते हैं, बेल में आते हैं, आखिर केजरीवाल के इशारे पर इस तरह की करतूतें कर आप विधायक दिल्ली की जनता को क्या संदेश देना चाहते हैं।

आदेश गुप्ता ने कहा कि अपने ही बनाए नियमों का उलंघन करके केजरीवाल सरकार ने भ्रष्टाचार किया और जब उस पर सवाल पूछे गए तो बौखलाहट इतनी बढ़ गई कि संवैधानिक पद पर बैठे उपराज्यपाल के ऊपर भी अनाप-शनाप आरोप लगा रहे हैं जिसका कोई प्रमाण नहीं है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल शुरु से ही निराधार आरोप भाजपा नेताओं पर लगा चुके हैं लेकिन कोर्ट में एक भी साबित नहीं कर पाए और फिर उन्हें लिखित रुप से माफी मांगनी पड़ी थी। आज एक बार फिर से वहीं बौखलाहट सामने आ चुकी है। श्री गुप्ता ने दावा किया कि आने वाले समय में उपराज्यपाल पर लगाए गए आरोप में भी केजरीवाल माफी मांगने वाले हैं।

आदेश गुप्ता ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरकारी जांच एजेंसियां चाहे वह सीबीआई हो, ईडी हो या फिर अन्य कोई, सभी स्वतंत्र रुप से अपना काम करती हैं।

इन पर ना ही सरकार हस्तक्षेप करने जाती है और ना ही कोई भी सरकार सवाल उठाती हैं। लेकिन केजरीवाल के विधायकों ने सीबीआई के कार्यालय के बाहर धरना दे रहे हैं जो उनकी देशविरोधी मानसिकता को दिखाता है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल तो ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो देश के वीर जवानों के पराक्रम पर सवाल उठा देते हैं तो उनसे देशप्रेम की उम्मीद नहीं की जा सकती है। लेकिन आज दिल्ली जानना चाहती है कि नई आबकारी नीति और स्कूलों में कमरे बनवाने के नाम पर किए गए भ्रष्टाचार का हिसाब कब तक देंगे।

ट्यूशन टीचर का टॉर्चर : होमवर्क नहीं पूरा करने पर डंडे, लात घूंसों से पीटा

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी के भलस्वा डेयरी इलाके में 8 साल और 6 साल की दो बच्चियों ने अपने ट्यूशन टीचर पर बुरी तरह से मारपीट करने का आरोप है। आरोप है कि टीचर ने उनकी डंडे, लात घूंसों से पिटाई की। इन बच्चियों का कसूर सिर्फ इतना था कि इन्होंने होम वर्क पूरा नही किया था। टीचर का टॉचर का पता तब चला, जब बच्चियां रोती हुई अपने घर पहुंचीं। बहरहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच आंरभ कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, पीड़ित बच्चियां अपने परिवार के साथ मुकुंदपुर पार्ट 2 इलाके में रहती हैं। बच्चियों के पिता की तरफ से पुलिस को शिकायत दी गई है। शिकायत में उन्होंने कहा कि मेरी दोनों बेटियां स्कूल जाती हैं। दोनों के लिए ट्यूशन टीचर रखा है। बच्चियां गली में ही उससे पढ़ने के लिए जाती हैं।

परिजनों के मुताबिक रोज की तरह शाम के वक्त बच्चियां पढ़ने के लिए गई थीं। करीब घंटे भर दोनों बच्चियां घर आकर रोने लगीं। परिजनों रोने का कारण पूछा तो बच्चियों ने बताया कि ट्यूशन का काम पूरा ना होने की वजह से टीचर ने डंडे और लात घूंसों से मारा है। परिजनों ने बच्चियों के शरीर को देखा तो चोट के निशान थे।

परिवार ने पीसीआर कॉल कर दी। दोनों बेटियों को बीजेआरएम हॉस्पिटल ले गए। बेटियों का इलाज करवाया। पुलिस ने हॉस्पिटल में बच्चियों के बयान लेने पहुंची। भलस्वा डेयरी पुलिस ने बच्चियों के बयान पर ट्यूशन टीचर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

कार सवार पांच युवकों ने सोसाइटी में घुसकर छात्र से की मारपीट

नोएडा। सेक्टर-94 स्थित सुपरनोवा सोसाइटी में कार सवार पांच युवकों ने जबरन घुसकर एक छात्र के साथ मारपीट कर दी। मारपीट की घटना में छात्र की नाक पर चोट आई है। घटना के बाद घायल के दोस्तो ने उसे उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां छात्र का उपचार चल रहा है। मारपीट की यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। जिसके बाद कई लोगों ने पुलिस के ट्वीटर हैंडल पर वीडियो शेयर करते हुए कार्रवाई की मांग की है। जिसके बाद सेक्टर-126 थाना पुलिस इसकी जांच करने में जुटी है।

जानकारी के अनुसार मूलरुप से आगरा निवासी रचित एमिटी विश्वविद्यालय में बीबीए तृतीय वर्ष का छात्र हैं। बताया गया है कि बुधवार को वह अपनी कार से अपने कॉलेज से सोसाइटी सुपरनोवा की तरफ आ रहा था। इस दौरान जब वह सोसायटी के पास पहुंचा तो रास्ते में एक बलेनो कार में सवार पांच लोग बीच सड़क पर कार खड़ी कर रखी थी। इस दौरान उसने काफी होर्न बजाया मगर कार सवार युवकों ने कार नहीं हटाई। बताया गया है कि जिसके बाद रचित अपनी कार को साइड से निकाल कर सोसाइटी आ गए। इसी दौरान कार सवार पांचों युवकों ने रचित का साथी बताकर उसके कार के पीछे-पीछे सोसाइटी में प्रवेश कर लिया। टावर के पास कार रूकते ही आरोपियों ने रचित के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस घटना में छात्र रचित की नाक पर चोट आई है। घटना के बाद उसके दोस्त करन ने सोसाइटी के लोगों की मदद से रचित को पास के अस्पताल में भर्ती कराया और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है जबकि अन्य आरोपी मौके से फरार हो गये। सेक्टर-126 थाने के प्रभारी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि आरोपी पांचों युवक भी एमिटी के छात्र हैं।

ट्विन टावर डिमोलिशन के बाद गुरूग्राम प्रशासन भी सतर्क

17 इमारतों के स्ट्रक्चरल ऑडिट का दिया आदेश

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत की छत गिरने के करीब सात महीने बाद गुरुग्राम प्रशासन ने शहर की 17 बहुमंजिला इमारतों के संरचनात्मक ऑडिट का आदेश दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। गुरुग्राम के सेक्टर 109 में 10 फरवरी को चिंटेल पैराडाइज सोसाइटी की सातवीं मंजिल पर फ्लैट की छतों के गिरने के बाद, 58 सोसायटी के निवासियों ने अपने भवनों के संरचनात्मक ऑडिट की मांग की थी।

45 दिनों में पूरा होगा ऑडिट

जिला प्रशासन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पहले चरण में 17 गगनचुंबी इमारतों का ऑडिट किया जा रहा है और सोमवार से ऑडिटिंग कंपनियों के लिए कार्य के आदेश जारी किए जाएंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि ऑडिट 45 दिनों के भीतर पूरा हो जाएगा और लागत भवन निर्माता को वहन करना होगा।

सोसायटी में जाकर करेंगे निरीक्षण

इस बीच, उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने बुधवार को भवन निर्माताओं, ऑडिटिंग कंपनियों के सदस्यों और सोसायटी के निवासियों के साथ एक संयुक्त बैठक की। यादव ने कहा कि प्रशासन ने चार अनुभवी कंपनियों को सूचीबद्ध किया है और वे पहले चरण में सोसायटी का वहां जाकर निरीक्षण करेंगे।

अधिकारी ने 17 सोसायटी के निर्माताओं को शुक्रवार तक जिला नगर योजना के कार्यालय में सोसायटी के संरचनात्मक और वास्तुशिल्प डिजाइन प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया। बैठक में भाग लेने वाले भवन निर्माताओं में एम3एम (एम3एम वुडशायर), डीएलएफ यूनिवर्सल लिमिटेड (पार्क प्लेस), रहेजा डेवलपर्स (रहेजा अथर्व और वेदांत), यूनिटेक लिमिटेड (यूनिवर्ल्ड गार्डन 2) और महिंद्रा लाइफस्पेस ऑरा लिमिटेड (महिंद्रा ऑरा) तथा अन्य शामिल हैं।

चोरी में पकड़ी गई तो फांसी लगाकर दे दी जान

कार्य का आवंटन करते समय यह सुनिश्चित किया जायेगा कि निरीक्षण की जा रही ऑडिटिंग कंपनी एवं सोसाइटी के निर्माता ने पूर्व में एक साथ कार्य न किया हो।

निवासियों को उस कंपनी के बारे में सूचित किया जाएगा जो चार से पांच दिन पहले उनकी सोसायटी में ऑडिट करेगी।

संपादकीय

संकट में पाक को याद आई भारत की

पाकिस्तान में बाढ़ से हाहाकार मचा हुआ है। पड़ोसी मुल्क का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है। अब तक हजारों लोगों की जानें जा चुकी हैं। स्थिति वास्तव में बहुत गंभीर है। बाढ़ग्रस्त इलाकों में लोग दाने-दाने को मोहताज हो गए हैं। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि पाकिस्तान ने भारत से आलू, टमाटर,प्याज और खाद्य तेलों का आयात करने की इच्छा जताई है। वहां पर इन तमाम जरूरी चीजों का संकट पैदा हो गया है। पाकिस्तान के पास कोई विकल्प भी तो नहीं बचा है कि वह भारत से खाने-पीने की जरूरी चीजों का आयात न करें। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल ने कहा कि सरकार बाढ़ के बाद देश भर में फसल बर्बाद होने के बाद लोगों की सुविधा के लिए भारत से सब्जियां और अन्य खाद्य पदार्थ आयात करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है।

पाकिस्तान ने अगस्त 2019 में औपचारिक रूप से भारत के साथ अपने व्यापार संबंधों को इजराईल के स्तर पर डाउनग्रेड कर दिया था, जिसके साथ इस्लामाबाद का कोई औपचारिक व्यापारिक संबंध अभी भारत के साथ नहीं है। पाकिस्तान ने यह निर्णय जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने के भारत के फैसले के विरोध में लिया था। हालांकि, उसने इस तरह का एकतरफा फैसला लेते हुये सोचा नहीं था कि इससे उसे कितना नुकसान होगा। इस बीच, पाकिस्तान में बाढ़ के कारण हुई तबाही पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर संवेदना जताई है। उन्होंने कहा, %%पाकिस्तान में बाढ़ से हुई तबाही को देखकर दुख हुआ। हम पीड़ितों, घायलों और इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित सभी लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और सामान्य स्थिति की शीघ्र बहाली की आशा करते हैं।%% माना जा रहा है कि अगर पाकिस्तान ने औपचारिक तौर पर भारत से मदद मांगी तो भारत पड़ोसी की मदद करने में कभी पीछे नहीं रहेगा। भारत पड़ोसी या किसी भी अन्य देश की संकटकाल में मदद करने से पीछे कभी भी नहीं रहता है।

इस बीच, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सरकार की अपील के बाद वहां पर अंतरराष्ट्रीय सहायता पहुंचने लगी है। दरअसल पाकिस्तान में शाहबाज शरीफ के प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उम्मीद भी थी कि भारत-पाक दोनों के बीच व्यापारिक संबंधों की बहाली हो जाएगी। पाकिस्तान भारत से चीनी तथा कपास का आयात करने को लेकर भी बहुत गंभीर है। यह भी गौरतलब है कि जिस इमरान खान को भारत ने हमेशा सम्मान और आदर दिया उनके समय में भी भारत-पाकिस्तान व्यापार संबंध लगभग बंद ही रहे। उन्होंने तो भारत से रिश्ते सुधारने की मानों कसम ही खा ली थी। शहबाज शरीफ के बड़े भाई नवाज शरीफ भी जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे तब उन्होंने भारत के साथ व्यापारिक संबंध सुधारने की हर चंद कोशिशें की थीं। उनकी परिवार की कंपनी के भारत के नामवर उद्योगपति सज्जन जिंदल से कारोबारी संबंध भी थे। कहने वाले तो यह भी कहते हैं कि सज्जन जिंदल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2015 में लाहौर यात्रा की जमीन तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। उस बेहद चर्चित यात्रा से पहले सज्जन जिंदल इस्लामाबाद में प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के मेहमान बनकर जा चुके थे। उनका वहां पर भव्य स्वागत हुआ था। पर पाकिस्तान के तब के विपक्ष, जिसमें इमरान खान भी शामिल थे, ने सज्जन जिंदल की यात्रा और उनकी नवाज शरीफ के साथ मीटिंग पर तगड़ा बवाल काटा था। जिसके जवाब में नवाज शरीफ की पुत्री मरियम नवाज शरीफ ने एक ट्वीट करके कहा था-'सज्जन जिंदल प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के मित्र हैं। उनकी तथा प्रधानमंत्री से मीटिंग में कुछ भी गुप्त नहीं हैं। विपक्ष बेवजह हंगामा कर रहा है।' आजकल प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की भतीजी मरियम नवाज शरीफ ने इमरान खान के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। दरअसल सज्जन जिंदल की कंपनी जिंदल साउथ वेस्ट से शरीफ परिवार की स्टील कंपनी 'इत्तेफाक' से कई तरह के प्रोडक्ट खरीदती रही है। यह रिश्ता पारिवारिक संबंधों में तब्दील हो चुका है। हालांकि सज्जन जिंदल की कंपनी तथा इत्तेफाक में स्टील के उत्पादन तथा लाभ के स्तर पर कोई तुलना नहीं की जा सकती। दरअसल बाढ़ के कारण भंयकर संकट में फंसे पाकिस्तान को प्रेक्टिकल होना पड़ेगा। वह भारत से दुश्मनी मोल लेकर सिर्फ घाटे में रहेगा। उसे भारत से तिजारती संबंधों को भी गति देनी ही होगी।

भारत ने रूस के प्रस्ताव को किया खारिज

अभिनय आकाश

जापान सागर में किए जाने वाले युद्धाभ्यास को लेकर भारत की तरफ से भी अब रूख साफ कर दिया गया है। इस युद्धाभ्यास के लिए रूस ने भारत को भी आमंत्रित किया था, लेकिन नई दिल्ली ने नहीं कर दिया।

भारत और चीन के बीच लगातार तनाव बना हुआ है। लद्दाख में एलएसी के पास दोनों देश आमने-सामने है। एलएसी के अलावा भी दोनों देश कई जगह पर आपस में भिड़ रहे हैं। हाल ही में चीन में भारत के विरोध के बावजूद श्रीलंका में अपने जासूसी जहाज को भेजा। चीन पाकिस्तान और अफगानिस्तान में भी अपनी सेनाएं भेजना चाहता है। इसके परिणामस्वरूप भारत की तरफ से भी चीन को मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। भारत ने बीते दिनों चीनी सीमा के पास अमेरिकी सेनाओं के साथ मिलकर युद्धभ्यास भी किया। इसी गतिरोध के बीच खबर सामने आई कि सीमा पर जारी तनाव के बीच भारत और चीन की सेनाएं एक साथ युद्धाभ्यास में शामिल होने वाली हैं। इस युद्धाभ्यास में भारत और चीन की सेनाएं एक साथ युद्ध का अभ्यास करेंगी। वोस्टोक 2022 नाम का युद्धाभ्यास रूस में आयोजित होने वाला है। इस युद्धभ्यास में भारत, चीन और रूस के अलावा बेलारूस, मंगोलिया, तजाकिस्तान की सेनाएं भी हिस्सा लेंगी। 1 से 7 सितंबर के बीच वोस्टोक 2022 युद्धाभ्यास का आयोजन होगा। रूस की तरफ से कहा गया है कि इसमें शामिल होने के लिए सभी देशों ने अपनी सहमति दे दी है और इसका मौजूदा क्षेत्रीय तनाव से कोई लेना देना नहीं है। जापान सागर में किए जाने वाले युद्धाभ्यास को लेकर भारत की तरफ से भी अब रूख साफ कर दिया गया है। इस युद्धाभ्यास के लिए रूस ने भारत को भी आमंत्रित किया था, लेकिन नई दिल्ली ने नहीं कर दिया। ऐसे में आज आपको बताते हैं कि क्या है वोस्टोक 2022, भारत ने क्यों नौसैनिक अभ्यास से किया किनारा।

चीन, भारत एवं अन्य देशों के 50 हजार सैनिक लेंगे हिस्सा

भारत की तरफ से अभ्यास में शामिल होने से मना करने से पहले रूस ने दावा किया था कि 'वोस्तोक 2022 सैन्य अभ्यास' एक से सात सितंबर तक सुदूर पूर्व और जापान सागर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जाएगा और इसमें चीन, भारत तथा कई अन्य देशों के 50,000 से अधिक सैनिक शामिल होंगे। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने रक्षा मंत्रालय के हवाले से एक बयान में कहा है कि एक से सात सितंबर तक ईस्टर्न मिलिट्री डिस्ट्रिक्ट के सात प्रशिक्षण मैदानों पर और ओखोतस्क सागर एवं जापान सागर के समुद्री और तटीय क्षेत्रों में 'रक्षात्मक और आक्रामक अभियानों का अभ्यास' किया जाएगा। बयान में कहा गया है, ''रणनीतिक युद्धाभ्यास 50,000 से अधिक सैनिकों और 5,000 से अधिक आयुध और सैन्य हार्डवेयर, विशेष रूप से, 140 विमान, 60 लड़ाकू जहाज, गनबोट और सहायक पोतों को एक साथ लायेगा।'' बयान के अनुसार, इस सैन्य अभ्यास में चीन, भारत, लाओस, मंगोलिया, निकारागुआ, सीरिया और कई पूर्व सोवियत राष्ट्रों के सैनिक भाग लेंगे।

भारत ने क्यों किया इनकार

रूस और चीन की नौसेना के युद्धपोत सी ऑफ ओखोट्स्क और जापान सागर में वोस्टोक 2022 नाम से जोरदार युद्धाभ्यास शुरू करने जा रहे हैं। माना जा रहा है कि इस अभ्यास के जरिए रूस और चीन दोनों ही अमेरिका और जापान के साथ तनाव के बीच शक्ति प्रदर्शन करने जा रहे हैं। भारत और जापान की दोस्ती किसी से छुपी नहीं है। रूस और चीन की इस रणनीति और जापान के साथ रिश्ते की संवेदनशीलता को देखते हुए नौसैनिक अभ्यास से भारत ने किनारा किया है। बता दें कि इस अभ्यास का जापान की तरफ से विरोध भी किया गया है। इससे पहले भारत ने वोस्टोक 2022 बहुदेशीय सैन्य अभ्यास के लिए रूस के आमंत्रण को स्वीकार किया था।

जापान के आग्रह को रूस ने नकारा, भारत ने स्वीकारा

भारत की भागीदारी केवल रणनीतिक कमांड और स्टाफ ड्रिल तक सीमित रहेगी। इसमें रूस, चीन, सीरीया, तजाकिस्तान, अजरबैजान, बेलारूस, कजाखस्तान, किर्गिस्तान और लाओस हिस्सा लेंगे। जापान की तरफ से रूस के नौसैनिक अभ्यास का कड़ा विरोध जताया गया है। उसकी उत्तरी सीमा के पास स्थित कुरिल द्वीप जिस पर जापान और रूस दोनों ही दावा करते हैं। दक्षिणी कुरिल द्वीप समूह जापान के होक्कैदिओ और रूस के कामचाटका द्वीप समूह के बीच स्थित है। जापान ने रूस के साथ अपने विरोध को दर्ज करा दिया है। जापान के आग्रह को स्वीकार करते हुए भारत ने इस सैन्य अभ्यास से किनारा कर लिया है। जापान के विरोध को दरकिनार करते हुए रूस की तरफ से अपने नौसैनिक अभ्यास को जारी रखने का ऐलान किया है। रूस के रक्षा मंत्रालय की तरफ से ये साफ किया गया कि चीन के साथ मास्को के युद्धपोत जापान सागर में एक साथ मिलकर अपनी ताकत का प्रदर्शन करेंगे और समुद्री इलाके की सुरक्षा करेंगे।

चीन ने युद्ध अभ्यास को लेकर क्या कहा?

चीनी रक्षा मंत्रालय की ओर जारी एक बयान के मुताबिक, पीएलए ने इस युद्ध अभ्याल में हिस्सा लेने के लिए अपने सैनिकों को रूस भेजा है। चीन ने कहा कि उसका उद्देश्य इस युद्ध अभ्यास में भाग लेने वाले देशों की सेनाओं के साथ व्यावहारिक और मैत्रीपूर्ण सहयोग को गहरा करने के साथ इसमें हिस्सा लेने वाले पक्षों के साथ राणनीतिक समन्वय को बढ़ाना और विभिन्न सुरक्षा खतरों से निपटने की क्षमता में वृद्धि करना है।

भारत और जापान की दोस्ती

भारत और जापान एशिया के दो अलग-अलग देश हैं और दोनों देशों के बीच लगभग 6 हजार किलोमीटर की दूरी है। हालांकि भारत और जापान के बीच एक बहुत बड़ी समानता ये है कि दोनों देशों की सीमाएं चीन से लगती हैं। चीन भारत की तरह जापान को भी एक प्रतिद्ववंदी देश के तौर पर देखता है। जापान और भारत के बीच की दोस्ती बेहद गहरी और पुरानी है। चाहे वो 1949 के दौर में नेहरू द्वारा टोक्यो के चिड़ियाघर को हाथी का एक बच्चा भेंट किया जाना हो या मोदी और शिजों आबे का याराना हो। जापान क्वाड का सदस्य देश भी है और भारत के लिए बड़ा निवेशक भी है। भारत ने अमेरिका और पश्चिमी देशों के दबाव के बाद भी यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस की आलोचना नहीं की थी। इस बीच चीन और जापान के बीच ताइवान को लेकर तनाव काफी बढ़ गया है। चीन की सीमा के पास जापान अपनी क्रूज मिसाइलों की तैनाती करने जा रहा है।

प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल ख़ज़ाना है, जितना लुटाएंगे उतना बढ़ता चला जाएगा

मन की प्रसन्नता अनेक मानसिक, शारीरिक रोग दूर करने में सक्षम - खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता भरी आंखों की चमक मनीषियों की दुर्लभ पूंजी - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन में अनेक गुण दोषों को शामिल कर संजोया है, इसका उपयोग करने सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमता का भी सृजन कर दिया है। बस!! जरूरत है अब माननीय जीव को उसे गुण-दोष सुख-दुख खुशियां-गम प्रसन्नता-दुख इत्यादि का चुनाव कर अपने जीवन को सफल और असफल बनाएं उसके ऊपर है!! क्योंकि प्रसन्नता और सुख दुख भी बौद्धिक क्षमता के आधार पर माननीय जीव को खुद चुनना होता है! इसलिए आज हम मन की प्रसन्नता पर उसके गुणों, प्रक्रिया सुजन करने के तरीकों पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम प्रसन्नता की करें तो खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है, क्योंकि इसमें सब दुख तो नष्ट होते हैं,जीव अपने कर्म में असफल नहीं होता। बुद्धि तुरंत स्थिर रहती है। सामाजिक प्रतिष्ठा और गुणों की सुगंध दूर तक जाती है एक अलग हस्मुख व्यक्तित्व की हमारी छाया हमारे अपने परिचितों सहयोगियों पर पड़ती है। प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे जितना लूटाएंगे उतना ही बढ़ता चला जाएगा!! खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता की आंखों की चमक मनीषियों को दुर्लभ पूंजी है, क्योंकि प्रसन्नता सुकून से जीने की कुंजी है। यह खजाना तब बढ़ता है जब हम दूसरों की खुशीयों में अपनी खुशी को समाहित करते हैं ।हमें छोटी-छोटी चीजों में प्रसन्नता, सुख ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए, विश्वसनीय मन के भाव की खुशी का भाव अभूतपूर्व सफलता और दूरगामी सकारात्मक परिणाम होता है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार सहनशीलता, सहिष्णुता इत्यादि मन की प्रसन्नता के प्रमुख स्त्रोतों में से कुछ हैं, जिनको जीवन में अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया जा सकता है। साथियों बातअगर हमअंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस, संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी विश्व प्रसन्नता इंडेक्स रिपोर्ट इत्यादि अन्तर्राष्ट्रीय स्तरपर प्रसन्नता के मूल्यों की करें तो प्रसन्नता को मज़बूत हाई वैश्विक टॉनिक माना जाता है। प्रसन्नता दिवस मनाया जाता है।

देश की 50 प्रतिशत जनसंख्या के बावजूद सार्थक मौलिक अधिकार का इंतजार करती माताएं, बहने

देश की विशाल जनसंख्या मैं 50 प्रतिशत की भागीदारी रखने वाली राष्ट्र की संवेदनशील माताएं ,बहने अपने मूल तथा सार्थक अधिकार की तलाश में अभी भी संविधान और सरकार की तरफ आस लगाए इंतजार में बैठी हुई है। स्त्रियों का एक बड़ा तबका अभी भी अपनी स्वतंत्रता एवं मौलिक अधिकार से वंचित है। महिलाओं का विकास जितना विशाल आभासी रूप से दिखाया जा रहा है, वास्तविकता एवं धरातल पर स्थिति वैसी नहीं है। महिलाओं के भौतिक रूप से विकास के लिए एक जन अभियान और पृथक समेकित योजना की आवश्यकता देश में होगी तब जाकर महिलाओं के सशक्तिकरण की बात अपनी मूल भावना को प्राप्त कर पाएगा। भारतीय गणतंत्र में 15वीं राष्ट्रपति के रूप में महामहिम द्रौपदी मुर्मू जी के निर्वाचित होने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण और आदिवासी महिलाओं के लिए विकास के नए द्वार खुलने की संभावनाएं बलवती हो गई हैं। माननीय राष्ट्रपति को महिलाओं के संघर्ष, जिजीविषा और नैतिक मूल्यों की पोषक होने का पर्याय माना जा रहा है। उनके राष्ट्रपति चयनित होने के साथ-साथ आदिवासी वर्ग में और खासकर समग्र रूप से महिलाओं में नई ऊर्जा,शक्ति तथा उत्साह का संचार हुआ है। अब भारत देश के क्रमिक विकास में महिलाओं की भागीदारी में निश्चित तौर पर इजाफा होना चाहिए, आदिवासी महिला के सर्वोच्च राष्ट्रपति जैसे गरिमामई पद में चयन होना भारतीय लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। वर्तमान में भारत की विशाल जनसंख्या में 45 प्रतिशत से 50 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की है । महिलाओं को अभी उनके हक का अधिकार एवं भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, ऐसे में रक्षा प्रतिरक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भर्ती एक अच्छे संकेत के रूप में सामने आ रही है। आज के समय में महिलाएं सभी क्षेत्रों में साहस, शौर्य और ऊर्जा का बेहतरीन प्रदर्शन करते आ रही हैं, महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर काम में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अब इसमें सशस्त्र बलों यानी डिफेंस सर्विस भी अछूता नहीं रहा सबसे बड़ी बात स्वतंत्र भारत की दूसरी रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण बनी थी इसके पूर्व श्रीमती इंदिरा गांधी प्रथम रक्षा मंत्री रही थी। अब कोई भी क्षेत्र ऐसा अछूता नहीं रहा जहां महिलाओं ने अपनी सशक्त दस्तक ई पहचान ना कराई हो, यह तो पूर्व से ही कहा गया है यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो सिर्फ एक पुरुष शिक्षक होता है किंतु यदि आप किसी महिला को सर्वांगीण शिक्षा देते हैं तो आने वाली संपूर्ण पीढ़ी को शिक्षित कर रहे हैं । नारी शक्ति को अब ज्यादा दिनों तक देश की प्रगति विकास के योगदान से परे नहीं रखा जा सकता है। परिवार की धुरी महिलाएं होती है परिवार से घर बनता है धर से समाज और समाज और संपूर्ण समाज से एक सशक्त राष्ट्र की बुनियाद रखी जाती है। इस तरह देश की बुनियाद ही स्त्री सशक्तिकरण है। महिलाएं अच्छी तरह समझती हैं कि घर से लेकर देश की सीमा तक उन्हें व्यवहार कर देश के विकास और उसकी रक्षा में उन्हें किस तरह योगदान देना है। महिलाओं के बिना देश की प्रगति एवं विकास की कल्पना सर्वथा बेमानी हैद्य सशक्त माताएं सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती हैं। और सीमा रक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी इसका एक बड़ा उदाहरण और प्रतिफल है इन उदाहरणों में से प्रथम लेफ्टिनेंट सुनीता अरोड़ा ,प्रथम एयर मार्शल पद्मावती बंदोपाध्याय ,कैप्टन मिताली मधुमिता ,भारत में आए अमेरिकी राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर देने वाली प्रथम विंग कमांडर पूजा ठाकुर ऐसे अधिकारियों के नाम है जिन्होंने रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है एवं महिलाओं के प्रति सारी अवधारणाओं को गलत साबित कर एक सशक्त छवि को निरूपित किया है। महिलाओं की शारीरिक बनावट तथा उनके शारीरिक विन्यास को देखते हुए प्रतिरक्षा सेवा में उनकी भूमिका बहुत कम रही है,हम मां दुर्गा भवानी की पूजा करते हैं और महिलाओं को कमजोर समझते हैं।

जियो और जीने दो का संदेश लेकर आता है आर्जव धर्म

जियो और जीने दो का संदेश लेकर आता है आर्जव धर्म। यह धर्म व्यक्ति से समष्टि, एकल से समग्रता, घर से मुहल्ला, शहर, प्रदेश, देश और समस्त देशों में शांति का संदेश देता है। प्रत्येक व्यक्ति में सरलता आ जाये तो संपूर्ण दुनिया में शांति आ जाये। छलकपट, मायाचारी, बेईमानी छोड़कर आर्जव धर्म अपनाने से स्वच्छ समाज का निर्माण होगा। दुनिया के सारे देश यदि छल-कपट छोड़ दें तो सारी दुनिया में सुख-शांति आ जाये। आज नीचे से ऊपर तक कहीं न कहीं छल-कपट पुष्पित-पल्लवित है। वस्तुओं में मिलावट, कालाबाजारी, डाक्टरों द्वारा अपना पैसा बनाने के चक्कर में अवश्यकता न होने पर भी आपरेशन कर देना, पैसा बनाने के चक्कर में निगेटिव की पांजिटिव, पाजिटिव की निगेटिव रिपोर्ट बना देना आदि मरीजों के साथ बेईमानी, कर्मचारियों द्वारा अपनी ड्यूटी ठीक से नहीं निभाना, सौदों में बीच में कमीशन लेना, काम करवाने की ऐवज में रिश्वतखोरी करना, मुह से कहना कुछ और तथा करना कुछ और ये सब मायाचारी में आते हैं। इनको छोड़ने पर ही व्यक्ति के गुण प्रकट होता है। सरलता ही मनुष्य का वास्तविक स्वभाव है। हमारे संत आचाय विद्यासागर, आचार्य सुनीलसागर, मुनि पूज्यसागर जी आदि कहते हैं कि मन, वचन और कार्य से सात्विक व्यक्ति के आचारण को आर्जव धर्म माना है। जब मनुष्य का मन, वचन और काय किसी एक कार्य में लग जाय तो समझ लेना चाहिए कि उसके तीवन में आर्जव धर्म का प्रवेश हो गया है। जब व्यक्ति मन, वचन और काय को शुभ कार्य में लगाता है तो सुख, शांति और समृद्धि का अनुभव करता है, वहीं जब अशुभ कार्य में मन लगाता है तो दुख, क्लेश का अनुभव करता हुआ मानसिक सुतुलन खो बैठता है। इससे भी कहीं अधिक जब शुभ-अशुभ कार्य को छोड़ स्वयं में स्थिर हो जाता है तो वह परमात्मा बन जाता है। आर्जव धर्म के अभाव में वर्तमान में जीने वाला व्यक्ति ही आर्जव धर्म को स्पर्श कर सकता है। जब कपट, मायाचारी जाती है तो आर्जव धर्म आता है, निर्मलता, पवित्रता, आती है। छल-कपट करने वाले लोगों की बहुत बुरी दशा होती है। छल-कपट जो करते हैं, मायाचारी जो करते हैं, वो हमेशा शंकित रहते हैं।

सैनिक स्कूल तिलैया - राष्ट्र निर्माण का अहम् भागीदार।

पुटुस से पटे हुए सड़क के दोनों किनारे। मुख्य दरवाजे पर बारिश से भीगा तोप। अंदर घुसते ही, बाईं तरफ छोटी-छोटी दकानें, जो एक बोर्डिंग स्कूल में रह रहे बच्चोँ की छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने का सामर्थ्य रखते थे। मसलन टेलीफोन पीसीओ, नाई की दकान, जनरल स्टोर, स्टेशनरी शॉप, टेलर शॉप। और दाहिनी तरफ एक छोटे से पार्क में अपनी चोचं ऊपर की तरफ उठाए एक फाइटर जेट। फिर बाईं तरफ एक पानी की ऊँची सी टंकी और उसपर बने मधमुक्खी के बड़े-बड़े छत्ते जैसे छेदी टेलर मास्टर की झर्रियों से लटकती दाढ़ी। लगभग सभी सड़कों के दोनों तरफ कतार में छोटे-बड़े पेड़ - युकलिप्टस, बरगद, पीपल, सागवान और विशाल महुआ भी; झाड़ियाँ - बैगणबेलिया, चम्पा, पुटुस और एक षष्टमुखी मंदिर के आसपास छुईमुई भी।

सैनिक स्कूल तिलैया, देश के सर्वश्रेष्ठ आवासीय विद्यालयों में से एक है। यह 16 सितंबर 1963 को बिहार राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री के बी सहाय और संस्थापक प्राचार्य, लेफ्टिनेंट कर्नल एल.इ.जी. स्मिथ के संयुक्त प्रयासों से तिलैया डैम के समीप अस्तित्व में आया। सीमित कर्मचारियों और संसाधनों के साथ लेकिन सामूहिक सामाजिक उत्साह से प्रेरित होकर, स्कूल ने अपनी यात्रा शुरू की और आज स्कूल परिवार में 3 सक्रिय सेवा अधिकारी, 3 राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और 2 शारीरिक प्रशिक्षण कर्मचारी (पीटीआई) कर्मचारी, 43 अकादमिक और लगभग 22 प्रशासनिक कर्मचारी और 72 सामान्य कर्मचारियों के साथ-साथ 875 कैडेटों की संख्या (गर्ल कैडेट्स सहित) और 25 दिवसीय स्कॉलर्स हो गए हैं। जिससे, पूरे भारत में 33 सैनिक स्कूलों में सैनिक स्कूल तिलैया सबसे बड़ा बन गया है। स्कूल आधुनिक और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का दावा करता है, जिसे उच्च आदर्श और राजसी लक्ष्यों के साधने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जिसमें यह सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक देखभाल की जाती है कि यहाँ पढ़ने वाले कैडेटों के व्यक्तित्व को इस तरह से ढ़ाला जाए जो उन्हें जीवन की हर चुनौती से मुकाबला करने के लिए खड़ा कर सके। सभी सैनिक स्कूलों में, सैनिक स्कूल तिलैया ने शैक्षणिक वर्ष

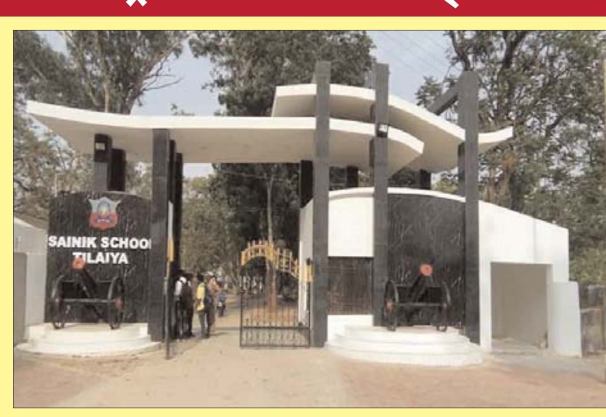

2021-22 के अनुसार कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं में क्रमश: 4थी और 7वीं रैंक प्राप्त की है। स्कूल ने अपनी स्थापना के बाद से राष्ट्रीय रक्षा अकादमी/भारतीय नौसेना अकादमी (एनडीए/आईएनए) में 900 से अधिक कैडेटों को राष्ट्र सेवा में भेजा है। इस गौरवशाली संस्थान के 04 शिक्षकों - स्वर्गीय जेड. सईद (1996 में), श्री ए.के.मजूमदार (2005 में), श्री धनंजय कुमार (2013 में) और श्रीमती कविता प्रकाश (2015 में) को प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुरस्कार प्रदान किया गया है। और श्री एम मोहिउद्दीन को उन के समय में अपने विषय रसायन शास्त्र में शोध करने हेतु यूनाइटेड किंगडम की फ़ेलोशिप प्रदान की गई। तत्कालीन माननीय रक्षा मंत्री श्री प्रणब मुखर्जी, बिहार और झारखंड के मुख्यमंत्री, झारखंड के राज्यपाल, झारखंड के जनरल ऑफिसर कमांडिग (जीओसी) झारखण्ड और बिहार सब एरिया और जीओसी दक्षिणी कमान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्तियो ने विभिन्न समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा के इस संस्थान की शोभा बढ़ाई है और अपने अनुभवों से अगली पीढ़ी की रक्षा पंक्ति को प्रेरित करते रहे हैं और सींचते रहे हैं।

हर साल लगभग 150 छात्रों का चयन 20,000 से अधिक उम्मीदवारों में से होता है जो सैनिक स्कूल तिलैया की प्रवेश परीक्षा देते हैं। सैनिक स्कूल तिलैया ने भारत और दुनिया भर में लगभग सभी क्षेत्रों में कई उत्कृष्ट पेशेवर प्रदान किए हैं। हर साल बड़ी संख्या में छात्रों ने आईआईटी-जेईई, एनडीए, प्री-मेडिकल टेस्ट आदि सहित कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं को उत्तीर्ण किया है। 1999 में, एनडीए और एनए प्रवेश परीक्षा में एसएसटी छात्रों ने अखिल भारतीय स्तर पर क्रमश: 15वां और 18वां स्थान हासिल किया। सैनिक स्कूल तिलैया से 1999 में 25 छात्रों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति (एनटीएसई) हासिल की। यह एक बहुत ही कठिन परीक्षा है जिसमें भारत के हर हिस्से हज़ारों से ज्यादा छात्र 750 छात्रवृत्ति के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं।

छात्रों ने न केवल तकनीकी धाराओं में बल्कि कला के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। बॉलीवुड के जाने माने क्रिएटिव डायरेक्टर और प्रोड्यूसर श्री प्रकाश झा, इस सं स्थान के पूर्व छात्र हैं। आज यहां से पढ़े कई छात्र केंद्रीय और राज्य सेवाओं में बहुत वरिष्ठ पदों पर हैं और देश की सेवा कर रहे हैं।

(अमित झा एवं सलिल सरोज की किताब तिलैयन डायरी से उद्धत अंश)

सलिल सरोज
कार्यकारी अधिकारी
लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली
9968638267

(सलिल सरोज ने 1997 से 2004 तक सैनिक स्कूल तिलैया में पढ़ाई की है।)

इन दिनों भारत की तारीफ में जुटे अमेरिका से हमें सचेत रहना होगा

अशोक मधुप

अमेरिकी नौसेना के ऑपरेशनल हेड एडमिरल माइक गिल्डे की यह घोषणा हमें अलग तरह का संदेश देती है। हमें इससे सचेत रहना होगा। हालांकि चीन हमारा धोखेबाज पड़ोसी है। उस पर कभी यकीन नहीं किया जा सकता। हम उससे सदा सचेत हैं।

अमेरिका आजकल भारत की प्रशंसा करने पर उतरा हुआ है। फुसलाने पर लगा हुआ है। उसके इस व्यवहार से भारत के नेतृत्व को सचेत रहने की जरूरत है। फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है। आवश्यकता यह भी है कि भारत उसके किसी जाल में न फंस जाए। भारत ने रूस से एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम लिया। अमेरिका ने 2018 में इस सौदे के होने की बात चलते ही विरोध करना शुरू कर दिया था। भारत पर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी देनी शुरू कर दी। वह नहीं चाहता था कि भारत रूस से खरीदारी करे। वह अपना सिस्टम बेचना चाहता था। भारत ने उसकी चेतावनी और धमकी को नजर अदांज कर यह सिस्टम खरीद लिया। अब उसके सुर बदल गए। वह अब कह रहा है कि भारत के लिए यह जरूरी था। चीन से उसके विवाद को देखते हुए भारत के लिए इसकी खरीद आवश्यक थी।

रूस यूक्रेन युद्ध के समय भारत को लगा कि उसे पेट्रोलियम पदार्थ का संकट होगा। गल्फ देश पहले से ही कुछ नक्शेबाजी दिखा रहे थे। उन्होंने अपने तेल के रेट भी बढ़ा दिया था। ऐसे में भारत के पुराने और सच्चे मित्र रूस ने सस्ता तेल देने की पेशकश की। भारत ने उसे स्वीकार कर लिया। रूस से तेल की खरीद बढ़ा दी। अमेरिका समेत नाटों देश ने इसका विरोध किया। अमेरिका और उसके गठबंधन के देशों ने पहले ही रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगा रखा था। भारत ने इस चेतावनी और प्रतिबंध को भी नजर अंदाज कर उन्हें आईना दिखा दिया। सच्चाई बता दी कि आपमें से कई देश रूस से तेल और गैस ले रहे हैं। भारत के धमकी में न आते देख वे चुप हो गए। अमेरिका को स्वीकारना पड़ा कि रूस भारत का पुराना मित्र है। शस्त्र आपूर्ति पर भारत की रूस पर बड़ी निर्भरता है, ऐसे में उस पर प्रतिबंध लगाना ठीक नहीं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में भारत के पक्ष में एक बड़ा फैसला लेते हुए नेशनल डिफेंस अथॉराइजेशन एक्ट में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस प्रस्ताव के जरिए भारत को काउंटरिंग अमेरिका एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शन एक्ट से भारत को छूट देने की अनुशंसा की गई। हालांकि इस विधेयक को कानून की शक्ल लेना बाकी है।

दरअसल अमेरिका भारत को शुरू में धमकी में लेना चाहता था। भारत के धमकी में न आने पर उसने अब भारत को फुसलाना शुरू कर दिया है। अमेरिका चाहता है कि चीन-ताइवान विवाद में भारत अप्रत्यक्ष रूप से उनका साथ दे। पेंटागन के पूर्व अधिकारी एलब्रिज कोल्बी ने एशिया में कहा भी है कि अगर चीन और ताइवान के बीच युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न हुई तो भारत, ताइवान की सीधी तौर पर मदद नहीं करेगा लेकिन यह माना जा सकता है कि भारत भी चीन के विरुद्ध लद्दाख मोर्चे को फिर से खोल सकता है। चीन से चल रहे भारी तनाव के बीच अमेरिका ने भारत की काफी तारीफ की है। अमेरिकी नौसेना के ऑपरेशनल हेड एडमिरल माइक गिल्डे ने कहा कि भारत भविष्य में चीन का मुकाबला करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन के तनाव के दौरान भारत, अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार साबित होगा। माइक गिल्डे ने वाशिंगटन में हेरिटेज फाउंडेशन के इन-पर्सन सेमिनार में ये बात कही। माइक ने कहा कि किसी भी देश से ज्यादा समय अगर उन्होंने कहीं बिताया है तो वो भारत है। ऐसा इसलिए क्योंकि आने वाले समय में भारत, अमेरिका के लिए एक रणनीतिक भागीदार साबित होगा। माइक गिल्डे अक्टूबर 2021 में पांच दिवसीय यात्रा पर भारत आए थे और इस दौरान उन्होंने भारत के नौसेना प्रमुख समेत रक्षा क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण हस्तियों से मुलाकात की थी।

अंतिम संदेश।

जिंदगी का क्या भरोसा,
कब हमारा आखरी पल हो,
कभी खुद को तो कभी लोगों को
कोसा, पर कौन जाने कि जीवन में
कल हो।

आज है, इसी वक्त है,
जो अभी है वही सच है,
कभी खुद के साथ तो कभी लोगों से
सख्त है, किसी ना किसी चीज का
हमेशा लालच है।

ऐसा ना हो कि आखिरी क्षण ना
मिले, धन्यवाद दिए बिना ही चले
जाएं, सख्कि में मुस्कान के फूल ना
खिले, आभार प्रकट करें बिना ही
मर जाए।

हम तुम्हें तुम हमें अलविदा कहो,
इससे पहले एक बात सुनाएं,
जीवन में तुम खुश रहो,
यही है हमारी आशा और दुआएं।

जाने से पहले यह कहना चाहे,
किसी से गिला शिकवा नहीं
उस आखिरी वक्त में मौका ना पाए,
इसलिए वक्त रहते यह बात है कहीं।

माता पिता और शिक्षकों को,
दे कोटि-कोटि प्रेम और आभार,
मित्र जनों और सभी को,
भी जरूर दे ढेर सारा प्यार।

शार्ट न्यूज

गंगा में नाव पर कबाब और हुक्का पार्टी करने वालों की पहचान, घरों पर ताला लगाकर फरार

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा नदी में चलती नाव पर कबाब पकाने और हुक्का पीने वालों की पहचान हो गई है। पुलिस ने पहचाने गए दो लोगों की धरपकड़ के लिए छापेमारी की तो घरों पर ताले लटके मिले। पुलिस एफआईआर दर्ज कर अन्य की तलाश में भी जुटी है। प्रयागराज के दारागंज थाने के पुलिस अधिकारी ने बताया कि गंगा नदी में चलती नाव पर कुछ लोगों द्वारा मांस पकाने और हुक्का पीने का एक वीडियो वायरल हुआ था। उन्होंने कहा कि मामला संज्ञान में आने पर बक्शी चौकी प्रभारी दिवाकर सिंह की तहरीर पर दो नामजद और चार अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि वीडियो में दिख रहे दो लोगों की पहचान अजफ और हसन के रूप में हुई है। इनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए और 295 में प्राथमिकी दर्ज की गई है। ये दोनों दारागंज के बक्शी खुर्द के निवासी हैं। पुलिस को तलाशी के दौरान दोनों आरोपियों के मकान पर ताला लटका हुआ मिला। अधिकारी ने बताया कि बाकी चार अज्ञात लोगों की भी पहचान करने की कोशिश की जा रही है। दो दिन पहले वायरल वीडियो में दिख रहा है कि शाम के समय एक नाव पर पांच-छह लड़के बैठे हुए हैं। सफेद शर्ट पहना एक लड़का हुक्का पीता हुआ नजर आ रहा है। नाव पर ही रोस्टेड चिकन बन रहा है। एक भगोने में मीट रखा है। नाव पर पीछे बैठे युवक मस्ती कर रहे हैं। एक आदमी खाना बना रहा है। इसके बाद सेल्फी ली जा रही है। सभी मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। सोमवार को गंगा में नाव पर घूमते हुए यह वीडियो वायरल हुआ तो लोगों ने विरोध जताया। सोशल मीडिया के माध्यम से दारागंज पुलिस तक शिकायत पहुंची। यह भी बताया जा रहा है कि आरोपी एक खास वर्ग से जुड़े हैं।

यूपी में मदरसों का होगा सर्वे, 25 अक्तूबर तक डीएम शासन को देंगे रिपोर्ट

लखनऊ। प्रदेश के गैर मान्यता प्राप्त मदरसों का सर्वे करवाया जाएगा। इस बाबत शासन के उप सचिव शकील अहमद सिद्दीकी की ओर से एक आदेश जारी किया गया है। इस आदेश में कहा गया है कि 10 सितम्बर तक इस सर्वे के लिए टीम गठित की जाएगी, जिसमें संबंधित तहसील के उप जिलाधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी शामिल होंगे। यह टीम अपर जिलाधिकारी प्रशासन के निर्देशन में मदरसों का सर्वे करके अपर जिलाधिकारी प्रशासन के माध्यम से जिलाधिकारी को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। पांच अक्तूबर तक यह सर्वे पूरा किया जाएगा। 10 अक्तूबर तक रिपोर्ट / संकलित डाटा अपर जिलाधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी को पेश किया जाएगा और 25 अक्तूबर तक जिलाधिकारी उपरोक्त डाटा और रिपोर्ट शासन को उपलब्ध करवाएंगे। अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने बुधवार को यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि विवादित प्रबंध समिति की दशा में किसी सहायता प्राप्त मदरसे में किसी कार्मिक की मृत्यु की दशा में मृतक आश्रित कोटे में मदरसे के प्रधानाचार्य व जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा नियुक्ति होने तथा वैध प्रबन्ध समिति के अस्तित्व में आने पर कार्योत्तर अनुमोद प्राप्त किया जाएगा।

एयर मार्शल एपी सिंह ने किया वायु सेना स्टेशन बीकेटी का दौरा

लखनऊ। एयर मार्शल एपी सिंह, अति विशिष्ट सेवा मेडल, एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, मध्य वायु कमान ने 31 अगस्त से एक सितंबर तक लखनऊ स्थित वायु सेना स्टेशन बख्शी-का-तालाब का दौरा किया। मध्य कमान के एक प्रवक्ता ने गुरूवार को बताया कि एयर मार्शल एपी सिंह ने एयर बेस के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों का भी दौरा किया। इस दौरान वे स्टेशन के वायु योद्धाओं से मिले। एयर मार्शल एपी सिंह ने सभी स्थानीय यूनिट कमांडरों के साथ ऑपरेशनल चर्चा की और यूनिटों की युद्धक तैयारियों की समीक्षा की।

ए.के. चट्टोपाध्याय एनटीपीसी रिहंद के नये कार्यकारी निदेशक

सोनभद। राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के रिहंद संयंत्र में अब तक समूह महाप्रबंधक के तौर पर कार्यरत ए.के. चट्टोपाध्याय ने गुरूवार को स्टेशन की कमान बतौर कार्यकारी निदेशक संभाल ली। सेवानिवृत हुये कार्यकारी निदेशक (रिहंद) देबब्रत पॉल ने बुधवार को समूह महाप्रबंधक ए.के. चट्टोपाध्याय को रिहंद स्टेशन की कमान सौंपी थी। श्री चट्टोपाध्याय ने विभिन्न पदों पर रहते हुये एनटीपीसी परियोजना में सफलता के नए आयाम स्थापित कर चुके हैं। उन्होने अपनी लगन ,निष्ठा , मेहनत एवं ईमानदारी से एनटीपीसी के विभिन्न परियोजनाओं को ऊंचाइयों तक सफलता पूर्वक आगे बढ़ाने में अहम भूमिका का निर्वहन किया है। एनआईटी दुर्गापुर से 1987 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करने के बाद श्री चट्टोपाध्याय सितंबर 1987 में एनटीपीसी पीएमआई नोएडा में बतौर एक्यूजीटि ट्रेनी के पद से जुड़े। दो साल नोएडा में रहने के बाद इनका स्थानांतरण प्रचालन विभाग में एनटीपीसी फरक्का में हो गया। एनटीपीसी फरक्का एवं रिहंद में विभिन्न पदों पर रह कर इन्होनें एनटीपीसी परियोजना को ऊंचाइयों तक पहुँचने में कामयाबी हासिल की है।

अनियंत्रित ट्रक घुसा घर में,युवक की मौत

रायबरेली। उत्तर प्रदेश में रायबरेली के जगतपुर इलाके में लखनऊ- प्रयागराज हाई- वे पर भूसे से भरा एक रेज रफ्तार ट्रक गुरूवार तड़के अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने एक घर में जा घुसा। इस दुर्घटना में घर के बाहर सो रहे युवक की कुचलने से मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जगतपुर इलाके में आज गुरुवार की सुबह करीब साढ़े चार बजे लखनऊ प्रयागराज मार्ग पर भूसे से लदे ओवरलोडेड तेज़ रफ़्तार ट्रक की चपेट में आने से एक 22 वर्षीय युवक की मौत हो गयी। यह ट्रक प्रयागराज की ओर से रायबरेली की ओर जा रहा था और जगतपुर थाने के थोड़ा पहले एक खम्भे से टकरा गया उसके बाद हाई- वे के किनारे बने मकान में अनियंत्रित होकर घुस गया। जहाँ घर के सामने एक छात्र आयुष (22) सो रहा था जिसकी ट्रक की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गयी। हालांकि ट्रक पकड़ लिया गया लेकिन उसका चालक अभी फरार है। मृतक का शव पुलिस ने कब्ज़े में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है जल्द ही ट्रक चालक भी पकड़ा जाएगा।

देवरिया के खुर्शीद अहमद को राष्ट्रपति करेंगी शिक्षक सम्मान से सम्मानित

देवरिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के देवरिया निवासी खुर्शीद अहमद को शिक्षक सम्मान से सम्मानित करेंगी। देश भर से चुने गये 46 शिक्षकों में शुमार श्री अहमद यह सम्मान पाने वाले उत्तर प्रदेश के एकमात्र शिक्षक हैं। उत्तर प्रदेश से शिक्षक सम्मान से सम्मनित होने जा रहे देवरिया जिले के देसही देवरिया विकास खंड के प्राथमिक उच्च विद्यालय सहला के शिक्षक खुर्शीद अहमद ने गुरूवार को खास बातचीत में बताया कि उनकी योग्यता परास्नातक एमएससी, बीटीसी है। वह देवरिया जिले के देसही देवरिया विकास खंड के सोनाड़ी गांव के मूल निवासी है। एक सामान्य परिवार के श्री अहमद ने बताया मुझे बचपन से ही शिक्षक बनने की प्रबल इच्छा थी। बेसिक शिक्षा विभाग में मेरी पहली नियुक्ति एक शिक्षा मित्र के रुप में वर्ष 2006 में हुई। वर्ष 2006 से 2010 तक अनवरत बतौर शिक्षा मित्र के रुप में कार्य किया। शिक्षामित्र के रूप में कार्य करते हुए समाज में मेरे प्रति लोगों ने तरह-तरह की बातें कर मुझे नौकरी छोड़ने के लिए कहा लेकिन मैंने तय किया था कि मुझे एक अध्यापक बनना है।इसलिए मैंने यह सोचा कि हो सकता है एक अवसर प्रदान कर ईश्वर द्वारा मेरी परीक्षा ली जा रही हो, यदि इस छोटे से अवसर को मैं सही ढंग से नहीं निभा पाया तो शायद भविष्य में मुझे कभी बड़ा अवसर न मिले इसलिए अपने कर्म को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करता रहा। उन्होंने बताया कि 2010 में बीटीसी चयन के बाद सहायक अध्यापक के रूप में इस विभाग में द्वितीय नियुक्ति प्राथमिक विद्यालय कौलाचक 2 क्षेत्र पथरदेवा जिला देवरिया में हुई। वर्ष 2013 से 2015 तक सहायक अध्यापक के रूप में कार्यरत रहा। वर्ष 2015 में विज्ञान गणित की सीधी भर्ती चयन द्वारा विभाग में मेरी तृतीय नियुक्ति पूर्व माध्यमिक विद्यालय मथुराछापर क्षेत्र तरकुलवा जिला देवरिया में हुई।

बरेली के खंडहरों में छिपा था 1500 साल पुराना रहस्य, खुदाई हुई तो खुले ऐतिहासिक राज

आंवला रामनगर (बरेली)। यूपी के बरेली जिले में खुदाई के दौरान जो मिला उसने एएसआई ही नहीं आसपास के लोगों को भी चौंका दिया। खुदाई के दौरान मिली वस्तु वर्षों पहले की बताई जा रही है। दरअसल महाभारत कालीन ऐतिहासिक धरोहर को समेटे रामनगर के समीप अहिच्छत्र के खंडहरों में खुदाई के दौरान 15 सौ वर्ष पुरानी मूर्तियां मिली हैं। इन मूर्तियों के गुप्त काल के होने की संभावना जताई जा रही है। इनपर शोध के बाद अहिच्छत्र के विकास की नई जानकारियां सामने आएंगी।

आर्किलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की टीम पिछले एक सप्ताह से भीम गदा टीले के निचले हिस्से की खुदाई और सफाई का कार्य कर रही है। मंगलवार और बुधवार को भीम गदा टीले के निचले हिस्से की दीवार से मूर्तियां चिपकी मिलीं। सहायक पुरातत्वविद् विवेक कुमार सिंह ने बताया कि इन मूर्तियों को पटचित्र (पेलन्क्यू) भी कहा जा सकता है। इस काल में मिट्टी के फ्रेम पर मूर्तियां बनाकर उसे आग में पकाकर मंदिर अथवा भवनों की बाहरी दीवार पर लगा दिया जाता था।

इस चित्र को देखने से भगवान शिव और विष्णु का अंदाजा लगाया जा रहा है, लेकिन अभी उच्च अधिकारियों से चर्चा चल रही है। गुप्त काल से जुड़ी अन्य साइटों पर भी इस तरह की मूतियां मिली हैं, इन मूर्तियों से इतिहास के नये तथ्य उजागर हो सकते हैं। अहिच्छत्र में सहायक पुरातत्व विद् विवेक कुमार सिंह और संरक्षक

सहायक राजेश कुमार मीना के निर्देशन में 52 लोग खुदाई के काम में लगे हैं।

वर्ल्ड हेरिटेज स्मारक साइट बनाने का लक्ष्य

मेरठ मंडल एएसआई कार्यालय के तहत 82 से अधिक पुरातत्व साइट हैं, जिनमें से अहिच्छत्र विशेष है। इसके विकास के लिए प्रक्रिया तेज हो गई है। अगले 10 साल में इसे वर्ल्ड हेरिटेज स्मारक साइट की सूची में शामिल कराया जाएगा। पुरातत्व विवेक सिंह बताते है कि हड़प्पा सभ्यता से जुड़ी धौलावीर साइट को विश्व के मानचित्र पर लाने में 28 साल लग गए।

रामनगर के मुख्य मार्ग से अहिच्छत्र के खंडहरों में भीम टीले तक जाने का कोई पक्का रास्ता नही है। एक पगडंडी बनी हुई, जिससे पर्यटकों को वहां तक पहुंचने में काफी परेशानी होती है। इसीलिए पुरातत्व विभाग ने सड़क निर्माण का कार्य शुरू करा दिया है।

पुरातत्व संग्रहालय का प्रस्ताव शासन को जाएगा

पुरातत्वविद् ने बताया कि वर्ष 1940, 1963, 2004 और 2014 में अहिच्छत्र में खुदाई का काम हुआ है। इस दौरान अमूल्य धरोहर मिली हैं, जिन्हे नेशनल म्यूजियम में रखा गया है।

यहां पुरातत्व संग्रहालय का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा जाएगा, जिससे यहां मिलने वाली मूर्तियां आदि को अहिच्छत्र में ही संजोया जा सके।

पांचाल प्रदेश की राजधानी रहे अहिच्छत्र में कई संस्कृतियों को पनपने का मौका मिला है। मान्यता है कि यह द्रोपदी का जन्म स्थल और राजा द्रुपद का राज्य रहा। इस क्षेत्र में पांडवों ने अज्ञातवास गुजरा और लीलौर झील पर यक्ष ने पांडवों से प्रश्न किये। जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी को केवल्य ज्ञान यही प्राप्त हुआ और भगवान बुद्ध ने नागवंश के अंतिम शासक अच्युतनाग और उनकी प्रजा को दीक्षा प्रदान की।

आंवला एसडीएम एनराम ने बताया, अहिच्छत्र में मूर्तियां मिलने से इतिहास के कई नये तथ्य उजागर होगें। खंडहरों में अवैध रूप से खेती कर रहे किसानों की जांच कराकर उन्हें हटाया जाएगा।

यूपी में कचरे से होगी कमाई, गोरखपुर में इंदौर की तर्ज पर लगेगा बायो सीएनजी प्लांट

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में कचरा अब सिरदर्द नहीं बल्कि कमाई का जरिया बनने जा रहा है। इदौर की तर्ज पर कचरे से बायो कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) बनाने की तैयारी चल रही है। इसके अलावा इससे लिक्विड खाद का भी निर्माण होगा। इससे ना सिर्फ कचरे का निपटारा होगा बल्कि कई नौकरियों का भी सृजन होगा। इंदौर की कंपनी इंडो एनवायरो इंटीग्रेटेड साल्यूशन लिमिटेड के अफसरों ने बायो कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) प्लांट बनाने के लिए नगर आयुक्त

अविनाश सिंह से मुलाकात की है। उन्होंने गीले और सूखे कूड़े से सीएनजी और खाद बनाने की पूरी विधि उन्हें समझाई।

अधिकारियों के साथ कंपनी के अफसरों ने मैनेजमेंट प्लांट के लिए चिह्नित जमीन देखी और कहा जा रहा है कि अफसरों को वो जमीन पसंद भी आ गई है। जानकारी के मुताबिक ये प्लांट 15 एकड़ जमीन पर बनाया जाएगा। बाकी बची जमीन पर वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट लगाए जाने की योजना है।

इंदौर से गोरखपुर आई टीम पांच सितंबर तक गीला कचरा मिलने की समीक्षा करेगी। टीम घर-घर जाकर भी गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करके देखेगी। अगर ये टीम संतुष्ट होती है तो फिर इंदौर से दूसरी टीम प्लांट स्थापित करने का काम शुरू करेगी।

दिसंबर तक तैयार हो जाएगा हवाईअड्डे जैसी सुविधाओं वाला अयोध्या रेलवे स्टेशन

एजेंसी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश में राम नगरी अयोध्या में एक तरफ श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर आकार ले रहा है तो वहीं दूसरी तरफ अयोध्या नगरी को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने की कड़ी में हवाईअड्डे जैसी सुविधाओं वाला रेलवे स्टेशन इस साल दिसंबर तक तैयार हो जायेगा।

गौरतलब है कि अयोध्या में अन्तरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का भी निर्माण हो रहा है। इसके साथ ही अत्याधुनिक विश्व स्तरीय सुविधाओं से लैस रेलवे स्टेशन की सौगात भी जल्द ही अयोध्यावासियों को मिलने जा रही है। यह देश के सबसे खूबसूरत और आधुनिक सुविधाओं से संपन्न रेलवे स्टेशनों में से एक होगा। रेलवे की ओर से गुरुवार को दी गयी जानकारी के मुताबिक स्टेशन की इमारत 10 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल में बन रही है। इसके दूसरे चरण का काम शुरू हो गया है। इसमें अयोध्या स्टेशन के विस्तार को लेकर रेलवे 200 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। स्टेशन को नया लुक दिया जा रहा है। इसमें खूबसूरत भवन, पार्किंग, कर्मचारियों के लिए आवास, रेलवे पुलिस के लिए कार्यालय, तीन नए प्लेटफार्म का निर्माण, रोड निर्माण, ड्रेनेज संबंधी कार्य सहित अन्य काम हो रहे हैं।

बिजनौर में लंपी वायरस का प्रकोप, अबतक 377 मवेशी संक्रमित, 4 पशुओं की मौत

बिजनौर। लंपी स्किन वायरस का प्रकोप उत्तर प्रदेश के बिजनौर में तेजी से फैल रहा है। बड़ी संख्या में गोवंश और भैंस लंपी वायरस की चपेट में आ रहे हैं। अब तक जिले के अलग-अलग इलाकों के 68 गांवों में 377 पशु लंपी वायरस से संक्रमित हो चुके हैं जबकि चार पशु दम तोड़ चुके हैं। वहीं पूरे राज्य की बात करें तो उत्तर प्रदेश में अब तक कम से कम 15,000 मवेशी लंपी वायरस से संक्रमित हो चुके हैं और 115 मवेशियों की मौत हो चुकी है। यूपी के 1414 गांव इस वायरस की चपेट में हैं। यूपी सरकार ने लंपी वायरस की रोकथाम के लिए टीम-9 का गठन किया है, जो बीमारी की रोकथाम के लिए 29 अगस्त से 3 सितंबर तक 6 दिन का अभियान चला रही है। लंपी वायरस के ज्यादातर मामले पश्चिमी यूपी के 21 जिलों से सामने आए हैं। इनमें अलीगढ़, अमरोहा, बागपत, बिजनौर, बदायूं, बुलंदशहर, एटा, गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, हापुड़, हाथरस, मथुरा, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, संभल, शाहजहांपुर, शामली, फिरोजाबाद और बरेली शामिल हैं। राज्य सरकार ने दूसरे राज्यों और मेलों से जानवरों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। सरकार ने दावा किया कि जानवरों के लगातार टीकाकरण से इस घातक वायरस पर काबू पाने में मदद मिलेगी। लंपी वायरस दुनियाभर के पशुओं के लिए बड़ा खतरा है। यह आनुवंशिक रूप से गोटपॉक्स और शीपपॉक्स वायरस फैमिली से संबंधित है। एलएसडी मुख्य रूप से खून चूसने वाले कीड़ों के जरिए फैलता है और मवेशियों को संक्रमित करता है।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, शव बरामद

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के तमकुही राज थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद गुरूवार को शव बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि तुमकुही थानाक्षेत्र के पथरवा निवासी कृष्णा गोंड (23) का शव आज संदिग्ध परिस्थितियों में गांव से थोडी दूर पर चरगहा हनुमान मंदिर के पास खेत से बरामद किया गया। पास ही उसकी बाइक भी पड़ी थी। वह सलेमगढ़ की एक बाइक एजेंसी पर काम करता था। बुधवार को सुबह भी ड्यूटी पर गया थाए मगर नहीं लौटा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

फर्जी डिग्री से 13 साल करता रहा शिक्षक की नौकरी, हुई बर्खास्तगी, वेतन की वसूली होगी

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में बीएससी और बीएड की फर्जी डिग्री के आधार पर पिछले 13 वर्षों से नौकरी कर रहे एक शिक्षक को बर्खास्त कर दिया गया है। उसे अब तक दिए गए वेतन की वसूली के निर्देश भी दिए गए हैं।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि कुण्डा तहसील क्षेत्र के अहिबरनपुर स्थित प्राइमरी स्कूल में प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात रोहित कुमार यादव को बीएससी और बीएड की फर्जी डिग्री के आधार पर नौकरी करने के आरोप में बुधवार को बर्खास्त कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि यादव को अब तक वेतन के रूप में किए भुगतान की वसूली के निर्देश भी जारी किए गए हैं। सिंह ने बताया कि प्रयागराज के निवासी राजनाथ यादव ने 17 फरवरी 2021 को बेसिक शिक्षा विभाग के अपर निदेशक से शिकायत करते हुए आरोप लगाया था कि रोहित कुमार यादव की बीएससी और बीएड की डिग्री फर्जी है। शिकायत के आधार पर विभाग ने लखनऊ विश्वविद्यालय से डिग्री की जांच कराई, जिसमें वे फर्जी पाई गई।

उन्होंने बताया कि इस मामले में अपने खिलाफ नोटिस जारी होने पर रोहित ने नए सिरे से जांच की मांग की और परीक्षा नियंत्रण विभाग ने डिग्री फर्जी होने की एक बार फिर पुष्टि की। सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की रिपोर्ट के आधार पर शिक्षक रोहित कुमार यादव को बर्खास्त कर उन्हें वेतन के रूप में दी गई राशि की वसूली करने और थाना हथिगवां में मामला दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

गाजीपुर में डूबे पांच में से चार बच्चों के शव मिले, मरने वालों की संख्या छह हुई

गाजीपुर। गाजीपुर में रेवती के अठहठा गांव में बाढ़ के पानी में नाव पलटने से डूबे पांच बच्चों में से चार के शव बरामद हो गए। बुधवार की दोपहर हुई दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई थी। पांच बच्चे लापता हो गए थे। शव मिलने के साथ ही मरने वालों की संख्या छह हो गई है। अब भी एक बच्चा लापता है।

रेवतीपुर थाना क्षेत्र के अठहवा में बुधवार की दोपहर 25 लोगों को लेकर आ रही नाव गंगा की बाढ़ में पलट गई थी। हादसे के बाद कई लोगों ने तैरकर

जान बचाई तो कुछ लोगों को आसपास के नाविकों और मल्लाहों ने बचाया। इनमें चार को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया। जहां दो लोगों की मौत हो गई थी। पांच बच्चे लापता हो गए थे। गुरुवार की सुबह से ही 34वीं वाहिनी पीएसी और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से डूबे बच्चों की तलाश शुरू की गई थी। इसमें चार का शव बरामद हो गया।

सत्यम (14) पुत्र शिव शंकर गौड़, संध्या पासवान (8) पुत्री अनिल पासवान, अमित पासवान (14) पुत्र विजय शंकर पासवान, खुशी यादव (13) पुत्री दयाशंकर का शव बरामद कर लिया गया है। एक की तलाश की जा रही है। मौके पर एसडीएम राजेश प्रसाद चौरसिया, तहसीलदार, सीओ, थाना अध्यक्ष रेवतीपुर आदि मौजूद है।

साहित्य वाचस्पति डा. श्रीपाल सिंह क्षेम की कल मनायी जायेगी 100वीं जयंती

जौनपुर। ओ रंग रली, कंज कली, नन्दन की मन्दार कली.. और एक पल ही जियो, फूल बनकर जियो, फूल बनकर ठहरना नहीं जिंदगी, जैसे गीतों के रचयिता साहित्य वाचस्पति डा. श्रीपाल सिंह क्षेम की 100वीं जयंती शुक्रवार को उनकी जन्मस्थली जौनपुर में धूमधाम से मनाने की तैयारी की है। मूर्धन्य हिंदीसेवी कवि एकत्र होकर अपनी कविताओं के माध्यम से डा क्षेम को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। डॉ क्षेम की सौवीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद यादव मुख्य अतिथि एवं राज्यसभा की सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगी। इसके पश्चात कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया है। डा क्षेम का जन्म 02 सितंबर 1922 को जनपद मुख्यालय से लगभग 10 किमी पश्चिम स्थित बशारतपुर गांव में हुआ। एक कृषक परिवार में जन्में डा. क्षेम ने प्रारंभिक शिक्षा गांव में प्राप्त की।

भाकियू स्वराज के कार्यकर्ताओं ने घेरा थाना, पुलिस से झड़प, लाठीचार्ज

बदायूं। बदायूं में कादरचौक थाने के सामने बुधवार देर रात भारतीय किसान यूनियन स्वराज के कार्यकर्ताओं ने जाम लगाकर प्रदर्शन किया। जिस पर पुलिस पहुंची और तीखी झड़प के बाद कार्यकर्ताओं को खदेड़ दिया। इसके बाद में संगठन की भारी भीड़ ने थाने का घेराव किया। कई थानों का फोर्स मौके पर जा पहुंचा। पुलिस ने जिलाध्यक्ष अवनीश यादव की तहरीर पर एक दरोगा समेत दो सिपाहियों व 20 अज्ञातपुलिस कर्मियों के खिलाफ लूट व मारपीट आदि धाराओं में केस दर्ज की गई है। इधर, पुलिस की ओर से भी भीड़ पर मुकदमे की तैयारी चल रही है।

भाकियू स्वराज के तमाम पदाधिकारी रात तकरीबन 10 बजे कासगंज जिले की सीमा से सटे कस्बा कादरचौक पहुंचे और वहां हूटर लगी बाइकें सड़क पर खड़ी करके जाम लगा दिया। पुलिस वहां पहुंची और जाम की वजह पूछी तो पदाधिकारियों का कहना था कि प्रदेशस्तर से आंदोलन का निर्देश मिला है, इसीलिए यहां जुटे हैं। हालांकि इन लोगों के पास कोई ज्ञापन आदि नहीं था। कुछ देर में ही वहां पुलिस से तीखी झड़प शुरू हो गई। नतीजतन पुलिस ने भीड़ को खदेड़ दिया।

कुछ देर बाद बदायूं समेत कासगंज जिले के सीमावर्ती गांवों में रहने वाले कार्यकर्ताओं की भीड़ पुनः थाने पर जा पहुंची। मामले को संभालने के लिए एसपी सिटी अमित किशोर श्रीवास्तव समेत आसपास के थानों का फोर्स भी वहां जा पहुंचे। अधिकारियों ने बमुश्किल लोगों को समझाया लेकिन भीड़ पुलिस के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने पर अड़ी थी। नतीजतन देर रात संगठन के अवनीश कुमार व अरविंद कुमार की ओर से थाने में तैनात दरोगा विक्रम सिंह, कांस्टेबल जितेंद्र, सिपाही त्यागी व एक अन्य सिपाही के खिलाफ मोबाइल व नकदी लूटने समेत मारपीट का मुकदमा लिखा गया है। मुकदमे में 20 अज्ञात सिपाही भी दिखाए गए हैं।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललित कुमार मिश्र ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष का पिछले दिनों कासगंज के एसपी से किसी बात को लेकर विरोध हो गया था। इसी विरोध के चलते प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय सीनियर पुरुष हैंडबॉल चैंपियनशिप सात सितंबर से लखनऊ में

लखनऊ। नवाबों के शहर लखनऊ में सात से 11 सितंबर के बीच खेली जाने वाली 51वीं राष्ट्रीय सीनियर पुरुष हैंडबॉल चैंपियनशिप में गत विजेता एसएससीबी, उपविजेता राजस्थान और मेजबान उत्तर प्रदेश समेत 30 टीमें खिताब के लिए जोर आजमाइश करेंगी। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप के मैच केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेले जाएंगे। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने गुरूवार को यहां पत्रकारों को बताया कि लीग कम नाकआउट आधार पर होने वाली इस चैंपियनशिप के लिए तेजी से तैयारियां चल रही है। चैंपियनशिप के लिए केडी सिंह बाबू स्टेडियम में चार कोर्ट बनाए जा रहे है जहां सुबह व शाम की पालियों में मुकाबले खेले जाएंगे। पांडेय ने बताया कि चैंपियनशिप में खेलने आने वाली 30 टीमों को आठ पूल में बांटा जाएगा। सभी टीमों ने आने की मंजूरी दे दी है। लखनऊ तीसरी बार हैंडबॉल की राष्ट्रीय चैंपियशिप की मेजबानी करेगा।

यूपी में 16 आईएएस अफसरों के तबादले, नवनीत सहगल और अमित मोहन का विभाग बदला

लखनऊ। यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी के रिटायरमेंट के 24 घंटे के भीतर योगी सरकार ने 16 सीनियर आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया। 4 साल से स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे अमित मोहन प्रसाद से महकमा छीन लिया गया। हालांकि उन्हें अपर मुख्य सचिव हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग तथा खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य की जिम्मेदारी पार्थ सारथी सेन शर्मा को सौंपी गई है। वहीं नवनीत सहगल का भी विभाग छिन गया है। अब नवनीत को खेलकूद विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। आराधना शुक्ला को माध्यमिक शिक्षा विभाग से आयुष विभाग भेजा गया है।

इनको ये मिला विभाग

मुकेश कुमार प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति विभाग को अतिरिक्त प्रभार धर्मार्थ कार्य विभाग दिया गया है। हिमांशु कुमार प्रमुख सचिव समाज कल्याण तथा अल्पसंख्यक कल्याण

को प्रमुख सचिव ग्राम विकास एवं ग्रामीण अभियंत्रण सेवा विभाग दिया गया है। पार्थ सारथी प्रतीक्षारत को प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग बनाया गया। डॉ. हरिओम प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन विभाग को प्रमुख सचिव समाज कल्याण विभाग दिया गया है। मोनिका एस गर्ग अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग से अपर मुख्य सचिव अल्पसंख्यक कल्याण विभाग एवं मुस्लिम वर्ग विभाग बनाया गया है।

महेश कुमार गुप्ता अपर मुख्य सचिव श्री राजपाल को अपर मुख्य सचिव ऊर्जा अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग दिया गया है।कल्पना प्रमुख सचिव खेलकूद एवं ग्रामीण अभियंत्रण विभाग से प्रमुख सचिव राज्यपाल बनाया गया है। अरविंद कुमार स्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त को यूपी अड्डा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। राजेश सिंह प्रमुख सचिव उद्यान एवं खाद्य को प्रमुख सचिव कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं का प्रभार दिया गया है। मनोज कुमार सिंह कृषि उत्पादन आयुक्त को कृषि उत्पादन आयुक्त प्रमुख सचिव पंचायती राज एवं उद्यान खाद विभाग दिया गया है।

सुधीर महादेव सदस्य न्यायिक राजस्व परिषद को प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा विभाग दिया गया है। संजय प्रसाद प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री प्रोटोकॉल को प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री प्रोटोकॉल सूचना एवं जनसंपर्क ग्रह गोपन वीजा पासपोर्ट एवं सतर्कता विभाग दिया गया है। दीपक कुमार प्रमुख सचिव शिक्षा बेसिक को वर्तमान पद के साथ माध्यमिक शिक्षा विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। आराधना शुक्ला अपर सचिव माध्यमिक शिक्षा विभाग को अपर मुख्य सचिव आयुष विभाग दिया गया है।

शार्ट न्यूज

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में टिकाव

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल से उतरने के बावजूद घरेलू स्तर पर आज पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंदन ब्रेंट 1.80 प्रतिशत की गिरावट लेकर 93.92 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रुड 1.82 प्रतिशत उतरकर 87.92 डॉलर प्रति बैरल बोला गया। घरेलू स्तर पर तेल विपणन करने वाली कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर यथावत है। पिछले दो महीने से अधिक समय से तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश: 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर हैं। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

सोना 434 और चांदी 1010 रुपये सस्ती

मुंबई। वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी के संकेत से डॉलर में जारी तेजी के दबाव में विदेशी बाजारों में कीमती धातुओं में आई गिरावट से घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 434 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 1010 रुपये प्रति किलोग्राम गिर गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.75 प्रतिशत टूटकर 1697.90 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इसी तरह अमेरिका सोना वायदा 1.03 प्रतिशत की गिरावट लेकर 1695.20 डॉलर प्रति औंस हो गया। इस दौरान चांदी हाजिर 1.34 प्रतिशत लुढ़ककर 17.73 डॉलर प्रति औंस बोली गई। विदेशी बाजारों की गिरावट का असर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में देखा गया। इस दौरान सोना 434 रुपये टूटकर 49980 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 530 रुपये गिरकर 49990 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही। इसी तरह चांदी 1010 रुपये सस्ती होकर होकर 51551 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 986 रुपये गिरकर 52873 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

रुपया चार पैसे फिसला

मुंबई। आयातकों और बैंकरों की लिवाली के साथ ही शेयर बाजाार के एक प्रतिशत से अधिक टूटने के दबाव में अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपये ने पिछले दिवस की तेजी गंवा दी और आज चार पैसे फिसलकर 79.56 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। वहीं, पिछले कारोबारी दिवस रुपया 39 पैसे की तेजी लेकर 79.52 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया एक पैसे बढ़कर 79.55 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह बिकवाली की बदौलत 79.30 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि लिवाली के कारण यह 79.66 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 79.52 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में चार पैसे फिसलकर 79.56 रुपये प्रति डॉलर रह गया।

कानपुर हवाई अड्डे पर दिसंबर तक शुरू हो जाएंगी विश्व स्तरीय सुविधाएं

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक केंद्र कानपुर में मौजूदा हवाई अड्डे पर सुविधाओं को आधुनिक बनाने का काम पूरा हो जाएगा और वहां दिसंबर तक यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलने लगेंगी। यह जानकारी नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में दी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि कानपुर हवाई अड्डे पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण ने वहां 143.6 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न यात्री सुविधाओं को विश्व स्तरीय बनाने का काम शुरू किया है जिसमें एक नया टर्मिनल भवन और तीन ए-321 प्रकार के विमानों के खड़े होने के लिए सुविधा तैयार करना शामिल है। इस विकास परियोजना के इस वर्ष दिसंबर के अंत तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। कुल 6,248 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनने वाले नया टर्मिनल भवन में अति व्यस्त समय के दौरान एक साथ 300 यात्रियों के आवागमन की व्यवस्था होगी। सभी अति आधुनिक यात्री सुविधाओं से लैस इस ऊर्जा बचत की दृष्टि से 4सितारा प्रमाण वाली इस टर्मिनल में आठ जांच काउंटर और यात्रियों के सामान के लिए कन्वेयर बेल्ट होंगी। हवाई अड्डा भवन के बाहर करीब वाहन खड़े करने की सुविधा होगी जहां 150 कारें एक साथ खड़ी की जा सकेंगी। टर्मिनल भवन के अग्र भाग में स्थानीय कला और विरासत का प्रतिबिंब दर्शाया जाएगा, जोकि कानपुर के विख्यात जे.के. मंदिर से प्रेरित होगा। उत्तर प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी कानपुर चमड़ा, वस्त्र तथा रक्षा उत्पादन उद्योग का एक विशाल हब है। इसके साथ ही यह ऐतिहासिक तीर्थस्थलों और विभिन्न प्रमुख संस्थानों का शहर भी होने के कारण यहां बड़ी संख्या में हवाई यात्रियों की आवाजाही होती है। वर्तमान में कानपुर हवाई अड्डा दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और गोरखपुर जैसे चार शहरों से सीधे तौर पर जुड़ा है।

अगस्त में जीएसटी राजस्व संग्रह 28 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। सरकार के आर्थिक सुधार के लिए उठाए गए आवश्यक कदम और बेहतर रिपोर्टिंग की बदौलत इस वर्ष अगस्त में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह पिछले वर्ष की समान अवधि के 112020 करोड़ रुपये के मुकाबले 28 प्रतिशत बढ़कर 143612 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2022 में 143612 करोड़ रुपये जीएसटी राजस्व संग्रहित किया, जो अगस्त 2021 के 112020 करोड़ रुपये की तुलना में 28 प्रतिशत अधिक है। इस वर्ष अगस्त के दौरान माल के आयात से प्राप्त राजस्व 57 प्रतिशत अधिक रहा और घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात सहित) से एकत्रित राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। लगातार छह महीने से मासिक जीएसटी राजस्व संग्रह 1.4 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर रहा है। अगस्त तक जीएसटी संग्रह की प्रगति पिछले वर्ष की इस अवधि की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक रही है। और इस तरह इसमें काफी अच्छा उछाल बना हुआ है। यह जीएसटी परिषद द्वारा बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों का स्पष्ट परिणाम है। बेहतर रिपोर्टिंग के साथ-साथ आर्थिक सुधार का जीएसटी राजस्व पर लगातार सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। सरकार ने आईजीएसटी (एकीकृत जीएसटी) से 29524 करोड़ रुपये और सीजीएसटी (केंद्रीय जीएसटी) के लिए और 25119 करोड़ रुपये एसजीएसटी (राज्य जीएसटी) के लिए तय किए हैं। नियमित निपटान के बाद अगस्त 2022 में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 54234 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 56070 करोड़ रुपये है। जुलाई 2022 के दौरान 7.6 करोड़ रुपये के ई-वे बिल तैयार हुए जो जून 2022 के 7.4 करोड़ रुपये की तुलना में मामूली तौर पर अधिक लेकिन जून 2021 के 6.4 करोड़ रुपये के मुकाबले 19 प्रतिशत अधिक थे।

खाद्य तेलों में टिकाव; गुड़-चीनी सस्ती

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार की गिरावट से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा वहीं गुड़ और चीनी के भाव गिर गए। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा 117 रिंगिट उतरकर 3886 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इस दौरान अमेरिकी सोया तेल का सितंबर वायदा भी 2.03 सेंट गिरकर 65.45 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में तेजी रही। इस दौरान चीनी 100 रुपये और गुड़ 100 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हो गया। दाल-दलहन :दाल-दलहन के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में भी टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। दाल-दलहन : चना 4600-4700, दाल चना 5600-5700, मसूर काली 8300-8400, मूंग दाल 8000-8100, उड़द दाल 9900-10000, अरहर दाल 9000-9100 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2400-2500 रुपये और चावल : 2600-2700 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

सेंसेक्स-निफ्टी एक प्रतिशत से अधिक टूटे

मुंबई । दुनिया के आर्थिक मंदी की चपेट में जाने का खतरा और वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका से विदेशी बाजारों में आई गिरावट से हताश निवेशकों की स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, आईटी, टेक, धातु, तेल एवं गैस और पावर समेत तेरह समूहों में हुई बिकवाली से सेंसेक्स और निफ्टी पिछले दिवस की तजी गंवाते हुए आज एक प्रतिशत से अधिक लुढ़क गए।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 770.48 अंक का गोता लगाकर 59 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 58766.59 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 216.50 अंक गिरकर 17542.80 अंक पर आ गया। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों में तेजी रही। मिडकैप 0.57 प्रतिशत चढ़कर 25,554.25 अंक और स्मॉलकैप 0.48 प्रतिशत मजबूत होकर 28,789.30 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3578 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1467 में बिकवाली जबकि 1958 में लिवाली हुई वहीं 153 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 38 कंपनियों में तेजी जबकि शेष 12 में गिरावट रही।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 1.44, जर्मनी का डैक्स 1.16, जापान का निक्केई 1.53, हांगकांग का हैंगसेंग 1.79 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.54 प्रतिशत लुढ़क गया।

इसके दबाव में बीएसई में 13 कंपनियों में बिकवाली हुई जबकि शेष छह में बढ़त रही। बेसिक मैटैरियल्स 0.49, ऊर्जा 1.99, एफएमसीजी 0.69, वित्त 0.73, हेल्थकेयर 0.87, आईटी 1.68, यूटिलिटीज 1.00, बैंकिंग 0.61, धातु 1.56, तेल एवं गैस 1.77, पावर 1.16 और टेक समूह के शेयर 1.41 प्रतिशत गिर गए।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 827 अंक लुढ़ककर 58,710.53 अंक पर खुला लेकिन लिवाली होने से थोड़ी देर बाद 59,309.79 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बिकवाली के दबाव में कारोबार के अंतिम चरण में यह 58,522.57 अंक के निचले स्तर तक गिर गया। अंत में पिछले दिवस के 59,537.07 अंक के मुकाबले 1.29 प्रतिशत टूटकर 58,766.59 अंक पर रहा। इसी तरह 274 अंक उतरकर 17,485.70 अंक पर खुला निफ्टी सत्र के दौरान 17,695.60 अंक के उच्चतम जबकि 17,468.45 अंक के निचले स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 17,759.30 अंक की तुलना में 1.22 प्रतिशत कमजोर होकर 17,542.80 अंक पर रहा।

इस दौरान सेंसेक्स की नुकसान उठाने वाली कंपनियों में रिलायंस 2.99, टीसीएस 2.49, सन फार्मा 2.42, टेक महिंद्रा 2.15, हिंदुस्तान यूनीलीवर 1.99, इंफोसिस 1.93, एनटीपीसी 1.74, टाटा स्टील 1.71, बजाज फाइनेंस 1.68, एचडीएफसी 1.64, पावरग्रिड 1.50, आईसीआईसीआई बैंक 1.48, एचसीएल टेक 1.42, एचडीएफसी बैंक 0.95, डॉ. रेड्डी 0.93, एक्सिस बैंक 0.92, आईटीसी 0.86, नेस्ले इंडिया 0.81, अल्ट्रासिमको 0.71, विप्रो 0.70, मारुति 0.70, कोटक बैंक 0.60 और एलटी 0.53 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, बजाज फिनसर्व 2.58, एशियन पेंट 1.63, भारती एयरटेल 1.18, टाइटन 0.78, एसबीआई 0.40, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.28 और इंडसइंड बैंक ने 0.25 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

91 स्प्रिंगबोर्ड को गूगल फॉर स्टार्टअप्स से गठजोड़

नयी दिल्ली। भारत की प्रमुख को-वर्किंग कम्युनिटी में से एक 91स्प्रिंगबोर्ड ने लेवल अप लॉन्च करने के लिए गूगल फॉर स्टार्टअप्स (जीएफएस) के साथ सहयोग किया है। लेवल अप एक राष्ट्रव्यापी वर्चुअल ऐक्सिलरेटर प्रोग्राम है, जिसका उद्देश्य भारत में महिला उद्यमियों को अपने स्टार्टअप को अगले स्तर तक ले जाने में सक्षम बनाना है। व्यवसाय, तकनीक, नेतृत्व और निवेश की तैयारी के प्रमुख घटकों को मिलाकर, यह ऐक्सिलरेटर प्रोग्राम महिला उद्यमियों को संरक्षण प्रदान करेगा, उनके लिए मास्टरक्लासेस चलाएगा और उनके संपर्क को बढ़ाएगा और प्रासंगिक उपकरण मुहैया करायेगा। इससे उनका मॉडल बेहतर होगा, उनका नेतृत्व कौशल बढ़ेगा। इतना ही नहीं, उन्हें अपने व्यावसाय को बढ़ाने के लिए निवेश के लिए तैयार होने और पूंजी तक पहुंच प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

लेवल अप महिलाओं द्वारा झेली जा रही बाधाओं को दूर करना चाहते हैं। इसके लिए हम उनके लिए निजी एवं व्यावसायिक वृद्धि के अवसरों का निर्माण कर रहे हैं, उन्हें ज्यादा दृश्यता और एक राष्ट्रीय मंच प्रदान कर रहे हैं और निवेशकों के साथ संपर्क बनाकर पूंजी तक उनकी पहुंच को बेहतर बना रहे हैं। इस प्रोग्राम को विशेष रूप से महिला उद्यमियों को सपोर्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो विश्वसनीय परामर्श, समकक्ष समूहों और अन्य व्यवसाय संबंधी सहायता तक पहुँच की तलाश में हैं। 91स्प्रिंगबोर्ड के सीईओ आनंद वेमुरी ने कहा, हम भारत में लेवल अप प्रोग्राम लॉन्च करने में गूगल फॉर स्टार्टअप्स के साथ सहयोग करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। 91स्प्रिंगबोर्ड ने हमेशा स्टार्टअप पारितंत्र को पोषित करने और सीखने के पर्याप्त अवसरों के माध्यम से विकास को बढ़ावा देने में विश्वास किया है।

हमारा मानना है कि किसी भी व्यावसायिक क्षेत्र के विकास और नवाचार में वैश्विक अनुभव और शानदार कार्यपद्धतियों को साझा करना सबसे बुनियादी ज़रूरत है। ज्यादा से ज्यादा महिलाएँ स्टार्टअप शुरू कर उनका संचालन कर रही हैं लेकिन उनके पास आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त समर्थन प्रणाली नहीं है।

सांताक्रूज इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र में साझा सुविधा केंद्र समय से तैयार करने का गोयल ने दिया निर्देश

मुंबई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को यहां निर्देश दिया कि मुंबई में सांताक्रूज इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र (सीप्ज) में विकसित किये जाने वाले वृहद साझा सुविधा केंद्र (सीएफसी) भवन का काम समय से पूरा हो। उन्होंने सीएफसी भवन के भूमि पूजन समारोह को वस्तुत: संबोधित करते हुए कहा कि इस परियोजना को समय से पूरा कर के एक उदाहरण प्रस्तुत किया जाना चाहिए कि सरकारी और सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाएं भी समय सीमा का पालन कर सकती हैं। श्री गोयल के पास, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्रालय का भी दायित्व है। उन्होंने कहा कि इसे एक मई 2023 तक निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह सीपेज के 50 साल पूरे होने की तिथि से मेल खाती है और यह तिथि महाराष्ट्र दिवस और मजदूर दिवस पर भी पड़ती है। मंत्री ने सीएफसी को सीप्ज का ताज और रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) की एक उल्लेखनीय उपलब्धि करार दिया। श्री गोयल ने विश्वास व्यक्त किया कि यह हमारे निर्यात के विकास में योगदान देगा और सबका प्रयास के साथ, हम निश्चित रूप से अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। गोयल ने कहा भारत 1965 में कांडला में एशिया के पहले ईपीजेड की स्थापना के साथ निर्यात को बढ़ावा देने में निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र (ईपीजेड) मॉडल की प्रभावशीलता को पहचानने वाला एशिया का पहला देश था। उन्होंने कहा कि सांताक्रूज में प्रस्तावित साझा सुविधा केंद्र एक महत्वपूर्ण परियोजना है जो आधुनिक मशीनरी और तकनीकी सहायता की सुविधाओं के साथ भारत के रत्न और आभूषण क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता को बढ़ावा देगी।

श्री वाई.के. चौबे ने एनएचपीसी के सीएमडी का पदभार संभाला

नई दिल्ली। श्री वाई.के. चौबे ने 1 सितंबर, 2022 को भारत की प्रमुख जलविद्युत कंपनी एनएचपीसी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के पद का अतिरिक्त प्रभार संभाला है। श्री वाई.के. चौबे वर्तमान में निदेशक (कार्मिक) के अतिरिक्त प्रभार के साथ एनएचपीसी में निदेशक (तकनीकी) के पद पर हैं। श्री चौबे आईआईटी खड़गपुर से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं। वे 1985 में एनएचपीसी में 540 मेगावाट चमेरा जलविद्युत परियोजना (अब चमेरा-ढ्ढ पावर स्टेशन), हिमाचल प्रदेश में परिवीक्षाधीन कार्यपालक (सिविल) के रूप में शामिल हुए थे। श्री चौबे अपने करियर में तेजी से आगे बढ़े और अब उन्होंने एनएचपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के पद का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया है।

चौबे को एनएचपीसी के विभिन्न विभागों (संविदा, डिजाइन और इंजीनियरिंग) और निर्माण परियोजनाओं में विभिन्न पदों पर 37 वर्षों से भी अधिक समय से कार्य करने का अनुभव है। उनके पास अवधारणा से लेकर कमीशनिंग तक जलविद्युत परियोजना के विकास के सभी पहलुओं का अनुभव है और उन्होंने एनएचपीसी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

निदेशक (तकनीकी) के रूप में, श्री चौबे के पास सर्वेक्षण अन्वेषण, योजना, अपेक्षित मंजूरी प्राप्त करने, नई परियोजनाओं के लिए प्रमुख संविदाओं (सिविल, हाइड्रो-मैकेनिकल, इलेक्ट्रो-मैकेनिकल, सौर आदि) को अंतिम रूप देने और मौजूदा पावर स्टेशनों के ओ एंड एम की जिम्मेवारी थी।

कार्यपालक निदेशक (संविदा) के रूप में, श्री चौबे कार्यों के पूर्व और बाद के चरणों से संबंधित संविदात्मक मुद्दों के निपटान सहित प्रमुख संविदाओं (सिविल, हाइड्रो-मैकेनिकल, इलेक्ट्रो-मैकेनिकल, सोलर आदि) को अंतिम रूप देने और अवार्ड करने के लिए जिम्मेदार थे।

चौबे का करियर डिजाइन और इंजीनियरिंग विभाग में 25 से अधिक वर्षों तक का रहा है, जिसमें उन्होंने पीएफआर/एफआर/डीपीआर और हाइड्रो-इलेक्ट्रिक/रिवर वैली परियोजनाओं के निर्माण चरण डिजाइन के लिए विभिन्न क्षमताओं और योजना एवं लेआउट इंजीनियरिंग में कार्य किया है।

चौबे ने एनएचपीसी की दो प्रतिष्ठित परियोजनाओं अर्थात कनाडा के एसएनसी/एसीआरईएस के सहयोग से निष्पादित 540 मेगावाट की चमेरा-ढ्ढ परियोजना, हिमाचल प्रदेश और उड़ी सिविल-स्वीडिश कंसोर्टियम द्वारा टर्नकी आधार पर निष्पादित 480 मेगावाट उड़ी जलविद्युत परियोजना, जम्मू-कश्मीर के निर्माण में भी कार्य किया है।

चौबे ने 2014 में बीजिंग, चीन में तीसरी चीन-भारत सामरिक आर्थिक वार्ता के लिए योजना आयोग के उपाध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकारी समूह के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भी योगदान दिया। पोलावरम परियोजना प्राधिकरण के अनुरोध पर 2017 में उन्होंने कॉफर बांध की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए पोलावरम बहुउद्देश्यीय परियोजना के लिए एनएचपीसी विशेषज्ञ टीम का नेतृत्व किया।

चौबे को एनएचपीसी द्वारा 1993 में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रम के तहत स्टॉकहोम, स्वीडन भेजा गया। उन्होंने आईकोल्ड-2004, सियोल, दक्षिण कोरिया और आईकोल ?ड-2016, जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में भी भाग लिया।

श्री चौबे बुंदेलखंड सौर ऊर्जा लिमिटेड, चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और रतले हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बोर्ड में नामित निदेशक के रूप में भी हैं।

राजेश कुमार श्रीवास्तव ने ओएनजीसी के सीएमडी के रूप में अतिरिक्त प्रभार संभाला

नई दिल्ली। ओएनजीसी के निदेशक (अन्वेषण) राजेश कुमार श्रीवास्तव ने 1 सितंबर 2022 को ऊर्जा महारत्न के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार संभाला है, डॉ अलका मित्तल के 31 अगस्त पर ओएनजीसी सीएमडी के रूप में सेवानिवृत्त होने के बाद राजेश कुमार श्रीवास्तव 2 अगस्त 2019 से निदेशक (अन्वेषण) के रूप में कार्यरत हैं और ऊर्जा कंपनी के बोर्ड में सबसे वरिष्ठ निदेशक हैं। राजेश कुमार श्रीवास्तव 2 अगस्त 2019 से निदेशक (अन्वेषण) के रूप में कार्यरत हैं और ऊर्जा कंपनी के बोर्ड में सबसे वरिष्ठ निदेशक हैं।

राजेश कुमार श्रीवास्तव ने लखनऊ विश्वविद्यालय से मास्टर ऑफ साइंस (भूविज्ञान) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर से इंजीनियरिंग भूविज्ञान में मास्टर डिग्री हासिल की।

उनके पास फाइनेंशियल टाइम्स, यूनाइटेड किंगडम से प्रतिष्ठित गैर-कार्यकारी निदेशक डिप्लोमा भी है। वह 1984 में राजमुंदरी में कृष्णा गोदावरी बेसिन में भूविज्ञानी के रूप में ओएनजीसी में शामिल हुए।

हार्डकोर एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन बिजनेस में 38 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, राजेश कुमार श्रीवास्तव वेल-साइट संचालन, विकास भूविज्ञान, भूकंपीय डेटा व्याख्या से लेकर निगरानी और अन्वेषण की योजना तक अप-स्ट्रीम हाइड्रोकार्बन अन्वेषण के विशेषज्ञ हैं।

ओएनजीसी के अन्वेषण और विकास निदेशालय में अपने कार्यकाल के दौरान, वह असम और असम अराकान (ए एंड एए) बेसिन, महानदी बंगाल अंडमान (एमबीए) बेसिन, कृष्णा-गोदावरी (केजी) बेसिन और कावेरी बेसिन की खोज और विकास गतिविधियों से निकटता से जुड़े थे। भारत के 8वें बेसिन - बंगाल बेसिन को निदेशक के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उत्पादन पर रखा गया था। विंध्य बेसिन जो जल्द ही भारत का 9वां उत्पादक बेसिन बन सकता है, इसकी सफलता का श्रेय भी उनके बौद्धिक नेतृत्व को जाता है। वह वर्तमान में ओएनजीसी के आक्रामक अन्वेषण कार्यक्रम के वास्तुकार भी हैं।

उन्होंने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा संचालित पूर्वोत्तर भारत के लिए हाइड्रोकार्बन दृष्टि-2030 के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने मिस्र और सूडान के कई अन्वेषण और विकास खंडों का भी मूल्यांकन किया है। भारतीय बेसिन में हाइड्रोकार्बन की खोज, क्षेत्र विकास और हाइड्रोकार्बन की खोज में उनके योगदान के लिए राजेश कुमार श्रीवास्तव को 2009 में राष्ट्रीय खनिज पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। राजेश कुमार श्रीवास्तव ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल) के अध्यक्ष और भारतीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस (आईजीएल) के अध्यक्ष भी हैं।

हिमाचल में कामधेनु दूध दो रुपये प्रति लीटर महंगा हुआ

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश में कामधेनु दूध गुरुवार से दो रुपये प्रति लीटर मंहगा हो गया। यह जानकारी उत्पादक-एवं-विक्रेता संघ ने दी। कामधेनु हितकारी मंच के नानक सिंह के अनुसार दुग्ध उत्पादक परिवारों के हितों को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने यह निर्णय लिया है। गाय के दूध के उत्पादक एवं विक्रेता ने इससे पहले तीन मार्च को दूध के दाम में दो रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की थी। वेरका कंपनी ने 19 अगस्त को राज्य में दूध के दम में दो रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की थी। सिंह ने कहा कि गायों को खिलाने के लिए कुट्टी और खल की कीमतों में वृद्धि के कारण संगठन को दूध के दाम बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा। पूरे हिमाचल प्रदेश में दूध की आपूर्ति कामधेनु संस्था द्वारा की जाती है। इस दूध को बिलासपुर, हमीरपुर, मंडी, कुल्लू, सोलन, शिमला जिलों के साथ चंडीगढ़ में भी पहुंचाया जाता है। इससे पहले कामधेनु दूध हिमाचल प्रदेश के निचले इलाकों जैसे बिलासपुर, हमीरपुर में 52 रुपये प्रति लीटर मिल रहा था जबकि पहाड़ी इलाकों जैसे शिमला, कुल्लू, मंडी और सोलन में इसकी कीमत 54 रुपये प्रति लीटर थी।

पश्चिम बंगाल में ट्रांसमिशन टॉवर विनिर्माता समूह पर आय कर छापेमारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने बिजली पारेषण एवं वितरण (टी एंड डी) के काम आने वाले लोहे के खम्भे आदि बनाने के काम करने वाले कोलकाता के एक प्रमुख कंपनी समूह के ठिकानों पर छापे और तलाश अभियान में 250 करोड़ रुपये की बेहिसाब आय तथा सम्पत्ति का पता लगाया है।

वित्त मंत्रालय की गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह कार्रवाई इस समूह के पश्चिम बंगाल और झारखंड में फैले 28 परिसरों पर 24 अगस्त को की गयी।

यह कंपनी समूह स्टील स्ट्रक्चर्स, स्टील ईआरडब्ल्यू पाइप और पॉलिमर उत्पादों आदि के विनिर्माण और आपूर्ति का कारोबार करता है।

विज्ञप्ति के अनुसार कर अधिकारियों को इस तलाश अभियान के दौरान समूह द्वारा अपनाए गए कर चोरी के विभिन्न तरीकों का पता चला। उन्हें फर्जी खर्च और अघोषित नकद बिक्री की बुकिंग वाले दस्तावेज और डिजिटल डेटा के रूप में बड़ी संख्या में आपत्तिजनक सबूत मिले हैं। छापों में कुछ ठिकानों से अचल संपत्ति की खरीद और भारी नकद ऋण बेहिसाब तथा नकदी के बेहिसाब उपयोग के सबूत भी जब्त किए गए हैं। जब्त सामग्री के प्रारंभिक विश्लेषण से पता चलता है कि इस कंपनी समूह ने अपनी प्रमुख कंपनियों के काम-काज में हेरा-फेरी के लिए फर्जी लेन-देन की प्रविष्टियों में कई मुखौटा कंपनियों का उपयोग किया गया है।

ऐसी मुखौटा इकाइयों ने समूह की मुख्य कंपनियों में शेयर पूंजी/बिनागारंटी के ऋण के तौर पर बेहिसाब किताब का धन डाला। इसके अलावा, एक एंट्री ऑपरेटर (कारोबार की प्रविष्टियां दर्ज करने वाली इकाई) द्वारा कई खोखा कंपनियों के बड़े जाल के माध्यम से की गयीं 150 करोड़ रुपये से अधिक की प्रविष्टियों का भी पता लगाया गया है। आयकर विभाग के अनुसार इस अभियान में अब तक जांच में कुल 250 करोड़ रुपये से अधिक की बेहिसाबी आय और सम्पत्ति का पता चला है और जांच जारी है।

एस्टर गार्जियन ग्लोबल नर्सिंग अवार्ड 2023 दुनिया भर की नर्सों के नामांकन के लिए खुला

नयी दिल्ली। मानव जाति और स्वास्थ्य सेवा समुदाय के लिए नर्सों के योगदान को मान्यता देने के प्रयासों में एस्टर डीएम हेल्थकेयर ने एस्टर गार्जियन ग्लोबल नर्सिंग अवार्ड के अगले संस्करण की घोषणा की है। यह पुरस्कार दुनिया भर से पंजीकृत नर्सों को सीधे कंपनी की वेबसाइट पर नामांकन करके पुरस्कार के लिए आवेदन करने के लिए आमंत्रित करता है। पंजीकृत नर्सें अब 30 नवंबर, 2022 तक अपनी पसंदीदा भाषा - अंग्रेजी, मंदारिन, हिंदी, स्पेनिश, फ्रेंच, अरबी या तागालोग में आवेदन करना शुरू कर सकती हैं। नर्स योगदान के एक प्राथमिक और अधिकतम दो माध्यमिक क्षेत्रों में आवेदन कर सकती हैं, अर्थात् - रोगी देखभाल, नर्सिंग नेतृत्व, नर्सिंग शिक्षा, सामाजिक या सामुदायिक सेवा और अनुसंधान या नवाचार। योगदान के द्वितीयक क्षेत्र वैकल्पिक हो सकते हैं। एक बार आवेदन प्राप्त होने के बाद, यह एक तीसरे पक्ष की बाहरी एजेंसी और एक स्वतंत्र जूरी द्वारा प्रबंधित करने के लिए एक कठोर बहु-दौर समीक्षा प्रक्रिया काक पालन करेगा। एस्टर ने अर्न्स्ट एंड यंग एलएलपी (ईवाई) को प्रोसेस एडवाइजर्स के रूप में नियुक्त किया है जो परिभाषित पात्रता मानदंड, विशेषज्ञों के एक स्वतंत्र पैनल द्वारा प्रविष्टियों के मूल्यांकन के आधार पर आवेदनों की उचित परिश्रम सुनिश्चित करेगा और शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों की एक सूची प्रस्तुत करेगा।

सेल के 30 हजार टन स्पेशल स्टील से बना है आईएनएस विक्रांत

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की स्टील कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने देश के पहले स्वदेशी रूप से निर्मित एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत के लिए सारी डीएमआर ग्रेड स्पेशियलिटी स्टील की आपूर्ति की है।

कंपनी ने इस बड़ी उपलब्धि को हासिल करने के साथ आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में भागीदारी निभाते हुए, भारतीय नौसेना के इस पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर के निर्माण के लिए करीब 30000 टन डीएमआर ग्रेड स्पेशियलिटी स्टील की आपूर्ति की है। यह स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड से 02 सितंबर, 2022 को चालू होगा। इस स्वदेशी परियोजना के लिए सेल द्वारा आपूर्ति किए गए स्टील में विशेष डीएमआर ग्रेड प्लेट्स शामिल हैं। इन डीएमआर ग्रेड प्लेट्स को सेल ने भारतीय नौसेना और डीएमआरएल के सहयोग से विकसित किया है। इस युद्धपोत के पतवार और पोत के अंदरूनी हिस्सों के लिए ग्रेड 249 ए और उड़ान डेक के लिए ग्रेड 249 बी की डीएमआर प्लेटों का उपयोग किया गया। इस युद्धपोत के लिए बल्ब बार को छोड़कर, स्पेशियलिटी स्टील की पूरी आपूर्ति कंपनी के एकीकृत इस्पात संयंत्रों - भिलाई, बोकारो और राउरकेला द्वारा की गई है। आईएनएस विक्रांत के निर्माण में उपयोग किया गया यह विशेष ग्रेड स्टील - डीएमआर प्लेट आयात में कमी लाने में मददगार है। भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत चालू होना भारत की आजादी के 75 साल के अमृतकाल के दौरान देश के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है और यह देश के आत्मविश्वास और कौशल का प्रतीक भी है। यह स्वदेशी विमानवाहक पोत देश के तकनीकी कौशल एवं इंजीनियरिंग कौशल का प्रमाण है। विमानवाहक युद्धपोत बनाने में भारत की आत्मनिर्भरता की सक्षमता का प्रदर्शन, देश के रक्षा स्वदेशीकरण कार्यक्रमों और %मेक इन इंडिया% अभियान को सुदृढ़ करेगा। आईएनएस विक्रांत के चालू होने के साथ, हमारा देश विश्व के उन विशिष्ट देशों के क्लब में प्रवेश कर गया है जो स्वयं अपने लिए विमान वाहक बना सकते हैं और इस उत्कृष्ट इंजीनियरिंग का भागीदार बनना सेल के लिए बेहद खुशी की बात है।

शार्ट न्यूज

बीडब्ल्यूएफ हॉन्ग कॉन्ग ओपन, मकाऊ ओपन रद्द

कुआलालंपुर। विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्ल्यूएफ) ने गुरुवार को हांगकांग ओपन 2022 (सुपर 500) और मकाऊ ओपन 2022 (सुपर 300) को कोविड-19 महामारी के कारण रद्द करने की घोषणा की। बीडब्ल्यूएफ ने यहां जारी बयान में कहा, हांगकांग में चल रही कोविड-19 स्थिति और क्वारंटाइन की जटिलताओं को ध्यान में रखते हुए, हांगकांग बैडमिंटन एसोसिएशन (एचकेबीए) सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा था, ताकि कार्यक्रम में भाग लेने वालों के लिए कुछ प्रतिबंधों में ढील दी जा सके। सभी विदेशी आगंतुकों के लिए अब भी क्वारंटाइन प्रतिबंधों की आवश्यकता होने के कारण एचकेबीए ने निष्कर्ष निकाला कि टूर्नामेंट को रद्द करने के अलावा कोई अन्य व्यवहार्य विकल्प नहीं था। इसी तरह, बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ मकाऊ ने देश में यात्रा और प्रवेश प्रतिबंधों और स्वास्थ्य रोकथाम उपायों पर विचार करने के बाद बीडब्ल्यूएफ को सूचित किया कि इस साल उनके टूर्नामेंट आयोजित करने की कोई संभावना नहीं है। बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर इस सप्ताह जापान ओपन 2022 के साथ जारी है। इसके बाद दुनियाभर के खिलाड़ी डेनमार्क, फ्रांस और जर्मनी में टूर्नामेंट खेलने के लिए अक्टूबर में यूरोप रवाना होंगे।

विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप 2023, 2025 तक स्थगित

मोनाको। चीन के नानजिंग में 17-19 मार्च 2023 के बीच होने वाली विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप को मार्च 2025 तक के लिये स्थगित कर दिया गया है। विश्व एथलेटिक्स परिषद ने गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा, कोरोना महामारी की स्थिति को देखते हुए नानजिंग आयोजन समिति (एनओसी) और चीनी एथलेटिक्स संघ (सीएए) की सहमति से यह फैसला लिया गया है। उल्लेखनीय है कि नानजिंग को विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप 2020 की मेजबानी के लिये चुना गया था। कोरोना महामारी के कारण इसे पहले मार्च 2021 तक, फिर मार्च 2023 तक और अब मार्च 2025 तक के लिये स्थगित कर दिया गया है। विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप का अगला आयोजन ग्लासगो, 2024 में किया जाएगा। चैंपियनशिप के 2026 आयोजन के लिये बोली प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, इसलिये नानजिंग चैंपियनशिप के लिये वर्ष 2025 को चुना गया है। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा, हम निराश हैं कि हमें अपने नियंत्रण से बाहर की परिस्थितियों के कारण इस आयोजन को फिर से स्थगित करना पड़ा है, लेकिन हमने 2023 प्रतियोगिता सत्र की तैयारी करने वाले एथलीटों और सदस्य संघों को निश्चितता देने के लिए ऐसा किया है।

राष्ट्रीय सीनियर पुरुष हैंडबॉल चैंपियनशिप सात सितंबर से

लखनऊ। नवाबों के शहर लखनऊ में सात से 11 सितंबर के बीच खेली जाने वाली 51वीं राष्ट्रीय सीनियर पुरुष हैंडबॉल चैंपियनशिप में गत विजेता एसएससीबी, उपविजेता राजस्थान और मेजबान उत्तर प्रदेश समेत 30 टीमें खिताब के लिए जोर आजमाइश करेंगी। भारतीय हैंडबॉल संघ के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप के मैच केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेले जाएंगे। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने गुरूवार को यहां पत्रकारों को बताया कि लीग कम नाकआउट आधार पर होने वाली इस चैंपियनशिप के लिए तेजी से तैयारियां चल रही हैं। चैंपियनशिप के लिए केडी सिंह बाबू स्टेडियम में चार कोर्ट बनाए जा रहे है जहां सुबह एवं शाम की पालियों में मुकाबले खेले जाएंगे। पांडेय ने बताया कि चैंपियनशिप में खेलने आने वाली 30 टीमों को आठ पूल में बांटा जाएगा। सभी टीमों ने आने की मंजूरी दे दी है। लखनऊ तीसरी बार राष्ट्रीय हैंडबॉल चैंपियशिप की मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा कि चैंपियनशिप में 30 राज्यों की टीमों से 600 खिलाड़ी व अधिकारी भाग लेंगे। चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में एसएससीबी की टीम विजेता जबकि राजस्थान उपविजेता रही थी।

टिम डेविड ने ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम में जगह बनायी

मेलबर्न, 01 सितंबर (वार्ता) क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सितंबर में होने वाले भारत दौरे और अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये 15 सदस्यीय दल की घोषणा गुरुवार को की, जिसमें बहुचर्चित टिम डेविड को शामिल किया गया है। संयुक्त अरब अमीरात में पिछले साल हुए टी20 विश्व कप 2020 की विजेता ऑस्ट्रेलिया ने घर में होने वाले टी20 विश्व कप 2022 के लिये लेग-स्पिनर मिचेल स्वेपसन के अलावा टीम में कोई बदलाव नहीं किये। लेग-स्पिनर स्वेपसन की जगह डेविड को टीम में शामिल किया गया है जो फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के कारण आकर्षण के पात्र बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर की संयुक्त राष्ट्रीयता रखने वाले टिम डेविड सिंगापुर के लिये 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेल चुके हैं, और अब वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से पदार्पण करने के लिये तैयार हैं। डेविड ने पिछले दो सालों में फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट में 86 टी20 मैच खेलते हुए 168.40 की स्ट्राइक रेट से 1,874 रन बनाये हैं। आंकड़ों बताते हैं कि डेविड औसतन हर 4.5 गेंदों पर एक चौका या छक्का जड़ते हैं, और 16 से 20 ओवर के बीच उनका स्ट्राइक रेट 204.8 का हो जाता है।

एंड्रेस्कू तीसरे दौर में, गार्सिया से होगा मुकाबला

न्यूयॉर्क। कनाडा की युवा टेनिस खिलाड़ी बियांका एंड्रेस्कू ने विश्व की नंबर 15 खिलाड़ी ब्राज़ील की बियत्रिज़ हद्दाद माया को हराकर यूएस ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश किया। गैर-वरीयता प्राप्त एंड्रेस्कू ने अपने से बेहतर रैंक वाली हद्दाद माया को 6-2, 6-4 के सीधे सेटों में मात दी। एंड्रेस्कू ने पहले दौर में हार्मनी टैन के सामने संघर्ष किया था, लेकिन दूसरे दौर में उन्होंने अपनी ब्राज़ीलियन प्रतिद्वंदी के सामने अनुशासनात्मक खेल दिखाया। हद्दाद माया इस सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए नॉटिंघम और बर्मिंघम में खिताब जीत चुकी हैं, लेकिन एंड्रेस्कू के प्राकृतिक खेल के सामने वह बेअसर नज़र आयीं। एंड्रेस्कू ने जीत के बाद कहा, मुझे मुश्किल प्रतिद्वंदियों के सामने खेलना पसंद है क्योंकि बेहतर रैंक वाले खिलाड़ियों के खिलाफ मेरा खेल और निखर कर आता है। मुझे पता है कि वह (हद्दाद माया) अच्छा खेल रही हैं, इसलिये मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना था। अगर ऐसा नहीं होता तो मैच का नतीजा अलग भी हो सकता था। मैं बहुत सकारात्मक मानसिकता के साथ खेल रही थी और अंत तक मुकाबला किया। दूसरा सेट थोड़ा मुश्किल था लेकिन मैंने संघर्ष किया जिससे मैं बेहद खुश हूं। एंड्रेस्कू अब अगले दौर में सिनसिनाटी ओपन चैंपियन और जुलाई से अब तक सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली फ्रांस की कैरोलीन गार्सिया का सामना करेंगी।

मेदवेदेव तीसरे दौर में, ड्रेपर ने किया उलटफेर

न्यूयॉर्क। यूएस ओपन 2021 के चैंपियन और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी डेनील मेदवेदेव ने फ्रांस के आर्थर रिंडरनेक को हराकर लगातार पांचवीं बार ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। टॉप सीड मेदवेदेव ने बुधवार को दूसरे दौर में अपने फ्रांसीसी प्रतिद्वंदी को 6-2, 7-5, 6-3 से मात दी। मेदवेदेव ने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में अपने पिछले 22 मैचों में से 20 में जीत दर्ज की है। उन्होंने जीत के बाद कहा, मैं तीसरे सेट में अपने खेल के स्तर से कुश हूं, तो यह बहुत अच्छा है। मैच के अंत तक चीजें बेहतर होती गयीं। जीतना, टूर्नामेंट में रहना और ज्यादा से ज्यादा मैच खेलना सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। मेदवेदेव अब तीसरे दौर में चीन के वी यिबिंग का सामना करेंगे, जो दूसरे दौर में पुर्तगाल के नुनो बोर्गेस को 6-7(3), 7-6(4), 4-6, 6-4, 6-4 से मात देकर आ रहे हैं। दूसरी ओर, ब्रिटेन के जैक ड्रेपर ने यूएस ओपन के छठी सीड फेलिस्क ऑगर-एलियासेम को करारा झटका देते हुए 6-4, 6-4, 6-4 से हराया।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज़ में इंडिया लीजेंड्स के कप्तान होंगे तेंदुलकर

मुंबई। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर आठ सितंबर को शुरू होने वाली रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज़-2 में एक बार फिर गत चैंपियन इंडिया लीजेंड्स की कप्तानी करेंगे।

यह टूर्नामेंट कानपुर, रायपुर, इंदोर और देहरादून में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का पहला मैच कानपुर में खेला जाएगा जबकि सेमीफाइनल और फाइनल रायपुर में आयोजित होंगे।

न्यूज़ीलैंड लीजेंड्स इस सत्र की नयी टीम है जो भारत, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, वेस्ट इंडीज़, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ 22-दिवसीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज़ को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और युवा मामले एवं खेल मंत्रालय का समर्थन प्राप्त है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज़ सीज़न-2 के बारे में कहा, रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज़ क्रिकेट के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करने की एक बहुत अच्छी पहल है। हम चाहते हैं कि इस देश का हर व्यक्ति जागरूक हो और सड़क पर रहते हुए हर नियम का पालन करे। ऐसा मुमकीन करने के लिए हमें लोगों के बीच जागरूकता पैदा करनी होगी। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह श्रृंखला भारतीय सड़कों पर जीवन बचाने के लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम होगी। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस आयोजन की सफलता की कामना करते हुए कहा, मुझे यकीन है कि रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज़ सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देगी और सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों की मानसिकता को प्रभावित करने के लिए एक आदर्श मंच के रूप में काम करेगी। बीसीसीआई के पूर्व प्रमुख ने यह भी कहा कि वह यह जानकर बेहद खुश हैं कि ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश, श्रीलंका और मेजबान भारत आठ देशों के दिग्गज इस टूर्नामेंट में भाग लेने जा रहे हैं।

सुब्रतो कप की आधिकारिक बॉल, किट और ट्राफी का अनावरण

नयी दिल्ली। सुब्रतो कप अन्तराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट के 61वें संस्करण का गुरुवार को यहां आकाश वायुसेना अधिकारी मेस में आयोजित एक कार्यक्रम में किट, आधिकारिक गेंद और ट्राफी का अनावरण किया गया। सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशन सोसाइटी (एसएमएसईएस) ने बताया कि इस अवसर पर एयर आफिसर प्रभारी प्रशासन और उपाध्यक्ष एयर मार्शल के अनंतराम मुख्य अतिथि और पूर्व भारतीय फुटबॉल कप्तान बाईचुंग भाटिया विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर सुब्रतो सोसायटी के सदस्य और महानिदेशक (प्रशासन) एयर मार्शल आर के आनंद और दिल्ली फुटबॉल संध के अध्यक्ष शाह जी प्रभाकरण भी उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता का आयोजन कोरोना महामारी के कारण दो साल बाद किया जा रहा है। इस मौके पर पूर्व कप्तान भूटिया ने कहा, मैंने मेरी फुटबॉल यात्रा सुब्रतो कप में खेलकर शुरू की थी और मेरे लिए यह सम्मान की बात है कि इसी प्रतियोगिता में मुझे विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। बच्चे इस प्रतियोगिता से अच्छे अनुभव प्राप्त करेंगे और उम्मीद है कि भविष्य में भारत के लिए कई खिलाड़ी सामने आयेंगे। एयर मार्शल अनंतराम ने कहा, हमें सुब्रतो कप के साथ वापस आकर खुशी हो रही है। यह प्रतियोगिता बच्चों को पेशेवर कैरियर बनाने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। प्रतियोगिता में इस साल भारत के 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 92 स्कूलों ने तीन श्रेणियों में क्वालीफाई किया है और बंगलादेश की एक टीम भी भाग लेगी।

पूर्व पाकिस्तानी कप्तान राशिद लतीफ ने कहा- भारतीय खिलाड़ी अब सचिन तेंदुलकर को फॉलो नहीं करते, वह एमएस धोनी के फैन हैं

नई दिल्ली। भारत ने बुधवार को एशिया कप 2022 में हॉन्ग कॉन्ग को 40 रन से हराकर सुपर-4 में जगह बनाई। भारत ने हॉन्ग कॉन्ग को 193 रन का लक्ष्य दिया था, जिसके जवाब में हॉन्ग कॉन्ग 152 रन ही बना सकी। शुक्रवार को पाकिस्तान और हॉन्ग कॉन्ग के बीच होने वाले मुकाबले का विजेता रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम से रविवार को टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में भिड़ेगा। भारत के लिये मैच के स्टार सूर्यकुमार यादव रहे, जिन्होंने सिर्फ 26 गेंदों पर छह चौके और छह छक्के जड़ते हुए 68 रन बनाकर हॉन्ग कॉन्ग के छक्के छुड़ा दिए। इसके अलावा विराट कोहली ने भी 44 गेंदों पर 59 रन बनाकर छह महीने बाद पचास रन के आंकड़े को छुआ। सूर्यकुमार की धमाकेदार पारी की फैंस से लेकर पूर्व क्रिकेटरों ने तारीफ की। लेकिन पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने सूर्य की पारी और अन्य बल्लेबाजों को लेकर एक अलग तरह का बयान दिया है। लतीफ ने भारत की जीत के बाद अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर कहा, खेल बदल गया है। एक समय था जब खिलाड़ी तेंदुलकर, सहवाग, विराट कोहली को भी फॉलो करते थे। वे उनके रिकॉर्ड तोड़ना चाहेंगे। लेकिन इस टीम में 3-4 खिलाड़ी ऐसे हैं, जो उनके नहीं मानते हैं। हां, इज्जत है, लेकिन वे एमएस धोनी को फॉलो करते हैं। हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव, यहां तक कि दीपक हुड्डा भी उनकी तरह खेलते हैं। उन्होंने आगे कहा, सुनील गावस्कर और सचिन तेंदुलकर से, खिलाड़ी अब एमएस धोनी को फॉलो कर रहे हैं। जिस तरह से वह खेला और जिस तरह से वह खेल को बनाया था.. शीर्ष-3 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहे, लेकिन अगले तीन वास्तव में अच्छा कर रहे हैं।

विराट कोहली की फॉर्म पर बोले गौतम गंभीर- ऐसा कोई खास बॉलिंग अटैक नहीं था जो हम जज कर पाएं

नई दिल्ली। भारत और हांगकांग के बीच बुधवार को खेले गए एशिया कप 2022 के मैच में विराट कोहली ने नॉटआउट 59 रन बनाए। विराट ने तीन छक्के और एक चौका लगाया और इस दौरान 134 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। अब विराट की फॉर्म में वापसी हो गई है या नहीं? इस पर बहस जारी है। जब पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इसका एकटूक जवाब देते हुए कहा कि हांगकांग जैसी टीम के खिलाफ विराट या किसी बल्लेबाज को जज नहीं किया जा सकता। स्टार स्पोर्ट्स पर गंभीर ने कहा, शायद यह सही विरोधी टीम नहीं है, जिसके खिलाफ हम विराट या किसी बल्लेबाज की बैटिंग को जज कर सकें, लेकिन हां ये रन जरूरी थे। आपको बीच में रन बनाने के लिए एफर्ट लगाने होते हैं, भले ही कोई भी विरोधी टीम हो।

जापान ओपन : प्रणय क्वार्टरफाइनल में, श्रीकांत बाहर

ओसाका। भारत के स्टार शटलर एच.एस. प्रणय ने गुरुवार को जापान ओपन 2022 में सिंगापुर के लोह कीन यू को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली, जबकि उनके हमवतन किदांबी श्रीकांत जापान के कांटा सुनीयामा से प्री-क्वार्टरफाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गये।

राष्ट्रमंडल खेल 2018 के गोल्ड मेडलिस्ट प्रणय ने शीर्ष-16 मैच में अपने से बेहतर रैंकिंग वाले कीन यू को सीधे 22-20, 21-19 से मात दी। क्वार्टरफाइनल में प्रणय का मुकाबला ताइवान के चाउ तियेन चैन से होगा।

सिंगापुर के कीन यू ने प्रणय के खिलाफ दोनों गेमों में अच्छी शुरुआत की लेकिन एक बार भी जीत हासिल नहीं कर सके। प्रणय ने पहले गेम में 11-17 से पिछड़ने के बाद और दूसरे गेम में 4-11 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दोनों गेम जीते।

प्रणय जापान ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में भारत के लिये पदक की एकलौती आश हैं, क्योंकि उनके हमवतन

श्रीकांत जापान के सुनेयामा से हारकर बाहर हो गये हैं।

दोनों खिलाड़ी पहली बार एक दूसरे का सामना कर रहे थे, जहां विश्व रैंकिंग के नंबर 17 सुनेयामा ने 14वीं रैंकिंग के श्रीकांत को 40 मिनट चले मैच में 21-16, 21-10 से मात दी।

दुनिया के पूर्व नंबर एक और राष्ट्रमंडल खेलों के 2022 के कांस्य पदक विजेता किदांबी श्रीकांत ने पिछले दौर में ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली ज़ी जिया को हराने के लिए कड़ी मेहनत की थी, लेकिन इस मैच में वह सुनायामा को चुनौती नहीं दे सके और दो गेम में हार गये।

जर्मनी से 77 साल बाद दूसरे विश्व युद्ध का हर्जाना मांगेगा पोलैंड, 1.3 खरब डॉलर की डिमांड

दूसरे विश्व युद्ध के 77 साल बाद पोलैंड ने कहा है कि वह जर्मनी से हर्जाना मांगेगा। इस युद्ध के दौरान नाजी अटैक में पोलौंड के लाखों लोग मारे गए थे। दूसरा विश्व युद्ध 1 सितंबर 1939 से 2 सितंबर 1945 तक लड़ा गया था। आज से 83 साल पहले यानी 1 सितंबर 1939 में हिटलर के नेतृत्व वाले नाजी जर्मनी ने पोलैंड पर आक्रमण कर कब्जा कर लिया था। अब पोलैंड उस आक्रमण का हर्जाना मांगेगा। पोलैंड के शीर्ष राजनेता ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार नाजियों द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उनके देश पर कब्जा करने के लिए जर्मनी से हर्जाना मांगेगी। सत्तारूढ़ दल के मुख्य नेता जारोस्लाव काजिंस्की ने कहा कि ऐसा करना पोलैंड का दायित्व है। काजिंस्की पोलैंड के मुख्य पॉलिकी मेकर हैं।

पोलैंड आधिकारिक तौर पर मरम्मत की मांग करेगा

नाजी अटैक की बरसी पर पौलैंड ने अपने नुकसान का अनुमान लगाया है। पोलैंड का कहना है कि द्वितीय विश्व

युद्ध के दौरान जब नाजी जर्मनी ने उनके देश पर आक्रमण किया था तब उससे 6.2 ट्रिलियन ज्लॉटी (1.32 ट्रिलियन डॉलर) का नुकसान हुआ था। देश के सत्तारूढ़ राष्ट्रवादी नेताओं ने गुरुवार को कहा कि पोलैंड आधिकारिक तौर पर मरम्मत की मांग करेगा। बता दें कि गुरुवार को पोलैंड ने एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें नाजी जर्मनी द्वारा अटैक के बाद नुकसान का खुलासा किया गया है।

युद्ध का पहला शिकार था पोलैंड

पोलैंड की दक्षिणपंथी सरकार का तर्क है कि उनका देश युद्ध का पहला शिकार था। लेकिन पड़ोसी देश जर्मनी ने उन्हें पूरी तरह से मुआवजा नहीं दिया। पोलैंड का कहना है कि जर्मनी अब यूरोपीय संघ के भीतर उसके प्रमुख भागीदारों में से एक है। 1 सितंबर, 1939 को नाजी जर्मनी ने बमबारी के साथ पोलैंड पर हमला किया था। जब तक हिटलर दूसरा विश्व युद्ध हार नहीं गया तब तक पौलैंड पूरे 5 साल तक नाजी जर्मनी के कब्जे में रहा था। इस युद्ध में हुए भीषण नुकसान को लेकर पोलैंड पिछले काफी समय से विचार कर रहा था। लगभग 30 अर्थशास्त्रियों, इतिहासकारों और अन्य विशेषज्ञों की एक टीम ने 2017 से इस रिपोर्ट पर काम किया है। हालांकि इस मुद्दे ने द्विपक्षीय तनाव जरूर पैदा कर दिया है।

पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेजेज डूडा ने डांस्क के पास वेस्टरप्लाटे प्रायद्वीप में कहा कि युद्ध हमारे इतिहास की सबसे भयानक त्रासदियों में से एक था। वेस्टरप्लाटे प्रायद्वीप वही जगह है जहां सबसे पहली बार नाजी सेना ने आक्रमण किया था।

उन्होंने कहा, न केवल इसलिए कि इसने हमारी आजादी या हमारे देश को हमसे छीन लिया, बल्कि हमारे राष्ट्र के लिए यह अपूरणीय क्षति इसलिए भी थी क्योंकि इस अटैक से पोलैंड के लाखों नागरिक पीड़ित हुए। उन्हें संघर्ष करना पड़ा।

पहले भी नुकसान का अनुमान जारी कर चुका है पोलैंड

पोलैंड ने इससे पहले भी अपने नुकसान का अनुमान लगाया था। 2019 से सत्ताधारी पार्टी के सांसद ने कहा था कि पोलौंड को 850 अरब का नुकासन हुआ था। हालांकि अब ये बढ़कर 1300 अरब बताया जा रहा है। सत्तारूढ़ पार्टी लॉ एंड जस्टिस ने 2015 में सत्ता संभालने के बाद से कई बार मुआवजे की मांग की है, लेकिन पोलैंड ने आधिकारिक तौर पर ये नहीं कहा कि उसे कितने डॉलर चाहिए।

काजिंस्की ने एक समाचार सम्मेलन में कहा, जो राशि पहले पेश की गई थी, उसे सबसे सीमित व पुराने तरीकों का इस्तेमाल करके अपनाया गया था, इसलिए इसका बढ़ना संभव था। जर्मनी के प्रति जुझारू रुख रखने वाली पार्टी ने बर्लिन के साथ संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया है। ये पार्टी जर्मनी पर निशाना साधकर अपने इलाकों में वोट मांगती रही है।

श्रीलंका में 15 लाख से अधिक लोगों को खाद्य सहायता की दरकार

कोलंबो। श्रीलंका में खाद्य संकट के बीच जूझ रहे, 15 लाख से अधिक लोगों को आपातकालीन खाद्य सहायता की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। डब्ल्यूएफपी ने एक बयान में बताया कि देश में करीब 60 लाख से अधिक लोग आर्थिक और खाद्य संकट का सामना कर रहे हैं इनमें गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। बयान में कहा गया है कि डब्ल्यूएफपी ने राष्ट्रीय स्कूल भोजन कार्यक्रम के माध्यम से दस लाख बच्चों तक पहुंचने के लिए मौजूदा सामाजिक सुरक्षा नेट कार्यक्रमों का समर्थन करने की भी योजना बनाई है।

पाकिस्तान में अब बाढ़ के चलते फैल रहीं बीमारियों, लाखों लोगों पर खतरा; अब तक 1,200 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आई भीषण बाढ़ के चलते अब महामारियां फैलने लगी हैं। सिंध, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में अब सड़ते हुए पानी से बीमारियां तक पैना होने लगी हैं। सरकार द्वारा देश भर में लगाए गए राहत शिविरों में लोग डायरिया, त्वचा संबंधी बीमारियों और आंखों में संक्रमण से प्रभावित हो रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा प्रभावित प्रांतों में से एक सिंध में पिछले 24 घंटे में डायरिया के 90,000 से ज्यादा मामले आए हैं। एक दिन पहले पाकिस्तान और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बाढ़ प्रभावितों के बीच जलजनित बीमारियों के फैलने पर चिंता प्रकट की थी। पाकिस्तान ने समय पूर्व मॉनसून और भारी बारिश के लिए जलवायु परिवर्तन को मुख्य कारण बताया है। जून के बाद से अचानक आई बाढ़ में 1191 लोगों की मौत हुई है और 3.3 करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं।

करीब 10 लाख मकान भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। इस संकट के चलते पाकिस्तान आर्थिक परेशानी भी झेल रहा है और आईएमएफ समेत दुनिया भर से मदद मांगी है। देश के अधिकांश हिस्सों में बाढ़ का पानी कम होता जा रहा है, लेकिन सिंध प्रांत के दक्षिणी हिस्से में कई जिलों में अब भी पानी नहीं घटा है। बाढ़ से विस्थापित हुए लगभग पांच लाख लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। सिंध के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. अजरा फजल पेचुहो ने कहा कि प्रांत में बाढ़ प्रभावित इलाकों में प्रभावित लोगों के इलाज के लिए हजारों चिकित्सा शिविर लगाए गए हैं।

मोबाइल चिकित्सा इकाइयों को भी तैनात किया गया है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि वह डायरिया, हैजा और अन्य संक्रामक रोगों के लिए निगरानी बढ़ा रहा है और स्वास्थ्य केंद्रों को चिकित्सा आपूर्ति प्रदान कर रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि शुरू में ज्यादातर मरीज बाढ़ से सदमाग्रस्त थे। लेकिन, अब डायरिया, त्वचा संक्रमण और अन्य जलजनित बीमारियों से पीड़ित हजारों लोग इलाज करवा रहे हैं।

दुनिया के सामने आए समुद्र में डूबे टाइटैनिक जहाज के चित्र

लंदन। कई साल से समुद्र में डूबे टाइटैनिक जहाज पर अन्वेषण कर रहे ओशनगेट टीम के सदस्यों ने आखिरकार मुकाम हासिल करके दुनिया को चौंका दिया है। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक टीम ने समुद्र में सौ साल से ज्यादा समय से डूबे टाइटैनिक जहाज के विभाजित हिस्सों की साफ, विहंगम तस्वीर दुनिया के सामने साझा की और इसके वीडियों में जहाज के विशाल 15 टन के लंगर को भी दिखाया गया। ओशनगेट टीम द्वारा ली गई टाइटैनिक जहाज की तस्वीर, वीडियो को इस सप्ताह सोशल प्लेटफार्म पर साझा किया है, जिसमें 12,500 फीट तक की गहराई में जमा जहाज के अद्भुत चित्र हैं। टाइटैनिक जहाज साल 1912 में डूबा था जिसका आधा हिस्सा समुद्र के तल में बैठ गया। रिपोर्ट के अनुसार, साझा किए गए, एक मिनट के लंबे वीडियो में दर्शक 110 साल पुराने जहाज के अलग-अलग भाग, पोर्टसाइड एंकर और एंकर चेन के साथ-साथ मलबे के अन्य हिस्सों को भी देख सकते हैं। ओशनगेट टीम के सदस्य और अनुभवी टाइटैनिक गोताखोर रोरी गोल्डन ने कहा मैं कई सालों से टाइटैनिक के मलबे का अध्ययन कर रहा हूं, जिससे संबंधित समुद्र में कई गोता लगा चुका हूं। मुझे इस स्तर के विवरण दिखाने वाली किसी अन्य छवि को देखने की याद नहीं है। मेरे लिए यह रोमांचक है।

चीन ने कोरोना के बढ़ते प्रकोप के बाद चेंगदू शहर में की लॉकडाउन की शुरुआत

बीजिंग। चीन ने कोरोना वायरस (कोविड-19) के बढ़ते संक्रमण के मामलों को देखते हुये यहां के निवासियों का पीसीआर परीक्षण करने के लिए दक्षिण-पश्चिमी सिचुआन प्रांत की दो करोड़ दस लाख की आबादी वाले शहर चेगदू में लॉकडाउन लागू करने की शुरुआत कर दी है। स्थानीय अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि एक से चार सितंबर के बीच शहर में सार्वभौमिक पीसीआर परीक्षण के कई दौर होंगे, जिसमें निवासियों को 10 बजे बाद से अपने घर नहीं छोड़ने के लिए कहा गया है। अधिकारियों ने कहा कि परिवार में केवल एक व्यक्ति किराने के सामान के लिए बाहर जा सकता है और उसका 24 घंटे के भीतर की एक निगेटिव पीसीआर रिपोर्ट होनी अनिवार्य है। साथ ही कहा गया कि नागरिकों को बिना किसी जरूरी काम के शहर छोड़ने के खिलाफ सख्त चेतावनी दी जाती है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि शहर में केवल सुपरमार्केट, किसान बाजार, फार्मेसियों, चिकित्सा सुविधाओं, खाद्य वितरण सेवाओं और खानपान व्यवसाय का संचालन जारी रह सकता है। बयान में कहा गया है कि चेंगदू पहुंचने वाले व्यक्तियों को प्रवेश द्वार पर आवश्यक महामारी-रोधी नियंत्रण से गुजरना होगा। शहर में सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के लिए एक नकारात्मक पीसीआर परीक्षण का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

संरा निगरानी टीम यूक्रेन में रूस के कब्जे वाले परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए रवाना

कीव। संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी टीम यूक्रेन के ज़ापोरिज्जिया क्षेत्र में जारी संघर्ष के बीच रूस के कब्जे वाले परमाणु ऊर्जा संयंत्र की ओर बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र की टीम का मौके पर पहुंच कर संयंत्र की क्षति का आकलन करने, इसकी सुरक्षा और सुरक्षा प्रणालियों की कार्यक्षमता का निर्धारण करने, कर्मचारियों की स्थिति का मूल्यांकन करने और सुरक्षा से संबंधित तत्काल कदम उठाये जाने का कार्यक्रम है। संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख परमाणु निरीक्षक राफेल ग्रॉसी नेरवानगी से पहले संवाददाताओं से कहा कि वे जापोरिज्जिया क्षेत्र में लगातार संघर्ष से अवगत हैं लेकिन हम नहीं रूकेंगे और अपनी यात्रा जारी रखेंगे। बीबीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि संरा परमाणु निगरानी टीम के मार्ग पर लगातार गोलीबारी जारी है। बीबीसी ने अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा कि सबसे बड़ा खतरा उस समय सामने आ सकता है, जब बख्तरबंद वाहनों का काफिला 'ग्रे ज़ोन' क्षेत्रों से आगे बढ़ेगा जहां किसी भी पक्ष की सेना का नियंत्रण नहीं है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. -DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।
–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।
–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।
–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।
–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।
–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।
–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।
–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।
–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।
–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।
–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।
–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।
–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।
–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।
–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।
–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।
–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।
–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं
अनिद्रा के रोगी

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।